www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, बुधवार, 10 अप्रैल, 2024 | वर्ष-17 | अंक -4 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

कश्मीरी पंडितों की वापसी को आतुर घाटी के ... 02

■ देश में बेरोजगारी चरम पर : कांग्रेस
■ दिल्ली व पंजाब में स्थापित आप सरकार को कुचलने... 03

■ मिस्र, जॉर्डन व फ्रांस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम... 07
■ मैक्सिको के दूतावास में गिरफ्तार इक्वाडोर के पूर्व...

सत्ता में मद में मर्यादा भूल गए हैं भाजपा... 10

रमजान मुबारक

10 अप्रैल-30

खत्म सहरी	:	4.39
रोजा इफ्तार	:	6.47

सार संक्षेप

लोकसभा चुनाव नए भारत के निर्माण का मिशन : मोदी

बालाघाट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकसभा का यह चुनाव किसी को सांसद बनाने का चुनाव नहीं है बल्कि नए भारत के निर्माण का मिशन है। मध्य प्रदेश के बालाघाट संसदीय क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने रानी दुर्गावती और अवंती का स्मरण करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लोग भाजपा से नहीं लड़ रहे, आपस में एक-दूसरे से लड़ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास अंसारी को दी अंतरिम जमानत

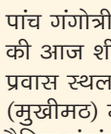

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कासगंज जेल में बंद अब्बास अंसारी को अपने पिता दिवंगत मुख्तार अंसारी की फातिहा रस्म में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस पर्याप्त सुरक्षा के तहत अब्बास अंसारी को कासगंज जेल से उनके पैतृक स्थान गाजीपुर लाएगी। न्यायिक हिरासत में होने के कारण अब्बास अंसारी अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके थे।

गंगोत्री धाम के कपाट 10 मई को खुलेंगे

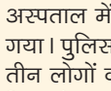

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत, स्थित गंगोत्री धाम मंदिर के कपाट आगामी 10 मई यानी शुक्रवार को अक्षय तृतीया पर अपराह्न 12:25 बजे अभिजीत मुहूर्त पर खुलेंगे। मंगलवार को वासंती नवरात्रि के प्रथम दिन श्री पांच गंगोत्री मंदिर समिति की आज शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा (मुखीमठ) में हुई बैठक में वैदिक पंचांग गणना के बाद कपाटोद्घान का मुहूर्त निश्चित किया गया।

पुलिस कैंप पर हमले के बाद संदेशखाली में तनाव

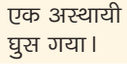

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में मंगलवार को एक पुलिस कैंप पर हमले के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। सोमवार देर रात हुए हमले में एक कांस्टेबल घायल हो गया। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि बदमाशों का एक समूह सोमवार देर रात संदेशखाली में शितुलिया इलाके में बाढ़ केंद्र पर स्थित एक अस्थायी पुलिस कैंप में घुस गया।

महाराष्ट्र में एमवीए एकजुट, हुआ सीटों का बंटवारा

भाजपा को हराना गठबंधन का लक्ष्य : ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) 21, कांग्रेस 17 व एनसीपी शरद गुट दस सीटों पर लड़ेगा चुनाव

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे का एलान कर दिया है। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं।

■ कांग्रेस ने सांगली व भिवंडी पर दावा छोड़ा
■ राज्य में 5 चरणों में होगा लोकसभा चुनाव

इनमें से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) 21, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) 10 और कांग्रेस 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। राकांपा (शरद गुट) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने हफ्तों की बातचीत के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले का एलान किया। राज्य में 19 अप्रैल से 20 मई के बीच पांच चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। कांग्रेस ने सांगली और भिवंडी सीटों पर अपना दावा छोड़ दिया है। अब सांगली से शिवसेना (यूबीटी) और भिवंडी से एनसीपी (शरद गुट) चुनाव लड़ेगी। एमवीए की घटक दल शिवसेना ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य भाजपा को हराना है। इस दौरान कांग्रेस ने कहा कि पार्टी ने गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए बड़ा दिल दिखाने का फैसला किया है।

वसूली करने वालों की पार्टी के किसी नेता के लिए हमें फर्जी कहना सही नहीं है : उद्धव ठाकरे, यूबीटी

कांग्रेस ने भाजपा को हराने के लिए बड़ा दिल दिखाने का फैसला किया है: नाना पटोले, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष

शिवसेना (यूबीटी) कार्यालय 'शिवालय' में यह संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया।

इन सीटों पर चुनाव लड़ेगी यूबीटी

जलगांव, परभणी, नासिक, पालघर, कल्याण, ठाणे, रायगढ़, मावल, उस्मानाबाद, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, बुलढाणा, हथकनंगकाले, औरंगाबाद, शिरडी, सांगली, हिंगोली, यवतमाल-वाशिम, मुंबई साउथ, मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ वेस्ट और मुंबई नॉर्थ ईस्ट।

कांग्रेस इन सीटों पर करेगी मुकाबला

नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, मुंबई उत्तर मध्य, मुंबई उत्तर, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर और रामटेक।

राकांपा (शरद गुट) के हिस्से ये सीटें

बारामती, शिरूर, सतारा, भिवंडी, डिंडोरी, माधा, रावेर, वर्धन, अहमदनगर दक्षिण और बीड।

जीत के लिए भाजपा से लड़ेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उनकी पार्टी ने पीएम मोदी और भाजपा को हराने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बड़ा दिल दिखाने का फैसला किया है। कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा से लड़ेंगे। हम सांगली और भिवंडी में एमवीए उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करेंगे। हमारे कार्यकर्ता कभी नहीं भूलेंगे कि भाजपा ने हमारे नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ कैसा दुर्व्यवहार किया।

उद्धव ने मोदी की टिप्पणी का दिया जवाब

पीएम मोदी की ओर से उनकी पार्टी को 'नकली शिव सेना' कहे जाने के सवाल पर उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल का भाषण एक प्रधानमंत्री का भाषण नहीं था। जब हम जवाब देते हैं तो कृपया इसे प्रधानमंत्री के अपमान के रूप में न लें। हमारी आलोचना एक भ्रष्ट पार्टी के नेता के बारे में होगी। वसूली करने वालों की पार्टी के किसी नेता के लिए हमें फर्जी कहना सही नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी प्रेमलता सिंह चौधरी अपने हजारों समर्थकों के साथ मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। हरियाणा के प्रमुख नेता तथा किसानों के मसीहा सर छोटू राम के पोते श्री बीरेंद्र सिंह (78) ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, पवन खेड़ा समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

हरियाणा के प्रमुख नेता व सर छोटू राम के पोते है बीरेंद्र चौधरी

श्री वासनिक ने कहा, 'मैं कांग्रेस परिवार में श्री सिंह का स्वागत करता हूं। आज देश में लोकतंत्र और संविधान के सामने चुनौतियां हैं। ऐसी परिस्थितियों को जानते हुए चौधरी बीरेंद्र सिंह ने तय किया है कि हमें कांग्रेस के साथ आना होगा। उनके आने से कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर और हरियाणा में बल मिलेगा।'

ये विचारधारा की वापसी है

श्री सिंह ने कहा, मेरा कांग्रेस में शामिल होना न सिर्फ घर वापसी है बल्कि ये विचारधारा की वापसी भी है। मैं ये बात इसलिए कह रहा हूं- क्योंकि मैंने मान्यताओं को निभाया है।

रामदेव, बालकृष्ण ने फिर मांगी माफी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत में दायर दो अलग-अलग हलफनामों में, रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए भी माफी मांगी है।

21 नवंबर, 2023 के आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से पतंजलि द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग से संबंधित और इसके अलावा, औषधीय को लेकर दावा करने वाला या चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। आश्वासन का पालन न करने और उसके बाद के मीडिया बयानों ने शीर्ष अदालत को नाराज कर दिया, जिसने बाद में उन्हें कारण बताने के लिए नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए। शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में, रामदेव ने कहा कि मैं विज्ञापनों के मुद्दे के संबंध में बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, मुझे इस गलती पर अफसोस है और मैं अदालत को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसे दोहराया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आदेश का अनुपालन किया जाएगा और इस तरह का कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा।

■ भ्रामक विज्ञापन मामले में दायर किया हलफनामा
■ कहा, अब किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा

हाई कोर्ट में केजरीवाल की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार (9 अप्रैल) को शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी-रिमांड को सही ठहराया। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने हमारे सामने पर्याप्त सबूत पेश किए। हमने बयानों को देखा, जो बताते हैं कि गोवा के चुनाव के लिए पैसा भेजा गया था। हाईकोर्ट ने फैसले में सीएम को रिमांड में भेजने का फैसला भी बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि हमें संवैधानिक नैतिकता की फिक्र है, ना कि राजनीतिक नैतिकता की। मौजूदा केस केंद्र और केजरीवाल के बीच नहीं है। यह केस केजरीवाल और ईडी के बीच है। हाईकोर्ट ने कहा कि ईडी ने कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। उसके पास हवाला ऑपरेटर्स और आप उम्मीदवारों के बयान हैं।

केजरीवाल की दलील है कि ईडी के पास कोई सबूत नहीं हैं कि केजरीवाल मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थे। यह कहना कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हवाला ट्रांजैक्शंस कर रहे होंगे, यह हास्यास्पद है। ईडी ने दलील दी थी कि अपराधी और आरोपी यह नहीं कह सकते कि हम गुनाह करेंगे और हमें इसलिए गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, क्योंकि चुनाव हैं। हम अंधेरे में तीर नहीं चला रहे। हमारे पास डेटा भी है।

शराब नीति केस में गिरफ्तारी को सही ठहराया

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे केजरीवाल : सूत्र

दिल्ली हाईकोर्ट ने केजरीवाल को झटका देते हुए उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। इसके बाद आप सूत्रों ने बताया कि सीएम केजरीवाल ने हाईकोर्ट के इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है।

के कविता की न्यायिक हिरासत 23 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने शराब नीति- 2021-2022 कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) विधान पार्षद के. कविता की न्यायिक हिरासत मंगलवार को 23 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी। राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आरोपी के वकीलों की दलीलें सुनने बाद यह आदेश पारित किया। ईडी ने सुश्री कविता की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की गुहार लगाई, जिसे स्वीकार कर लिया गया। दो सप्ताह की न्याय हिरासत पूरी होने के बाद मंगलवार को उन्हें विशेष अदालत पेश किया गया।

बिहार : चुनाव में विरासत संभालने उतरी नई पीढ़ी

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बढ़त बनाने को लेकर बिहार में सभी दलों ने अपनी ताकत झोंक दी है। अधिकांश दल अपनी बढ़त बनाने को लेकर जहां प्रत्याशियों के चयन भी काफी सावधानियां बरती हैं, वहीं कई दलों ने वैसे प्रत्याशियों को भी चुनाव मैदान में उतारा है, जो अपनी सियासी विरासत को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए पहले से ही उनके बेटे तेज प्रताप और तेजस्वी यादव बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं, अब लोकसभा चुनाव में उनकी दो बेटियां भी चुनावी रण में ताल ठोंक रही हैं। पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती एक बार फिर भाजपा के रामकृपाल यादव से मुकाबले में हैं। लालू प्रसाद की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने भी इस चुनाव से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर दी है। इस चुनाव में सारण सीट पर उनका मुकाबला भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी से है। इधर, लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी इस बार अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान की कर्मभूमि हाजीपुर को अपना कर्मक्षेत्र बनाने के लिए हाजीपुर से चुनाव मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सासाराम के सांसद रहे दिवंगत मुनिलाल की सियासी विरासत को संभालने के लिए भाजपा ने उनके बेटे शिवेश राम को सासाराम से चुनावी मैदान में उतार दिया है। पूर्व सांसद सीपी ठाकुर के बेटे विवेक ठाकुर भी नवादा से चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं।

■ पाटलिपुत्र से लालू प्रसाद की बेटी मीसा उम्मीदवार
■ हाजीपुर से चिराग चुनाव मैदान में भाग्य आजमा रहे

कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी खबर

देश में सामान्य रहेगा मानसून

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट ने मंगलवार को कहा कि भारत में 2024 में भी मानसून सामान्य रहने की उम्मीद है, जो देश के कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी खबर है। कृषि क्षेत्र पिछले साल अनियमित मानसून से प्रभावित हुआ था। स्काईमेट के अनुसार, जून से सितंबर तक चार महीने के लिए मानसूनी बारिश लंबी अवधि के औसत 868.6 मिमी का 102 प्रतिशत होने की उम्मीद है। देश के दक्षिणी, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में पर्याप्त अच्छी बारिश की उम्मीद है। देश का लगभग आधा कृषि क्षेत्र असिंचित है और फसल उगाने के लिए किसानों को बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है। अच्छा मानसून यह भी सुनिश्चित करता है कि पानी की कमी हो और उसका उपयोग पीने के अलावा सिंचाई के लिए किया जा सके। स्काईमेट के प्रबंध निदेशक जतिन सिंह ने एक बयान में कहा, अल नीनो तेजी से ला नीना में बदल रहा है।

अल नीनो तेजी से ला नीना में बदल रहा

मुख्य चुनाव आयुक्त को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। केंद्रीय खुफिया एजेंसी आईबी से मिले इनपुट के बाद गृह मंत्रालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी है। कल ही तृणमूल कांग्रेस के अलावा कुछ अन्य राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग के कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया था। इसके बाद मुख्य चुनाव की सुरक्षा बढा देने का निर्णय लिया गया। संभावित खतरों को देखते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को कमांडो की जेड श्रेणी की अति विशिष्ट सुरक्षा मुहैया कराई गई है। केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ यह सुरक्षा का देने जा रही है। इस नई व्यवस्था के साथ उनके साथ कुल 22 जवानों की सुरक्षा होगी।

राजनीतिक दलों ने किया था धरना-प्रदर्शन

चुनाव

एडीआर ने शपथ पत्रों के आंकलन पर रिपोर्ट की तैयार

पहले चरण के चुनावी रण में 252 उम्मीदवार दागी

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में जिन 102 सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होने जा रहा है, उनमें से 42 सीट ऐसी हैं, जहां पर तीन या इससे अधिक उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। द एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने शपथ पत्र के आंकलन पर यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में ही उम्मीदवारों की वित्तीय स्थिति का भी आंकलन पेश किया गया है।

एडीआर ने पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने वाले 1625 उम्मीदवारों में से 1618 उम्मीदवारों के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया। 1,618 उम्मीदवारों में से 16 फीसद यानी 252 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि 10 फीसद यानी 161 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में सात उम्मीदवारों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हैं, जबकि 19 उम्मीदवारों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला है। एडीआर के मुताबिक 18 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है, और उनमें से एक पर भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है।

161 उम्मीदवारों के खिलाफ गंभीर मामले

35 उम्मीदवारों पर हेट स्पीच का आरोप

संगठन ने बताया कि 35 उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर घृणा भाषण देने का आरोप है। राष्ट्रीय जनता दल द्वारा इस चरण के लिए मैदान में उतारे गए सभी चारों उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के 22 उम्मीदवारों में से 13 (59 फीसद), समाजवादी पार्टी के घोषित सात उम्मीदवारों में तीन पर (43 फीसद), तृणमूल कांग्रेस के घोषित पांच उम्मीदवारों में दो (40 फीसद), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा घोषित 77 उम्मीदवारों में से 28 (36 फीसद), कांग्रेस द्वारा घोषित 56 उम्मीदवारों में से 19 (34 फीसद), ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) 36 उम्मीदवारों में से 13 (36 फीसद) और बसपा द्वारा घोषित 86 उम्मीदवारों में से 11 (13 फीसद) दागी हैं।

देश

उवाच

तेलंगाना को बड़े संघर्षों के माध्यम से राज्य का दर्जा मिला है, जबकि पिछले एक दशक में केसीआर परिवार द्वारा निहित स्वार्थ और लाभ के लिए इसका भरपूर शोषण किया गया है।

-जी किशन रेड्डी, भाजपा नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	21.0
मुंबई	31.0	26.0
कोलकाता	28.0	23.0
चेन्नई	31.0	27.0

संकट से गुजर रहा है देश : तेजस्वी

प्रधानमंत्री मोदी व शाह के बिहार दौरों पर की प्रतिक्रिया व्यक्त

पटना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां चरम पर पहुंच गई हैं। अपनी जीत को सुनिश्चित करने के लिए पक्ष और विपक्ष ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री 15 दिनों के भीतर 16 अप्रैल को तीसरी बार बिहार पहुंच रहे हैं। वहीं अमित शाह 10 अप्रैल को औरंगाबाद आ रहे हैं। मोदी और शाह के बिहार दौरों पर तेजस्वी यादव ने बड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ताबड़तोड़ दौरों पर पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह 2024 का आम चुनाव लेकिन यह खास चुनाव है समझने की आवश्यकता है। देश संकट से गुजर रहा है। युवा रोजगार की जगह घर में बैठा है। सविंधान को बदलने की कोशिश की जा रही है। आज हिटलर बने है। 2020 में हमने 4 विधायक बनाया। बिना समर्थन के नीतीश कुमार सीएम नहीं बनते। एक षड्यंत्र के तहत विधायको को खरीदकर हमे रोड पर ला दिया है। बिहार का सभी 40 सीट हरा कर दिखाएंगे यह गारंटी है। मुकेश सहनी को फ्लावर समझा था लेकिन फायर है पुष्पा वाला। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव में तो सभी लोग आते ही रहते हैं, आने

जो हालात हैं प्रधानमंत्री अगर साल के 365 दिन भी आएंगे तो इनकी हार तय है : तेजस्वी यादव

दीजिए। इसमें कौन सी बड़ी बात है। जो हालात हैं, प्रधानमंत्री अगर साल के 365 दिन भी आएंगे तो इन लोगों की हार तय है। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव के समय ये लोग तो आते हैं और वादा करके चले जाते हैं। पिछले चुनावों में उन्होंने कितने कारखाने लगाने का वादा किया था लेकिन 10 साल में क्या एक भी कारखाना खुला। तेजस्वी यादव ने कहा कि डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं मिल रही है। बेरोजगार घूमेगा तो शादी भी नहीं होगी। हमने कहा था 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम करेंगे तो 17 महीने में 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का काम किया है। कोई निवेश भी नहीं आया लेकिन गुजरात को देख लीजिए। सारी सुविधाएं गुजरात धकेल दी जाती हैं और जो बिहार उन्हें प्रचंड बहुमत देता है, उसे कुछ भी हासिल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले हमेशा धर्म की राजनीति करते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि यही भाजपा के लोग पहले गाना गाते थे महंगाई डायन खायत है अब महंगाई भौजाई और महबूबा हो गई है। राशन, सरकारी नौकरी देने का काम मेरी सरकार करेगी। जब गरीबी समाप्त हो गई है तो 80 करोड़ लोगो को अनाज क्यों बांट रहे है। कुछ मीडिया मोदी-मोदी करने में लगे है। कभी मंदिर में जाकर लोटपोट हो जाएंगे अगर ऐसा है तो हम लोग भी चलिए मंदिर। नवादा में मोदी जय छठी मईया कहते हैं हमारी मां तो पहले से छठ पूजा करती आ रही है।

सबसे अधिक बिहार से डरे हुए हैं भाजपा के लोग

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कि प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग सबसे अधिक अगर किसी चीज से डरे हुए हैं तो वह बिहार से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग तो यहां अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। ये लोग तो इतना डर गए हैं कि अपनी जांच एजेंसियों को भी यहीं रखे हुए हैं। यह सारी बातें हम लोगों को पता है। प्रधानमंत्री हों या गृहमंत्री हों, आएं लेकिन उनसे हाथ जोड़कर निवेदन है कि मुद्दे की बात करें। किसानों की बात करें, बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की बात करें। बिहार के विशेष पैकेज के बारे में लोगों को बताएं। नौकरी के बारे में बात करें और बताएं कि बिहार से पलायन कैसे रोकेंगे, इसकी भी बात करें।

महाराष्ट्र में 204 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

आठ सीटों के लिए मतदाता डालेंगे वोट

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आठ लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण में होने वाले मतदान के लिए कुल 204 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी एवं प्रमुख सचिव एस चोकलिंगम ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 299 पात्र उम्मीदवारों में से 95 लोगों ने नाम वापसी के आखिरी दिन अपने नामांकन वापस ले लिए। इनमें से ज्यादातर निर्दलीय थे। नाम वापसी के बाद अब कुल 204 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। पहले चरण में विदर्भ की रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर एवं चंद्रपुर की पांच संसदीय सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा जबकि दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को बुलढाणा, अकोला, अमरावती, वर्धा, यवतमाल-वासिम, हिंगोली, नांदेड एवं परभनी संसदीय क्षेत्र में मतदान होगा। चुनाव में दूसरे चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि चार अप्रैल एवं नाम वापसी की आखिरी तिथि आठ अप्रैल थी। इस चरण में आठ निर्वाचन क्षेत्रों के लगभग एक करोड़ 49 लाख मतदाता 26 अप्रैल को 16589 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

कश्मीरी पंडितों की वापसी को आतुर घाटी के लोग : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि कश्मीरी पंडितों को कश्मीर में वापस लौटने और बसने के लिए किसी राजनीतिक दल की मदद की जरूरत नहीं है क्योंकि घाटी के लोग खुद पंडितों की वापसी को आतुर हैं और वैसे ही एक साथ रहना चाहते है जैसे पहले रहते थे। मुफ्ती ने मंगलवार को वरिष्ठ फोटो पत्रकार रोशन लाल शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए श्रीनगर के अभि गुजर का दौरा करने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि कश्मीरी लोग कश्मीरी पंडितों की वापसी और घाटी में फिर से पहले की तरह शांति से रहना चाहते हैं, जैसे ही जैसे सभी एक खूबसूरत माहौल में एक साथ रह रहे थे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जो कश्मीरी पंडित जम्मू या अन्य स्थानों पर विषम परिस्थितियों में रह रहे हैं, उन्हें कश्मीर में बसने के लिए सरकार या महबूबा मुफ्ती या

- फिर से पहले की तरह शांति से रहना चाहते हैं लोग
- पंडितों की घर वापसी को राजनीतिक दलों से मदद की जरूरत नहीं

भाजपा या किसी अन्य पार्टी से किसी तरह मदद की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां की आवाम कश्मीरी पंडितों को वापस लौटते और एक साथ रहते हुए देखना चाहते हैं, जैसे वे पहले खुशी से रहते थे। मुफ्ती ने कहा कि जब कश्मीरी पंडित, सिख, बौद्ध ईसाई और मुस्लिम एक साथ रह रहे थे।

कश्मीर पर बन रही फिल्मों की आलोचना की

पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मुफ्ती ने कश्मीर पर बन रही उन फिल्मों की आलोचना की, जिनसे यहां के लोगों का नाम खराब होता है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अप्रिय स्थिति के बावजूद, रोशन लाल का परिवार कश्मीर में रहा और मुसलमानों के साथ रहा, यह भाईचारे की एक मिसाल है और उन लोगों को करारा जवाब है जो कश्मीर के नाम को करने के लिए ऐसी फिल्में बना रहे हैं।

सार संक्षेप

उधमपुर में ट्रक-मोटरसाइकिल की टक्कर में दो लोगों मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में मंगलवार को मोटरसाइकिल और ट्रक की टक्कर में मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गई और अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन बिलावर में माता सुकराला की ओर जा रहे दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवकों को उधमपुर के रौन डोमेल इलाके में डुडरा नाला के पास तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। घटना में गंभीर रूप से घायल चारों लोगों को सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया है।

शहडोल में रात्रि विश्राम के बाद राहुल रवाना

शहडोल। मौसम में आई खराबी के कारण सोमवार देर शाम मध्य प्रदेश के शहडोल में रात्रि विश्राम के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मंगलवार सुबह यहां से रवाना हो गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार के के मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि गांधी मंगलवार सुबह अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रवाना हो गए। उन्होंने सोमवार को शहडोल में ही रात्रि विश्राम किया। गांधी सोमवार को चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए शहडोल आए थे।

संदेशखली में पुलिस कैंप पर शरारती तत्वों का हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में सितुलिया पुलिस शिविर पर अज्ञात बदमाशों ने हमला किया, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि घायल कांस्टेबल की पहचान संदीप साहा के रूप में हुई है। कांस्टेबल पर आधी रात को सितुलिया पुलिस शिविर में लोहे की रॉड से हमला किया गया जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि कांस्टेबल पर हमला आधी रात 00.30 बजे हुआ और उस मामले में पुलिस ने आज तीन संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए तीनों लोग तृणमूल कांग्रेस के नेता हैं।

आचार संहिता क उल्लंघन पर तीन कर्मचारी निलंबित

अगरतला। त्रिपुरा में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने के आरोप में चुनाव आयोग के निर्देश पर तीन और सरकारी कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया। गौरतलब है कि इससे पहले, सुरक्षाकर्मियों सहित दो सरकारी कर्मचारी को सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निलंबित किया गया था।

विक्रांत भूरिया ने की इस्तीफे की पेशकश

भोपाल, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने अपने पद से त्यागपत्र की पेशकश करते हुए इस संबंध में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी को को पत्र लिखा है। कांग्रेस विधायक डॉ. भूरिया ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी। आदिवासी समुदाय से आने वाले युवा नेता भूरिया ने लिखा है, पिछले कई दिनों से मैं इस बात पर मंथन कर रहा हूं कि लोकसभा चुनाव के दौरान पिताजी का भी चुनाव होने के कारण मैं मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन में समय नहीं दे पा रहा हूं। ऐसे में मेरा व्यक्तिगत मानना है कि यह संगठन और संगठन के साथियों के साथ न्याय नहीं होगा। भारतीय युवा कांग्रेस ने मुझ जैसे एक आदिवासी परिवार से ताल्लुक रखने वाले व्यक्ति को संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों सहित प्रदेश अध्यक्ष बनाया, फिर विधानसभा का टिकट देकर चुनाव लड़ने का मौका दिया, विधायक भी बनने का मौका दिया। इसके लिए मैं हमारे नेता राहुल गांधी, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अलावरु जी, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी का तहे दिल से धन्यवाद देता हूं, चूँकि अब मेरे विधानसभा क्षेत्र झाबुआ के परिवारों के बीच समय देना मेरी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है, साथ ही रतलाम झाबुआ सीट पर स्वयं मेरे पिता जी चुनाव लड़ रहे है, तो क्षेत्र में समय देना और अपने कार्यकर्ताओं के बीच रहना ही मेरी प्राथमिकता है।

देश में हो रही प्रतिशोध की राजनीति : कांग्रेस

विपक्ष की आवाज को कुचलने का लगाया आरोप

भरतपुर, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट मंगलवार को डीग जिले के खोह इलाके में जनसभा की। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव के समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भरतपुर जिला हवा पलटना जानता है। सचिन पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव देश के चुनाव हैं, देश की तकदीर को तय करने वाले चुनाव हैं। हमें बहुत सोच समझकर वोट डालने हैं। हमारा उम्मीदवार भाजपा से बेहतर है। कांग्रेस 140 साल से देश की सेवा कर रही है। 10 साल की केंद्र सरकार की तुलना कर लो और कांग्रेस सरकार की तुलना कर लो, दोनों पार्टियां, दोनों विचारधारा, हर जगह हम आगे हैं। 10 साल में लोग एक ही चीज देख-देख कर थक चुके हैं। भाजपा की सरकार ने इन सालों में देश में ऐसा माहौल बनाया है, जहां प्रतिशोध की राजनीति हो रही है। बदले की भावना से राजनीति हो रही है। विपक्ष की आवाज को कुचलने का काम

किया जा रहा है। कांग्रेस के खाते सीज किए गए। चुनावी बॉन्ड के जरिए हजारों करोड़ रुपये भाजपा ने लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह इलेक्ट्रोल बांड गैरकानूनी है, उनकी जांच नहीं हो रही।

कांग्रेस चार सौ से ज्यादा सीटें लाई तो अहंकार नहीं किया था

पायलट ने कहा कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जेल में बंद किया जा रहा है। विपक्ष के खाते सीज कर दिए। विपक्ष में बात करने वाले के पास इनकम टैक्स, सीबीआई को भेज दो। यह कहां की राजनीति है। 400 पार तो राजीव गांधी भी लेकर आए थे, अब यह 400 पार का नारे दे रहे हैं। जब 400 पार कांग्रेस के प्रधानमंत्री लेकर आए थे तो उन्होंने इस तरह का अहंकार नहीं दिखाया था। उन्होंने कभी नहीं कहा कि मैं देश को भाजपा मुक्त बनाना चाहता हूं। पायलट ने कहा भाजपा) विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रहे हैं, यह स्वच्छ परंपरा नहीं है। संजना सांसद बनती हैं या नहीं बनती, लेकिन देश में बदलाव जरूरी है। देश में बदलाव करने के लिए हमारा गठबंधन हुआ है। इंडिया एलाइंस के तमाम नेता साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के पास देश, महंगाई रोजगार के लिए कोई उपाय नहीं है। उनके पास धर्म के अलावा और किसी मुद्दे पर भाषण देने का मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज दरार डालने का काम किया जा रहा है। भाई से भाई को लड़ाने का काम किया जा रहा है। सवाल पूछो कि, गैस का सिलेंडर क्यों महंगा बिका, जिसे चुनाव से पहले कम कर दिया गया। पेट्रोल डीजल क्यों महंगा बिक रहा है।

देश की संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लगा है

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। यह बहुत चिंता का विषय है। लोकतंत्र का मतलब यह नहीं है कि हमें वोट देने का अधिकार है। लोकतंत्र का मतलब होता है हमारी जवाबदेही तय होनी चाहिए। 147 सांसदों को 1 दिन में निलंबित कर दिया गया और पीछे से कानून बना दिया गया। यह कहां का लोकतंत्र है। हम चाहते हैं देश के अंदर जम्हूरियत मजबूत रहे। लोकतंत्र की जड़ जितनी मजबूत हैं वह वैसी बनी रहें।

धन-बल के अनाधिकृत आवा-जाही पर लगाएं अंकुश : केरवि कुमार

झारखंड में लोकसभा चुनाव के चलते दिए आवश्यक निर्देश

रांची, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अवैध नगदी, अवैध शराब, मादक पदार्थों एवं अन्य वस्तुओं की रोकथाम एवं उसकी जब्ती को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक की। निर्वाचन भवन स्थित कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित यहां बैठक में उन्होंने स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त निर्वाचन संपन्न कराए जाने के लिए धन-बल के जोखिम पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने अवैध नगदी, अवैध शराब, मादक पदार्थ एवं अन्य वस्तुओं पर विशेष नजर रखते हुए सख्ती से कार्रवाई करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच निकट

समन्वयन के जरिए चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए तस्करी के सामानों एवं अवैध वस्तुओं के नाजायज उपयोग पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है। कुमार ने वाहनों पर अनाधिकृत रूप से राजनीतिक दलों के बोर्ड, बैनर, झंडा लगाकर आवाजाही करने वालों पर कड़ी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई का निदेश दिया। साथ ही कहा कि ई-वे बिल के बिना अगर वस्तुओं को कहीं ले जाया जा रहा है, तो यह सब मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास को परिलक्षित करता है।

मुफ्त उपहार की सामग्रियों की आवाजाही पर बरतें सख्ती

कुमार ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों से प्राप्त जब्ती का रियल टाइम रिपोर्टिंग आवश्यक है। इसके लिए आयोग द्वारा निर्वाचन जब्ती प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है जिसका सार्थक उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रर्वतन एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय कर रियल टाइम रिपोर्टिंग एवं रिकॉर्ड कीपिंग करने का निदेश दिया। उन्होंने मुफ्त उपहार की सामग्रियों की आवाजाही पर सख्ती से निगरानी रखने का भी निर्देश दिया।

सीवान में ट्रेन की चपेट में आने से परिवार के चार लोगों की मौत

सीवान, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में सीवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र में मंगलवार को आम्रपाली एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि मुरियारी टोला गांव निवासी त्रिभुवन राजभर की पत्नी सुनिति देवी और उसके भाई गोविंद राजभर की पत्नी नीतू देवी खेत में काम कर रही थी। इस दौरान सुनिति देवी के दो बच्चे दिलबहार और खुशी कुमारी खेलते हुए रेलवे ट्रैक पर आ गए। इस बीच बरौनी से अमृतसर जा रही आम्रपाली एक्प्रेस ट्रैक पर आ गयी। बच्चों को बचाने लिये सुनिति देवी और नीतू देवी रेलवे ट्रैक पर गयी। आम्रपाली एक्सप्रेस की चपेट में आने से सभी चार लोगों की मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

लालू यादव का सामाजिक न्याय सिर्फ दिखावा : रविशंकर प्रसाद

पटना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। पटना साहिब लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार और निवर्तमान सांसद रविशंकर प्रसाद ने आरजेडी और लालू प्रसाद पर जोरदार हमला बोला है। रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि लालू प्रसाद की पार्टी में केवल और केवल परिवारवाद है। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान रविशंकर ने यह बाते कही। लालू प्रसाद को निशाने पर लेते हुए रविशंकर ने कहा कि लालू प्रसाद की पार्टी में परिवार के आगे कुछ है क्या। खुलकर बोल रहा हूं, उनकी पार्टी के एक साधारण गरीब यादव कार्यकर्ता या विधायक की कितनी पूछ है। हमारे यहां तो पार्टी के मोहन यादव जैसे कार्यकर्ता मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। आरजेडी में तो बस लालू, उसके बाद राबड़ी फिर तेजस्वी, तेज प्रताप, मीसा और अब रोहिणी। उनका सामाजिक न्याय महज दिखावा है। ईमानदारी से पूछता हूं तेजस्वी यादव की

उनकी पार्टी में केवल परिवारवाद

सरकार दिल्ली में बनेगी क्या। प्रधानमंत्री के उम्मीदवार का उनके गठबंधन में अता-पता नहीं है। एक अन्य सवाल के जवाब में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह अच्छी बात है कि उनको अकल गा आई। प्रभु राम के दरबार में वह जरूर जाएं। राम तो सबके हैं लेकिन प्रभु राम यह भी समझते हैं कि श्री राम की ईमानदारी से भक्ति कौन करता है और चुनावी भक्ति कौन करता है। वही पटना साहिब सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के नाम की चर्चा पर उन्होंने कहा कि मैं भी खोज रहा हूं आप लोग भी खोजिए।

जम्मू-कश्मीर में मौसम बिगड़ने की भविष्यवाणी के बीच राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

उधमपुर-डोडा संसदीय सीट को लेकर राजनीतिक दल आमने-सामने

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। हालांकि मौसम विभाग ने बुधवार से प्रदेश में मौसम के बिगड़ने की भविष्यवाणी की है पर इसके बावजूद राजनीतिक उत्साह कम नहीं है। यही कारण है कि अगर उधमपुर-डोडा संसदीय सीट पर कांग्रेस पार्टी के अभियान को बढ़ावा देने के लिए, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) उधमपुर में 13 अप्रैल को एक रैली को संबोधित करने के लिए स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी को लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई को इस साल 12 अप्रैल को उधमपुर में होने वाली प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में दो लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। इस साल यह प्रधानमंत्री की तीसरी सार्वजनिक रैली होगी। कांग्रेस पार्टी सीट जीतने की संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 13 अप्रैल को उधमपुर में एक रैली करेगी। 12 अप्रैल को उधमपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के एक दिन बाद, कांग्रेस पार्टी लोगों को अपने पक्ष में करने के लिए शहर में रैली आयोजित करेगी। पीसीसी

■ उधमपुर में मोदी की 12 व कांग्रेस रैली 13 को

अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने बताया कि हम 13 अप्रैल को उधमपुर में एक रैली करेंगे, जहां पीसीसी नेताओं के अलावा कुछ स्टार प्रचारक मेगा इवेंट को संबोधित करने के लिए शहर में होंगे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता अभियान को गति देने के लिए स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी को शामिल कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा कि हमें अभी तक उनसे पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन हम उन्हें यहां लाने और रैली को संबोधित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी उपस्थिति से हमारे अभियान को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि वह सभी से प्यार करती हैं। प्रियंका गांधी की कई जगहों पर प्रतिबद्धताएं हैं और हर राज्य इकाई इन चुनावों के दौरान उनकी सेवाएं लेने की कोशिश कर रही है। हम भी इस पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि हमें उनसे हरी झंडी मिल जाएगी। विकार रसूल वानी ने पुष्टि की कि उधमपुर-डोडा संसदीय सीट पर मुकाबला कड़ा हो गया है क्योंकि दोनों राष्ट्रीय पार्टियां इस सीट को जीतने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही हैं। मौजूदा सांसद और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डा.जितेंद्र सिंह वोट मांगने के लिए हर क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सेवाएं भी मिल रही हैं। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह भी निर्वाचन क्षेत्र के कोने-कोने में लोगों तक पहुंच रहे हैं और अगर प्रियंका गांधी आने के लिए सहमत होती हैं, तो इससे उनकी जीत की संभावना और बढ़ जाएगी। इस बीच हालांकि गृह मंत्री अमित शाह के साथ जम्मू में 9 अप्रैल को होने वाली बहुप्रतीक्षित बैठक स्थगित कर दी गई है। पर राजनीतिक व्यस्तताएं जारी हैं क्योंकि 15 अप्रैल को बसोहली, कठुआ में एक सभा की व्यवस्था की गई है, जो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रतिनिधित्व वाले उधमपुर संसदीय क्षेत्र से संबंधित चर्चाओं पर केंद्रित होगी। राजनीतिक सरगर्मी बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 अप्रैल को उधमपुर में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं।

उल्टा पुल्टा

बेटा (अपनी मां से) : मम्मी, आज मेरे दोस्त घर आ रहे हैं। प्लीज मेरे सारे खिलौने आपकी अलमारी में छुपा दो।
मम्मी : क्यों, क्या तुम्हारे सारे दोस्त चोर हैं?
बेटा : नहीं, वे अपनी चीजें पहचान लेंगे!!

कैपिटल ज़ोन

देश में बेरोजगारी चरम पर : कांग्रेस

भाजपा पर पिछले दस वर्षों से गरीबों की उपेक्षा करने का लगाया आरोप

कांग्रेस का न्याय पत्र करोड़ों लोगों की आशाओं के समाधान का प्रतिबिंब : यूसुफ

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हारुन यूसुफ ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस घोषणा पत्र 'न्याय पत्र' देश की आवाज है। यह उन करोड़ों लोगों की आशाओं, अपेक्षाओं, उपेक्षाओं, आकांक्षाओं, दुख, तकलीफों और दर्द के समाधान का प्रतिबिंब है, सभी परेशानियों का समाधान है कांग्रेस का घोषणा पत्र। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों से भाजपा की केंद्र सरकार की उपेक्षा व अनदेखी झेल रहे करोड़ों देशवासी की परेशानियों का हल कांग्रेस पार्टी केंद्र की सत्ता में आने के तुरंत बाद निकाला जाएगा। संवाददाता सम्मेलन में हारुन युसूफ के अलावा वरिष्ठ नेता चत्तर सिंह और प्रवक्ता अनुज आत्रेय भी मौजूद थे। हारुन यूसूफ ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान लोगों की परेशानियों का हल निकालने के लिए देश को 5 न्याय जैसे युवा न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय, किसान न्याय और हिस्सेदारी न्याय के अंतर्गत 25 गारंटियां देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि युवा न्याय के तहत 30 लाख खाली पड़े सरकारी पदों को सर्वप्रथम भरेंगे क्योंकि बेरोजगारी पिछले 45 वर्षों में अपने चरम पर है जिसके कारण प्रति घंटा 2 युवा अपनी जान गंवा रहे हैं। पेपर लीक के लिए कठोर कानून बनाकर देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित बनाया जाएगा। यूसुफ ने कहा कि घोषणा पत्र में संवैधानिक न्याय, आर्थिक न्याय, रक्षा न्याय सहित अगले 10 वर्षों में भारत की जीडीपी को दुगना करने का लक्ष्य रखा गया है। घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन देने के लिए वादा किया है कि पिछले 10 वर्ष में हुए भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कराऐंगे और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए 25 लाख रुपये तक कैशलेस बीमा का राजस्थान मॉडल को पूरे देश में लागू होने से भ्रष्टाचारियों पर बिना भेद भाव के कार्यवाही होने से जनता में विश्वास बहाली होगी।

भाजपा के दो पूर्व निगम पार्षद कांग्रेस में शामिल हुए

भाजपा के दो पूर्व निगम पार्षद भूमि रछौया और ज्योति रछौया, मुंडका विधानसभा के नेता चत्तर सिंह रछौया ने मंगलवार को दिल्ली कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली से मुलाकात करने के बाद प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। तीनों भाजपा नेताओं को पूर्व मंत्री हारुन यूसुफ ने कांग्रेस का पटका पहनाकर उनका पार्टी में शामिल किया। पूर्व निगम पार्षद चत्तर सिंह रछौया के साथ पूर्व निगम पार्षद भूमि रछौया और ज्योति रछौया के साथ भाजपा के भारी संख्या में कार्यकर्ता भी कांग्रेस में शामिल हुए।

आप का जेल का जवाब वोट से अभियान शुरू

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी (आप) ने जेल का जवाब वोट से कैंपेन की शुरुआत की है। आप नेता इस अभियान के जरिए घर-घर जाकर दिल्ली सरकार के काम गिनवा रहे हैं और अरविंद केजरीवाल का संदेश भी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कैंपेन की शुरुआत करते हुए कार्यकर्ताओं को जनता के बीच पहुंचने की अपील की। उन्होंने जेल का जवाब वोट से स्लोगन के साथ अरविंद केजरीवाल के संदेश का पर्चा भी लोगों के बीच बांटा। गोपाल राय ने कहा कि आज से आम आदमी पार्टी घर-घर अभियान शुरू कर रही है, हम घर-घर जा रहे हैं और लोगों तक अरविंद केजरीवाल का एक ही संदेश पहुंचा रहे हैं कि आज आपके मुख्यमंत्री जेल में हैं और वो प्रचार नहीं कर सकते। इसलिए जिस दिल्ली के लोगों के लिए अरविंद केजरीवाल ने काम किया, उन्हीं लोगों को आज मोर्चा संभालना पड़ेगा। जेल का जवाब वोट से देंगे तभी अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे। यही संदेश लेकर हम आज घर-घर जा रहे हैं और पूरी दिल्ली के अंदर डोर-टू-डोर कैंपेन शुरू कर रहे हैं। गोपाल राय ने आगे कहा कि वो लोगों के बीच अरविंद केजरीवाल का संदेश लेकर जाएंगे। आप के मुख्यमंत्री जेल में हैं। 25 मई को दिल्ली की जनता जेल का जवाब अपने वोट से देगी। बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर आएं और वोट करें तभी अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे।

घर-घर पहुंच रहे हैं आप नेता

दिल्ली व पंजाब में स्थापित आप सरकार को कुचलने का हो रहा प्रयास : सौरभ

दिल्ली के शराब घोटाले में अब तक हुई कार्रवाई पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संजय सिंह में मामले में भी हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली थी, मगर उन्हें दलीलों पर सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली थी। ये अक्सर देखा जाता है कि डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का फैसला गलत हो तो हाई कोर्ट पलट देता है, और हाईकोर्ट के गलत फैसलों को सुप्रीम कोर्ट पलट देता है। जो बातें सरकारी गवाहों के बारे में आज हाई कोर्ट ने कही थी, वही बातें संजय सिंह के फैसले में 7 फरवरी 2024 को कही गई। मगर सुप्रीम कोर्ट ने ये बातें नहीं मानी और संजय सिंह को राहत दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले में अब तक जो कुछ भी हुआ है उसको देखकर यह कहा जा सकता है कि यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग का नहीं बल्कि यह मामला हिंदुस्तान के राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा षड्यंत्र है।

यह मामला इस देश के अलग-अलग राज्यों से सबसे अधिक सीटों के साथ जीतकर आने वाले मुख्यमंत्री में अव्वल नंबर पर आने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को, उनकी पार्टी के नेताओं को और दिल्ली और पंजाब में स्थापित आम आदमी पार्टी की सरकार को कुचलना और नष्ट करने का षड्यंत्र है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अब तक इस पूरे मामले में हमने देखा कि पहले हजारों करोड़ के घोटाले की बात होती थी, फिर वह सैकड़ो करोड़ के घोटाले पर आ गई और उसके बाद 100 करोड रुपए के घोटाले पर आ गई, परंतु आज तक इस पूरे मामले में ईडी को एक रुपए की भी बरामदगी नहीं हुई है द्ध उन्होंने कहा कि जब करोड़ों रुपए का हेर फेर हो और एक रुपए की भी बरामदगी ना हो तो इस जांच पर बड़े सवाल खड़े होते हैं। सौरभ भारद्वाज ने इस मामले में जो गवाह है उनकी गवाही पर बात करते हुए कहा कि बार-बार लगातार यह बात कही जा रही है, कि इस मामले में जो गवाह है उन्हें मारा गया, पीटा गया, धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके पिछले बयानों को हटाकर वह बयान देने के लिए मजबूर किया गया जो केंद्र सरकार की एजेंसी ईडी बुलवाना चाहती थी। इस मामले के एक गवाह चंदन रेड्डी पर बात करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दायर की थी और उसमें इस बात की शिकायत की थी कि उन्हें अपना बयान बदलने के लिए इतना पीटा गया कि उनके दोनों कानों के पर्दे फट गए। इसी प्रकार से एक और अन्य गवाह अरुण पिल्लई को, उनकी पत्नी और उनकी बेटी के नाम पर डराया गया धमकाया गया, समीर महेंद्रू की पत्नी को एयरपोर्ट पर रोका गया, अलग अलग तरह से परेशान किया गया और दबाव बनाकर अरुण पिल्लई और समीर महेंद्रू से वो बयान दिलवाया गया।जो ईडी उनसे दिलवाना चाहती थी।

सार संक्षेप

शिक्षाविद कमल रानी टंडन स्टेडियम का किया गया लोकार्पण

नई दिल्ली। हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2081 के शुभ अवसर पर मंगलवार को मोहन गार्डन स्थित शिक्षण संस्थान कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रांतों की संस्कृति की छटा बिखेरी। दिल्ली प्रदेश मंदिर प्रकोष्ठ के संयोजक करनैल सिंह, फ्लावर मंडी के अध्यक्ष डॉ. तेग सिंह, अंतरराष्ट्रीय गोल्फ विशेषज्ञ विकास, पूर्व शिक्षा निदेशक भूपेंद्र सिंह और शैलेन्द्र सारस्वत, कमल, वंदना, गुरुग्राम ट्रिनिटी शिक्षण संस्थान समूह के चेयरमैन डॉ. वेद टंडन, प्रधानाचार्या और सीबीएसई गवर्निंग बॉडी की सदस्या डॉ. वंदना टंडन के अलावा अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में विद्यालय के छात्रों ने सर्वप्रथम नव संवत्सर के महत्व को रेखांकित किया। रामराज्य में अयोध्या के उत्सव का दृश्य, पंजाब के लोक नृत्य भांगड़ा और गिद्दा, असम का बिहू नृत्य तथा महाराष्ट्र का महिषासुर मर्दन नृत्य की अनुपम प्रस्तुति से सभागार झूम उठा। मुख्य अतिथि करनैल सिंह ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्रों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनकी प्रतिभा को सराहा। वही नवनिर्मित स्टेडियम पूज्य माता की स्मृति को समर्पित करने के लिए मैनेजमेंट की भावना को नमन किया।

मनोज सिन्हा देंगे इस्तीफा लड़ेंगे सकते हैं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भाजपा फिर से मुख्यधारा की राजनीति में लाने के लिए विचार कर रही है। वे उत्तरप्रदेश के गाजीपुर सीट से एक बार फिर भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। जहां सातवें चरण में एक जून को मतदान होना हैं। सूत्रों की माने तो मनोज सिन्हा जल्द ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके बाद वे एक बार फिर से अपनी परम्परागत गाजीपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतर सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह को सूबे का नया उपराज्यपाल बनाया जा सकता है। मालूम हो कि गाजीपुर से 2019 का लोकसभा चुनाव हार जाने के बाद मनोज सिन्हा को सात अगस्त 2020 को जम्मू-कश्मीर का उपराज्यपाल बना दिया गया था। लेकिन बताया जा रहा है कि वे सक्रिय राजनीति में वापस आना चाहते हैं और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से आग्रह कर चुके हैं। सिन्हा तीन बार 1996,1999 और 2014 में गाजीपुर से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं।

केजरीवाल का किरदार तार-तार हो गया : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेता एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज होने पर प्रतिक्रिया में कहा कि इससे केजरीवाल का घमंड चूर हो गया और उनका किरदार तार-तार हो गया। भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और भाजपा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मंगलवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंगलवार को उच्च न्यायालय ने दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में जो निर्णय दिया है, उससे आम आदमी पार्टी का अहंकार चकनाचूर हो गया है। स्वघोषित कट्टर ईमानदार केजरीवाल का किरदार आज तथ्यों के कठोर धरातल पर पूरी तरह तार-तार हो गया है।

शिक्षा व संस्कार से व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव : अतुल

चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व का समग्र विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सीआईईटी सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना कर किया गया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने पंचकोशों का उपनिषदीय परिचय रखते हुए, इससे चरित्र निर्माण के व्यवहारिक पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए पंचकोश को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में प्रभावी समेकन इस दिशा में एक सार्थक कदम है। न्यास के ध्येय वाक्य 'देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा' का पक्ष लेते हुए डॉ. कोठारी नें कहा कि स्वस्थ, चरित्रवान और प्रसन्नचित्त युवाओं से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। प्रो. सकलानी ने अपने विचारो में राष्ट्र निर्माण की भूमिका में बालिका शिक्षा पर बल दिया और कहा कि एक बेटी को शिक्षित करने से तीन पीढ़ियों की शिक्षा जुड़ती है। मूल्य शिक्षा पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्वशीलता और अभ्यास से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. सकलानी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा किए जा रहे शिक्षा में भारतीयता और विकास के कार्यों की भूरि भूरि सराहना की। सनातन धर्म पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अनीता शर्मा ने कहा कि शिक्षक पहले स्वयं को मज़बूत करे, क्योंकि जब शिक्षक आगे बढ़ेंगे तो हमारे विद्यार्थी भी उच्च चरित्र के साथ मज़बूत होंगे। प्रो. राजेश वर्मा, कुलपति, रानी दुर्गावती वि.वि., जबलपुर, प्रो. सविता सेंगर, अशोक कड़ेल, डॉ. अजय तिवारी, ममता नागपाल, डॉ. भरत व्यास, डॉ. विनोद शनवाल, डॉ. मीना पांडेय, डॉ. इंद्रजीत और भारत के विभिन्न प्रांतों से आए कुलपति, कुलाधिपति, संस्थान प्रमुख, शिक्षक, प्रेरक, आचार्य गण और प्रतिभागी उपस्थित रहे।

पंचकोशीय शिक्षा का करना होगा अनुपालन : देशराज

विषय प्रवर्तन कर रहे राष्ट्रीय संयोजक देशराज ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना तब पूरा होगा जब हमारे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समग्र विकास हो। इसके लिए हमें अपनी प्राचीन ज्ञान परम्परा में निहित पंचकोशीय शिक्षा का अनुपालन करना होगा। देशराज ने आह्वान किया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में पंचकोशों को प्रमुखता दी जाए और विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय इसके प्रतिमान केन्द्र के रूप में स्थापित हों। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी ने चरित्र की न्यूनता को विश्व का सबसे बड़ा संकट बताया और कहा कि वैदिक काल में ऋषि-मुनियों के जीवन के सामंजस्य और शिक्षण व्यवस्था की आवश्यकता आज वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

चुनाव आयोग से लोकसभा चुनाव के लिए की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। नवरंग कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख जलील ने चुनाव आयोग को एक ज्ञापन देकर अपनी सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों की मांग की। सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख जलील नई दिल्ली के अशोक रोड स्थित भारत निर्वाचन आयोग पहुंचे यहां उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के सचिव को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा की मांग की। ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए शेख जलील ने बताया कि वह नवरंग कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। नवरंग कांग्रेस पार्टी को वर्ष 2018 में राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा पंजीकृत किया गया है। नवरंग कांग्रेस पार्टी को 175 विधानसभा और 25 संसद सीटों के लिए सामान्य प्रतीक के रूप में बाल्टी प्रतीक आवंटित किया गया है। 2024 के चुनाव में आपकी दयालु सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश। पिछले 10 दिनों से जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण मुझसे उन सीटों पर चुनाव न लड़ने की विनती कर रहे हैं जहां जनसेना चुनाव लड़ रही है। लेकिन मैं लगातार पार्टी कार्यक्रम कर रहा हूं। लिहाजा मुझे जान का ख़तरा है इसलिए में चुनाव आयोग से सुरक्षा की मांग कर रहा हूं।

होम्योपैथिक दवाओं के बारे में लोगों को बताना उद्देश्य : खातून

निगम मुख्यालय में होम्योपैथिक पर कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय में मंगलवार को विश्व होम्योपैथिक दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली नगर निगम में, पहली बार आयुष विभाग द्वारा यह पर्व मनाया गया। इस मौके पर नेशनल कमीशन होम्योपैथी के अध्यक्ष, डॉ अनिल खुराना मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने होम्योपैथी में हो रही नए-नए अनुसंधान और शोध के विषय में बताया। उनके अलावा निदेशक आयुष डॉ. मुजेयन्ना खातून, अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुजाता, सीएमओ, एनएफएसजी, डॉ. मंजीत कौर, अतिरिक्त निदेशक (आयुर्वेद) डॉ. ललित तथा ओ आई पी एस, आयुर्वेद, डॉ.सत्या डोनेला सहित आयुष विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर और अधिकारी मौजूद थे। आयुष विभाग के निदेशक, डॉ. मुजेयन्ना खातून ने बताया कि जर्मन फिजिशियन स्कॉलर सैमुअल हैनीमैन को होम्योपैथी का संस्थापक माना जाता है और उन्ही के जन्मदिवस के मौके पर ये दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य होम्योपैथिक दवाओं के उपचार के बारे में लोगों को बताना है। उन्होंने बताया कि होम्योपैथी एक ऐसी मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धति है जिसका तेजी से विश्व में प्रचार-प्रसार हो रहा है तथा आज होम्योपैथी विश्व भर में दूसरी सबसे प्रचलित चिकित्सा पद्धति है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा सैमुअल हैनीमैन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये और दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर सैमुअल हैनीमैन के जीवन और उनके शोध पर एक प्रेजेंटेशन भी दिखाई गई।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-ELECT-07-T-2024-25-E3, दिल्ली डिवीजन में 10KVA-500 KVA क्षमता के डीजी सेट का तीन साल के लिए सीएएमसी के सम्बन्ध में विद्युत कार्य तथा अन्य संबद्ध विद्युत कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 123.86 लाख
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली
बयाना राशि	रु. 211900.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	06.05.2024, 12.00 Hrs
निविदा खोलने की दिनांक व समय	06.05.2024 12.00 Hrs
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1052/24

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. Inj. Medicines दिनांक 09.04.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82244100A	टेबलेट/कैप्सूल इब्रुटिनिब 140 मि.ग्रा.	2670 Nos.	02.05.2024

निविदा शर्तें-1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

1041/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रबूपुरा में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 03/एस0टी0/एस0डी0एम0/2016 दिनांक 02.05.2016 स्व0 श्री दयाचन्द पुत्र बहोरी नि0 मौ0 जाटवन कस्बा रबूपुरा परगना व तहसील जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 16.11.2013 को हो चुकी है मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
रबूपुरा	686	स्व0 श्री दयाचन्द पुत्र बहोरी नि0मौ0 जाटवन कस्बा रबूपुरा परगना व तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर	गुड्डी देवी	पत्नी	38 वर्ष	विधवा
			कु0 कोमल	पुत्री	16 वर्ष	अविवाहित
			शिवम	पुत्र	14 वर्ष	अविवाहित
			कु0 विनिक्षा	पुत्री	09 वर्ष	अविवाहित
			कु0 खुशी	पुत्री	06 वर्ष	अविवाहित
			अभय	पुत्र	04 वर्ष	अविवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं0-01, सैक्टर-के0पी0-04, ग्रेटर नोएडा सिटी

जिला-गौतमबुद्धनगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Army Welfare Housing Organation, Gurjinder Vihar, के माध्यम से आवंटित भवन संख्या- A-1504, 15th Floor, Informal Sector, (Phase-IV), Sector-Omega-I, Greater Noida क्षेत्रफल-208.17 वर्ग मी मीटर, Mr. Devendra Kumar Singh S/o Shri Shanker Pal Singh & Mrs. Rachna Singh W/o Mr. Devendra Kumar Singh के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। मूल आवंटी Mr. Devendra Kumar Singh की मृत्यु दिनांक 11.12.2022 को हो जाने के उपरांत वसीयत के आधार पर पूर्ण रूप से सह आवंटी (Mrs. Rachna Singh W/o Late Devendra Kumar Singh) ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञाप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सूनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मूल आवंटी Mr. Devendra Kumar Singh के स्थान पर वसीयत के आधार पर पूर्ण रूप से सह आवंटी (Mrs. Rachna Singh W/o Late Devendra Kumar Singh के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा

जिला-गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. D3-202, 2nd Floor, Tower-D3, Area-109.62 Sqm., Nirala Aspire Plot No. Gh-03, Sector-16, Greater Noida जो कि Sh. Deepak Verma निवासी Flat No. D3-202, 2nd Floor, Tower-D3, Nirala Aspire Plot No. Gh-03, Sector-16, Greater Noida के नाम पर उप निबंधन कार्यालय, सदर गौतमबुद्धनगर में दिनांक-22.09.2018 को पंजीकृत है। Sh. Deepak Verma की मृत्यु के उपरान्त उनके पत्नी/पुत्र Mrs. Megha & Mr. Rihan Verma (Minor 5 Years) ने उक्त भूखण्ड/भवन में अपने का नामांतरण अपने पक्ष में करने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये है। अतः इस म्यूटेशन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Mrs. Megha W/o Late Sh. Deepak Verma & Mr. Rihan Verma (Minor 5 Years) S/o Late Sh. Deepak Verma का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (बिल्डर्स)
ग्रेटर नौएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

उत्तर रेलवे

नोटिस

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं:

क) स्टॉल: मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, सब्जी मंडी, बहादुरगढ़ और पलवल स्टेशन पर। ख) ट्राली: पालम, खतौली, सकौती टांडा, दिल्ली सफदरजंग, मोदीनगर, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, परतापुर, देवबंद और आनंद विहार टर्मिनल स्टेशनों पर।

- मेरठ कैंट, सब्जी मंडी, बहादुरगढ़ और पलवल स्टेशन पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में **90 दिन** होगी।
- उपरोक्त (ख) समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर ट्राली स्थापित करने की अवधि **30 दिन** होगी।
- **NSG 1, 2,** और **3** स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क **2,000 रु.** की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और **NSG 4** (पालम, मोदीनगर और बहादुरगढ़), **NSG 5** (मेरठ कैंट, दिल्ली सफदरजंग, खतौली, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, सब्जी मंडी, देवबंद और मुरादनगर) & **NSG 6** (सकौती टांडा और परतापुर) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क **1,000 रु.** की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- **प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:**

क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक। ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम(एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार। ग) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह। घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग। ङ) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद **12.04.2024, 15:00 बजे तक** स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद'** योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्याः 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइटः www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP% 20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023 पर उपलब्ध है।
- इससे सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है।

1048/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कामकाजी मतदाताओं के लिए अवकाश वाले दिन (शनिवार) तथा (रविवार) को समस्त बूथों पर एक विशेष अभियान / कैम्प लगाया जाएगा। जहां से समस्त कामकाजी मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया जाएगा।
इंद्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी

प्राधिकरण सीईओ ने किया बाजारों का निरीक्षण

दो दिन में नाले किए जाए साफ : लोकेश एम

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने डीजीएम सिविल और जन स्वास्थ्य के अधिकारियों के साथ शहर के बाजारों

■ **सेक्टर-98 में बनेंगे कियोस्क और पार्किंग जोन**

का निरीक्षण किया। वहां साफ-सफाई देखी और निर्देश दिया। सबसे पहले टीम सेक्टर-29 ब्रह्मपुत्र कांपलेक्स गए। यहां मार्केट की दुकानों की ब्रांड साइनेज रेड कलर के लगाए जाने थे। लेकिन उनको ब्राउन कलर किया गया। जिसे बदलने के लिए कहा गया। इसके अलावा बाजार में एसोसिएशन की ओर से क्लीनिंग कराई जानी थी। जिसे नहीं कराया गया। युद्ध स्तर पर साफ करने के निर्देश दिए। इसके बाद सेक्टर-37 गोदावरी बाजार, सेक्टर-110 बाजार व वीडीएस बाजार का निरीक्षण किया। वीडीएस और सेक्टर-110 के पास भंगेल से लगे हुए क्षेत्र में गंदगी और टाइल उखड़ी हुई मिली। इसे दो दिनों में ठीक करने और साफ-सफाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महर्षि आश्रम के के साथ बनी हुई ड्रेन में गंदा पानी जमा हुआ था। जिसको जन स्वास्थ्य और वर्क सर्किल-8 को समुचित समन्व्य बनाते हुए दो दिनों में साफ करने का निर्देश दिया। सेक्टर-98 की ड्रेन क्षतिग्रस्त मिली। इसको दोबारा से बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सेक्टर-98 में स्काई मॉर्क के सामने क्योसक लगाकर फूड जोन बनाया जाए साथ ही सेक्टर-98 के साथ निर्मित फुटपाथ के पास 300 वर्गमीटर में एक पार्किंग जोन विकसित किया जाए। सेक्टर-98, 96 और सेक्टर-100 के सामने गार्बेज पड़ा मिला जिसे तत्काल साफ करने के लिए कहा गया। सेक्टर-98 व 105 के मध्य हाजीपुर अंडरपास के समीप हाइमास्ट लगाने के लिए कहा गया।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन व पुलिस उपायुक्त ने फूल मंडी का किया स्थलीय निरीक्षण

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान एवं पुलिस उपायुक्त रामबदन सिंह ने फूल मंडी फेस-2 नोएडा में पहुंचकर निर्वाचन कार्यों को लेकर की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी मंडी हिमांशु वर्मा को निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम में नंबरिंग, कोडिंग-डिकोडिंग, पोलिंग पार्टी आगमन व रवानगी, डिस्पैच और रिसीविंग के संबंध में सभी तैयारियां भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप की जाए। साथ ही निर्देश दिए कि फूल मंडी परिसर में जल्द से जल्द सीसीटीवी स्थापित कराए जाने का कार्य पूर्ण करा लिया जाये। पुलिस उपायुक्त रामबदन सिंह ने संबंधित थाना अध्यक्ष एवं चौकी इंचार्ज को निर्देश दिए गए कि फूल मंडी फेस टू नोएडा में चुनावी कार्यों से पूर्व अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत सभी कानूनी व्यवस्था मानकों के अनुरूप दुरुस्त कर ली जाए। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, समस्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल अधिकारी मंडी हिमांशु वर्मा, मंडी सचिव एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

■ **फूल मंडी में समस्त व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करें नोडल अधिकारी**
■ **फूल मंडी परिसर में सीसीटीवी स्थापित कराए जाने का कार्य यथाशीघ्र कराया जाए पूर्ण**

फर्जी शस्त्र लाइसेंस बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

गाजियाबाद, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। क्राईम ब्रान्च पुलिस ने मंगलवार को धोखाधड़ी कर फर्जी शस्त्र लाईसेन्स बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह जम्मू-कश्मीर राज्य से फर्जी तरीके से अवैध शस्त्र लाईसेन्स तैयार कराकर दिल्ली एनसीआर में आपूर्ति करता है। इनके कब्जे से फैक्ट्री मेड 4 पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन, 1 रिवाल्वर .32 बोर, 02 रायफल 315 बोर मय मैगजीन, 1 डबल बैरल बन्दूक 12 बोर, फर्जी शस्त्र लाईसेन्स व फर्जी शस्त्र लाईसेन्स तैयार करने की सामग्री, रबर स्टॉम्प आदि बरामद हुई है। एडीसीपी सच्चिदानन्द ने बताया कि प्रमेन्द्र ने बताया कि वह बी.ए. पास है तथा आर्मी में सेना पुलिस में नायब सूबेदार पद से रिटायर है। आर्मी में नौकरी के दौरान वर्ष 2012-2013 में जब उसकी पोस्टिंग मॉल कैम्प हिमाचल प्रदेश में थी। तो उसी दौरान वहां पर आर्मी वालो का शस्त्र लाइसेंस बनवाने के लिए जम्मू-कश्मीर से 3-4 एजेन्ट आते रहते थे। प्रमेन्द्र को भी शस्त्र लाईसेन्स बनवाना था। तो उन एजेन्टों में से एक एजेन्ट जिसका नाम अमित मुतरेजा उर्फ अनिकेत अवस्थी उर्फ अनिरूद्ध शास्त्री निवासी जयपुर राजस्थान व कृष्ण कुमार सोनी नामक व्यक्ति जो शस्त्र लाइसेंस बनवाने का काम करते थे। उन्होंने प्रमेन्द्र को कहा कि जम्मू एंड कश्मीर में हमारी जान पहचान हैं तुम्हें थोड़े से पैसे खर्च करने पड़ेंगे हम ही तुम्हारा शस्त्र लाइसेंस बनवाकर दे देंगे। तो प्रमेन्द्र ने चक्कर काटने से बचने के लिए अमित मुतरेजा उपरोक्त को 15 हजार रूपए और अपना पहचान पत्र व अन्य कागज दिए थे तो अमित मुतरेजा ने जम्मू एंड कश्मीर के किश्तवाड जनपद से प्रमेन्द्र का शस्त्र लाइसेंस बनवा दिया था।

■ **सेना का सेवानिवृत सूबेदार गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद**

सार संक्षेप

उन्नति संस्था द्वारा नौ दिन तक चलेगा जागरूकता अभियान

नोएडा। महिला उन्नति संस्था मिशन शक्ति के अंतर्गत चलाए जा रहे नौ दिवसीय जागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा ने जिला अस्पताल सेक्टर 39, नोएडा में जन्मी नवजात बच्चों को बेबी किट, अंगवस्त्र, हगीज, झबले देकर उनका स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष रेनू वाला शर्मा ने जच्चा बच्चा को बेटी के शुभ आगमन पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं है, इन्हे अच्छे से पालन पोषण कर उच्च शिक्षा एवं समानता का अधिकार दे। बेटा बेटी एक समान है। बेटियों को बोझ समझना बंद कर देना चाहिए। बेटा- बेटी के जन्म पर भेदभाव न करते हुए बेटी जन्म पर खुशी मनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनकी सेहत एवं स्वच्छता के ऊपर ध्यान देना अति आवश्यक है।

15 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। गैंगस्टर एक्ट में लंबे समय से वांछित चल रहे बदमाश को सेक्टर-20 पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट के पास से दबोचे गए आरोपी के पास से तमंचा भी बरामद हुआ है। इनामी बदमाश की पहचान दिल्ली के कल्याणपुरी निवासी निशांत कुमार के रूप में हुई है। लंबे समय से फरार रहने के चलते पुलिस ने कुछ समय पहले निशांत पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस उसकी तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। उसके खिलाफ लूट और चोरी के आठ मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज है। आरोपी का अन्य थानों से भी आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। निशांत के पास तमंचा कहां से आया पुलिस इसकी भी जानकारी जुटा रही है।

मेट्रो पिलर के पास खड़ी डंफर में लगी आग

नोएडा। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार दोपहर को एक डंफर में आग लग गई। जिस समय आग लगी डंफर सलारपुर मेट्रो पिलर नंबर-76 के के सामने खड़ा था। हादसे में चालक और परिचालक दोनों सुरक्षित है। ट्रक खड़ा था इसलिए यातायात बाधित नहीं हुआ। सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को बुझा दिया गया। सीएफओ ने बताया कि आग ट्रक के इंजन में लगी। इसके बाद केबिन में फेल गई। गनीमत रही कि केबिन खाली था। आग डीजल टैंक तक नहीं पहुंच सकी। इससे पहले ही आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। हो सकता है किसी जलती हुई चीज से आग लगी हो। बता दे गर्मी बढ़ने के साथ सड़क पर गाड़ियों में आग लगने के मामले बढ़ने लगे है। बीते तीन से चार दिनों में ट्रक से लेकर कई कारों में आग लगनी घटनाएं हो चुकी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

नोएडा। सेक्टर 31 रेड लाइट के पास तेज रफ्तार कार ने एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। इसको लेकर घायल युवक के भाई ने सेक्टर 24 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई शिकायत में हापुड़ के रहने वाले निशांत ने बताया कि उनका भाई धर्मेंद्र काफी समय से सेक्टर 27 में रहने वाले एक व्यक्ति के यहां पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि 24 मार्च को उनका भाई कुछ काम से बुलेट बाइक से सेक्टर 63 को जा रहे थे।

11 से 21 अप्रैल तक मिलेंगी मतदाताओं को मतदाता पर्ची

■ **मतदाता पहचान पत्र न होने की दशा में 12 अन्य आईडी दिखाकर कर सकेंगे मतदान : इंद्र विक्रम सिंह**

गाजियाबाद, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए मतदान पर्ची विशेष अभियान चलाकर उपलब्ध की जाएंगी। 11 से 21 अप्रैल तक विशेष कैम्प लगाकर बीएलओ इन मतदान पर्चियों का वितरण करेंगे। मतदाता सूचना पर्ची में मतदान तिथि, बूथ नम्बर व बूथ तक पहुंचने का मार्ग अंकित रहेगा। इसके अतिरिक्त मतदाता पहचान पत्र न होने की दशा में 12 अन्य 12 अन्य आई डी को दिखाकर मतदान किया जा सकेगा है।

जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि कामकाजी मतदाताओं के लिए अवकाश वाले दिन (शनिवार) तथा (रविवार) को समस्त बूथों पर एक विशेष अभियान / कैम्प लगाया जाएगा। जहां से समस्त कामकाजी मतदाताओं को मतदाता सूचना पर्ची का वितरण किया जाएगा।

विशेष अभियान 13 अप्रैल शनिवार दोपहर 12:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक एवं दिनांक 14 अप्रैल (रविवार) को समय प्रात: 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक लगाया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिसके लिए सभी सम्बन्धित अध्यक्ष / सचिव, आरडब्लूए/एओए/ बिल्डर, पब्लिक हाउसिंग सोसायटी से अनुरोध है कि कृपया सम्बन्धित बीएलओ के बैठने के लिए रिसेप्शन / क्लब हाउस / अन्य उत्तम स्थान का चिन्हित कर लें एवं सभी हाउसिंग सोसायटी के मतदाताओं को विषय में सूचित करें।

नवरात्रि पर मांस, मछली व अंडे की बिक्री पर लगाया जाए पूर्ण प्रतिबंध : कुच्छल

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। नवरात्रि और चैत्र रामनवमी के मद्देनजर नोएडा के बाजारों में खुले आम बिकने वाले मांस, मछली, अंडे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इस आशय की मांग उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने मीडिया के माध्यम से जिले के पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से की है। उन्होंने मांग किया कि पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सुदृढ़ व्यवस्था बनाए, ताकि नवरात्र में उपासकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो।

■ **पुलिस कमिश्नर से उद्योग व्यापार मंडल ने की मांग**

नरेश कुच्छल ने कहा कि नवरात्रि हिन्दुओं की आस्था का पवित्र पर्व है और 9 दिनों तक देवी की कलश स्थापना के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्रि पर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों पर भी विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्रों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। कुछ साधक इन रात्रियों में पूरी रात पद्मासन या सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक या बीज मंत्रों के जाप द्वारा विशेष सिद्धियां प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। कुच्छल ने कहा कि नवरात्रों में शक्ति की 51 पीठों पर भक्तों का समुदाय बड़े उत्साह से शक्ति की उपासना के लिए एकत्रित होता है। जो उपासक इन शक्तिपीठों पर नहीं पहुंच पाते, वे अपने निवास स्थल पर ही शक्ति का आह्वान करते हैं। ऐसे में प्राय: देखा जाता है कि जिले के विभिन्न चौराहों पर नवरात्रि में भी खुलेआम मांस, मछली की बिक्री किया जाना चिंता की बात है।

इससे श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचती है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से मांग किया कि तत्काल प्रभाव से खुले में मांस, मछली अंडे की बिक्री पर रोक लगाया जाए।

ट्रक ने ऑटो में टक्कर मारी दो महिलाओं की मौत

गाजियाबाद, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोनी कोतवाली क्षेत्र के अशोक विहार गढ़ी जस्सी गांव के सामने मंगलवार सुबह करीब। एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। जिसमें ऑटो सवार दो महिलाओं की मौत हो गयी।दोनों महिलाएं डुगरावली की रहने वाली हैं। दुर्घटना में ऑटो सवार एक युवती और ऑटो चालक भी घायल हुए हैं। जिन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। दुर्घटना के चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि लोनी के डुगरावली गांव निवासी बबीता(45) अपने पड़ोस में रहने वाली रजनी(62) के साथ ऑटो में जा रही रही थी। रजनी की बेटी रीता(23) को पीलिया है। वह तीनों लोनी तिराहा की तरफ आ रही थी।

इसी दौरान दिल्ली सहारनपुर मार्ग अशोक विहार कॉलोनी गढ़ी जस्सी के सामने तेज रफ्तार वाहन ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो पलट गया। घटना को अंजाम देने के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। तभी आसपास के लोग आ गए उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

जांच के दौरान एनआईबी कट से 4.97 लाख नकदी पकड़ा

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध नगर में चुनाव सरर्मी बढ़ने के साथ यहां नकद पकड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार रात को जांच के दौरान एक कार को रोका गया। कार में रखे बैग से 4 लाख 97 हजार 500 रुपए नकद मिला। इसका बिल या हिसाब पूछने पर चालक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस और एसएसटी टीम ने आयकर विभाग को इसकी जानकारी दी। इसके बाद रकम को मालखाने में रखवा दिया गया है।(दरअसल थाना सेक्टर-58 पुलिस और एसएसटी टीम एनआईबी कट सेक्टर-62 के पास जांच कर रही थी। इस दौरान दिल्ली की ओर से नोएडा में प्रवेश कर रही गाड़ी नंबर यूपी-14 डीजी 7040 इको स्पोर्ट कार को जांच के रोका गया। संदिग्ध होने पर कार की तलाशी ली गई।

■ **कार चालक नहीं दे पाया धनराशि का ब्यौरा**
■ **आयकर विभाग को दी जानकारी**

इसमें से 4 लाख 97 हजार 500 रुपए नकद मिला। ये कार माखनजीत सिंह अरौड़ा चला रहे थे। माखन जीत सिंह लैंड ग्राफ गोल्फ लिंक रोड पांडव नगर गाजियाबाद के रहने वाले है। पुलिस और एसएसटी की टीम रकम का बिल और साक्ष्य मांगे लेकिन वो बताने में असमर्थ दिखे। पुलिस ने पैसों को जब्त कर आयकर विभाग को जानकारी दी। बता दे नोएडा-ग्रेटरनोएडा के जो बार्डर दिल्ली और हरियाणा के नजदीक है उनक हाइवे पर लगातार एसएसटी और पुलिस टीम के जरिए लगातार कैश पकड़ा जा रहा है। जिसको लेकर नोएडा में सक्रियता बढ़ा दी गई है। क्योंकि यहां दूसरे फेज में चुनाव है और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब राज्यों से आने वाले वाहन यूपी में प्रवेश के लिए नोएडा बार्डर से ही होकर जाते है।

10 हजार किलो नकली तंबाकू के साथ 6 गिरफ्तार

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। स्वाट-2 टीम व थाना सेक्टर-126 पुलिस ने संयुक्त रूप से अंतरराज्यीय प्रतिबंधित राज्यों में नकली तम्बाकू की तस्करी करने वाले 6 तस्करों को जेपी कट पुश्ता रोड से गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 138 बोरों में करीब 10 हजार किलो नकली तंबाकू बरामद किया गया। ये लोग आलू की बोरियों की आड़ लेकर नकली तंबाकू की सप्लाई करते थे। जिस ट्रक को पकड़ा गया उसमें 16 बोरी आलू भी मिला जिससे इन लोगों ने तंबाकू की बोरियों को ढका था। पुलिस ने एक ट्रक और एक मारूति XL6 के साथ 61,560 रुपए बरामद किए है। डीसीपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि ये तंबाकू प्रतिबंधित राज्यों जैसे केरल और कर्नाटक में सप्लाई किया जाता था। इसलिए इस तंबाकू को दो गुना रेट पर ब्लेक किया जाता था। पकड़े गए तंबाकू की लागत करीब 2 करोड़ रुपए है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मनोज निवासी प्रतापगढ़ उप्र, रमेश भट्टी निवासी बैंगलोर, सैय्यद जबी उल्ला निवासी बेंगलुरु राज्य कर्नाटक, परम निवासी वजीराबाद दिल्ली, शिवम जायसवाल जिला प्रतापगढ़ और जाकिर हुसैन निवासी बैंगलोर (कर्नाटक) को गिरफ्तार किया

■ **दिल्ली में बनाकर कर्नाटक और केरल में थी सप्लाई**
■ **आलू की बोरियों की लेते थे आड़**

गया। पूछताछ में इन तस्करों ने बताया कि नकली तम्बाकू को विकास उर्फ चाचा निवासी जगतपुर दिल्ली से खरीदकर ऐसे राज्यों में ले जाकर बेचते है। जहां पर तम्बाकू की बिक्री प्रतिबंधित है। इस प्रकार से तम्बाकू को लगभग 03 गुना कीमत में बेचा जाता है। डीसीपी ने बताया कि साउथ में हंस छाप तंबाकू बड़ा ब्रांड है। इसलिए ये लोग इस ब्रांड की नकली रैपिंग का प्रयोग करते थे। एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि केरल में कंपनी हंस छाप ब्रांड ने कापी राइट करवा रखा है। इसलिए तस्करों पर कॉपीराइट एक्ट के तहत भी कार्यवाही की जा रही है।

मजदूरी के रुपयों को लेकर विवाद, मजदूर की ईंट से कुचलकर हत्या

गाजियाबाद, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लिंक रोड थाना क्षेत्र के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 की एक निर्माणाधीन फैक्ट्री में मजदूरी के रुपयों को लेकर हुए विवाद में एक मजदूर ने दूसरे मजदूर की ईंटों से कुचलकर हत्या कर दी। मजदूर का शव मंगलवार को फैक्ट्री की छत पर पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 में एक दिन बाद फैक्ट्री में युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल की तो पता चला फैक्ट्री की छत पर एक मजदूर का शव पड़ा हुआ है। उसके चेहरे व शरीर के अन्य भाग को ईंटों से बुरी तरह कुचला गया था। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। फैक्ट्री ने एक अन्य मजदूरों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि रात्रि में मजदूर निसार और तनवीर के बीच मजदूरी के पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद सुबह जब उसने ऊपर जाकर देखा तो तनवीर का शव पड़ा हुआ था। पुलिस ने मामले की आगे की जांच पड़ताल की और ठेकेदारों को इसकी सूचना दी। साथ पुलिस ने तनवीर के साथी निसार को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। उसने पुलिस को बताया कि वह जानसठ का रहने वाला है। जबकि मृतक तनवीर शामली का निवासी था। ठेकेदार ने तनवीर पर भरोसा जताते हुए रुपयों के लेनदेन का पूरा काम उसे सौंप दिया। जो उसे अच्छा नहीं लगा। सोमवार की रात में दोनों फैक्ट्री की छत पर थे। तभी पैसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और उसने एक गुस्से में आकर तनवीर की ईंटों से कुचलकर हत्या करते और वहां से भाग गया। एसीपी ने बताया कि तनवीर के परिजनों को सूचना दे दी गई है और सबको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया मामले की गहराई से जांच पड़ताल की जा रही है।

■ **फैक्ट्री की छत पर मिला शव**

बूथ प्रबंधन लगाएगा चुनावी पार्टियों की नैया पार

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में बूथ प्रबंधन जिसका बेहतर होगा जीत हमेशा उसी पार्टी की होती है। गौतमबुद्ध नगर में लोकसभा सीट पर पिछले दो चुनाव में भाजपा का बूथ प्रबंधन के कारण ही एक तरफा दबदबा रहा। लोकसभा चुनाव 2014 में 69 प्रतिशत बूथ पर मतदाताओं ने सबसे ज्यादा वोट दिए। 2019 में ये आंकड़ा 75 प्रतिशत तक बढ़ गया। नोएडा विधानसभा में लगभग हर बूथ पर भाजपा आगे रही। इस बार भी 1 से लेकर 9 अप्रैल तक चार बूथ सम्मेलन भाजपा कर चुकी है। इसमें भाजपा के दिग्गज नेता सुधांशू त्रिवेदी से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और उप मुख्यमंत्री तक शामिल हो चुके है। आगे भी 13 अप्रैल अमित शाह यहा एक बड़ी जनसभा करने जा रहे है। इस बीच बूथ सम्मेलन लगातार जारी रहेगा।

■ **दो लोकसभा चुनाव में 75 प्रतिशत बूथ पर भाजपा का कब्जा**
■ **देहात में बसपा-सपा का बेहतर प्रबंधन**

1804 बूथ पर जिसका प्रबंधन बेहतर उसी को मिलेगा ताज

भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में एक शक्ति केंद्र पर 5 से 6 बूथ होते हैं। शक्ति केंद्रों के प्रभारी और संयोजक इनकी निगरानी करते हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा के 27 हजार से अधिक शक्ति केंद्र, 1918 मंडल और 98 संगठनात्मक जिले हैं। जबकि पूरे प्रदेश को काशी, गोरखपुर, अवध, कानपुर-बुंदेलखंड, ब्रज और पश्चिम कुल 6 क्षेत्रों में बांटकर संगठन का खाका तैयार हुआ है।

अगर नोएडा की बात करे तो शहर में 732 बूथ है। जिसमें 114 शक्ति केंद्र बनाए गए है। प्रत्येक बूथ पर 20 से 30 कार्यकर्ता की टीम लगी हुई है। इसी तरह ग्रेटर नोएडा (जेवर, दादरी, दनकौर, खुर्जा और सिकंद्राबाद) में 1072 बूथ और 148 शक्ति केंद्र बनाए गए है। इन सभी रोजाना कार्यकर्ता पहुंच रहा है। और वोटरों को साधने का प्रयास कर रहा है।

दोनों लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को किसी भी बूथ पर नहीं मिली बढ़त

पिछले दो लोकसभा चुनावों को देखा जाए तो कांग्रेस का सबसे ज्यादा बुरा हाल था। कांग्रेस का प्रत्याशी पूरे गौतमबुद्ध नगर में एक भी बूथ पर आगे नहीं रही। इस बार कांग्रेस सपा के साथ गठबंधन में है। प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर है। बताया जा रहा है वो भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा को टक्कर दे सकते है। इसकी वजह जातीय आकड़े है। क्योंकि गौतमबुद्ध नगर गुर्जर बाहुल्य क्षेत्र है। इनकी संख्या 3.5 से 4 लाख तक है। इसलिए लेकिन बूथ मैनेजमेंट में जो पार्टी आगे होगी वहीं चुनावी समर में आगे दिखेगी।

2019 लोकसभा चुनाव में बसपा-सपा की गठबंधन सीट थी। यहां प्रत्याशी बसपा से उतारा था। जिसको कुल 4,93,890 वोट मिले। नोएडा विधानसभा सीट पर बूथ प्रबंधन फेल रहा। लेकिन दादरी और जेवर में भाजपा को टक्कर दी। दादरी में 535 बूथों में से 183 और जेवर में 388 बूथ में 173 पर गठबधंन का प्रत्याशी आगे रहा। 2014 के चुनाव में बसपा और सपा अलग-अलग चुनाव लड़े। इसमें दादरी में 383 बूथ में 143 में सपा और 33 पर बसपा आगे रही। वहीं जेवर में 318 बूथ में 106 पर सपा और 49 पर बसपा रही। लेकिन नोएडा में ये दोनों पार्टी भाजपा से बहुत पीछे रही।

साढ़े छह साल की बच्ची के साथ बुजुर्ग ने किया दुष्कर्म का प्रयास

नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। निठारी गांव में किराये के मकान में रहने वाले 75 वर्षीय बुजुर्ग ने पड़ोस में रहने वाली साढ़े छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। गंदी वीडियो दिखाकर बुजुर्ग ने बच्ची को उकसाया। मासूम की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। केस दुष्कर्म और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम समेत कुल पांच धाराओं में दर्ज हुआ है। निठारी गांव में रहने वाली महिला ने सेक्टर-20 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोमवार दोपहर 12 बजे के करीब बिहार के दरभंगा का रहने वाला 75 वर्षीय सिकंदर सदा उसकी साढ़े छह साल की बच्ची को भंडारा खिलाने के बहाने गोद में ले गया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया। बच्ची के शरीर पर घाव और चोट के निशान हैं। आरोपी मोबाइल में बच्ची को गंदी और अश्लील वीडियो दिखाकर उकसा रहा था। घटना के बाद पूरा परिवार सहमा हुआ है। केस दर्ज होने की जानकारी होते ही आरोपी घर से भाग गया। उसकी तलाश में पुलिस की दो टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

■ **दुष्कर्म समेत कुल पांच धाराओं में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज**

आरोपी को बड़े पापा कहती है मासूम

शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि उसकी बेटी आरोपी को बड़े पापा कहकर बुलाती है। वह काफी दिनों से बच्ची पर गंदी नजर रखे हुए था। वारदात के बाद जैसे ही बच्ची ने मां को देखा उससे लिपट कर रोने लगी। मां ने किसी तरह उसे चुप कराया। सिसकते हुए बच्ची ने मां को पूरी आपबीती बताई। इसके बाद पीड़ित बच्ची की मां ने संबंधित थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दी। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि उन्हें काफी देर तक चौकी और थाने के चक्कर कटवाए गए। पुलिस ने घंटों मेडिकल तक नहीं कराया। मामले ने सोशल मीडिया पर जब तूल पकड़ा तब पुलिस ने परिजनों की गुहार सुनी। बच्ची के साथ डिजिटल रेप होने की बात कही जा रही है। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि मासूम की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश में दबिश जारी है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कोतवाली के समीप लगे ट्रांसफार्मर में मंगलवार दोपहर आग लग गई। ट्रांसफार्मर फट गया और तेज आवाज में धमाका हुआ। आग लगने के बाद कोतवाली में मौजूद करीब 50 से अधिक पुलिसकर्मी परिसर से बाहर निकल गए। देखते ही देखते आग कोतवाली परिसर में फैल गई। करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। कोतवाली प्रभारी के कार्यालय में जब तक आग पहुंची तब तक उन्होंने कार्यालय से सभी जरूरी दस्तावेज बाहर निकाल लिए थे। **विद्युत गोयल, कासना कोतवाली प्रभारी**

मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए निवेश जुटाने जापान जाएंगे अधिकारी

- टोक्यो में 17 से 19 अप्रैल तक आयोजित होने जा रहा है मेडटेक जापान सम्मेलन
- परियोजना के प्रचार के लिए तीन दिवसीय सम्मेलन में तैयार किया जाएगा बूथ
- मेडटेक जापान में एमओयू साइन कर कंपनियों को मौके पर ही सौंपे जाएंगे आवंटन पत्र
- जापान की तीन कंपनियां पहले ही जता चुकी है निवेश की इच्छा

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित किए जा रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में विदेशी निवेश लाने के लिए अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह जापान दौरे पर जाएगा। टोक्यो में 17 से 19 अप्रैल तक आयोजित हो रहे मेडटेक जापान सम्मेलन-2024 में हिस्सा ले परियोजना का प्रचार करेंगे। इसके लिए मेडिकल डिवाइस पार्क का बूथ तैयार किया जाएगा। इसके अलावा कंपनियों के साथ बैठक भी की जाएगी। जापान की तीन बड़ी कंपनियां पहले ही निवेश की इच्छा जता चुकी हैं। इच्छुक कंपनियों के साथ एमओयू साइन कर मौके पर ही आवंटन पत्र सौंपे जाएंगे।

यीडा सिटी के सेक्टर-28 में केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जा रहा है। इसे दो वर्षों में क्रियान्वित किया जाना है। अब तक 76 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। कंपनियां यहां निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में विदेशी निवेश को आकर्षित करने का प्रयास भी तेज कर दिया है। इसके लिए यमुना प्राधिकरण के चेयरमैन अनिल कुमार सागर, सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह के नेतृत्व में तीन सदस्यीय अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 15 अप्रैल को जापान दौरे पर जाएगा।

तीन दिवसीय 17-19 अप्रैल सम्मेलन/प्रदर्शनी में हिस्सा ले परियोजना के बारे में मेडिकल डिवाइस से संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियां के साथ बैठक कर उन्हें यीडा सिटी में विकसित किए जा रहे मेडिकल डिवाइस पार्क के बारे में विस्तृत जानकारी व सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारी जिन कंपनियों के साथ बैठक कर करेंगे, उनमें टैशियो फॉर्मास्यूटिकल कंपनी, मैनीज ग्रुप, कोशल, मोरी मेडिकल, बी डॉट मेडिकल आदि कंपनियों के अलावा जापान फेडरेशन ऑफ मेडिकल डिवाइस सहित 21 एसोसिएशन के 4000 सदस्यों के साथ बैठक की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मंच से परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों को उम्मीद है कि मेडटेक जापान सम्मेलन से अच्छा खासा विदेशी निवेश मिलेगा।

बता दें कि जापान की तीन बड़ी कंपनियां निवेश करने के लिए पहले ही आगे आ चुकी हैं। इस संबंध में कंपनी के पदाधिकारी पूर्व में यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। 100 प्रतिशत एफडीआई के तहत निवेश करने वाली तीन कंपनियों ने 25- 25 एकड़ के भूखंड आवंटित करने की मांग की है। इनमें एक स्कैन दूसरी कैंसर थेरेपी और तीसरी सीटी स्कैन से संबंधित है। बता दें कि एफडीआई के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को पॉलिसी के तहत 75 फीसदी लैंड सब्सिडी, रिसर्च एंड डवलपमेंट के लिए 2 करोड़ रुपए, 5 साल के लिए पीएफ, 100 करोड़ कैपिटल सब्सिडी सहित लाभ प्रदान किए जाएंगे।

17-19 अप्रैल तक टोक्यो में आयोजित हो रहे मेडटेक जापान सम्मेलन में हिस्सा ले मेडिकल डिवाइस पार्क के बारे में जानकारी दी जाएगी। अलग-अलग कंपनियों और जापान फेडरेशन ऑफ मेडिकल डिवाइस के साथ बैठक की जाएगी: डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण

मेडिकल डिवाइस पार्क में उपलब्ध कराई जाएंगी ये सुविधाएं

मेडिकल डिवाइस पार्क में प्राधिकरण द्वारा कॉमन टूलिंग रूम, 3डी डिवाइजन, रैपिड प्रोटोटाइपिंग एंड टूलिंग, मेकाट्रोनिक जोन, इलेक्ट्रॉनिक एसेंबली फैसिलिटी, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस ब्लॉक, एक्सपोर्ट एंड प्रमोशन, इंक्यूबेशन सेंटर एंड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्किल डवलपमेंट, कॉमन ऑफिस कॉम्प्लेक्स, शोरूम, सेट्रल वेयरहाउस, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम एंड डिजाइन फैसिलिटीज, सेंसर टेस्टिंग आदि सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इनका निर्माण अंतिम चरण में है।

अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में स्ट्रीट लाइट व फॉगिंग पर 5.50 करोड़ रुपए खर्च करेगा प्राधिकरण

- वित्तीय वर्ष 2024- 25 के बजट में अर्बन सर्विसेज के लिए की गई है विशेष व्यवस्था
- 12 से अधिक गांवों में स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग व सैनिटाइजेशन का किया जा रहा काम

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। यमुना प्राधिकरण सेक्टरों के विकास के साथ-साथ अधिसूचित क्षेत्र के गांवों को भी चमकाने व जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने पर जोर दे रहा है। अर्बन सर्विसेज के तहत क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग व सैनिटाइजेशन का काम शुरू कर दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में इसके लिए अलग से प्रावधान किया गया है।

गर्मी व बारिश के मौसम में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए फॉगिंग व सैनिटाइजेशन की तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है।

दरसअल यीडा सिटी के सेक्टरों में धीरे-धीरे बसावट शुरू हो गई है। ऐसे में सेक्टरों के विकास के साथ प्राधिकरण क्षेत्र के गांवों के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रहा है, ताकि ग्रामीणों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो।

अधिसूचित क्षेत्र के गांव भट्टा, पारसौल, अच्छेजा बुजुर्ग, फतेहपुर अट्टा, ऊंची दनकौर, गुनपुरा, सलारपुर, कादरपुर, रौनीजा, ढाक, जहानाबाद, डेरी गुजरान आदि गांवों में स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग व सैनिटाइजेशन पर 5.50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा भी अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में नाली, सड़क, पेयजल आदि की सुविधाएं मुहैया कराए जाने का काम किया जा रहा है।

अर्बन सर्विसेज के तहत अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग व सैनिटाइजेशन की सुविधा शुरू कर दी गई है। इसके लिए बजट में 5.50 करोड़ रुपए की व्यवस्था अलग से की गई है, ताकि पैसे की कमी न हो।

डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण।

फर्जी आबंटन मामले में टाउनशिप के सीईओ सहित छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। फर्जी तरीके से प्लाट आवंटन कर देने के मामले में अदालत के आदेश पर सर्वोत्तम मेगापोलिस टाउनशिप के सीईओ सहित छह लोगों के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। जिस जमीन का आवंटन किया गया था वहां पर गेहूं की फसल उग रही थी। बोड़ाकी के निवासी बलराज सिंह जिला न्यायालय में अधिवक्ता हैं। दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि प्रचार प्रसार से मिली जानकारी के बाद उन्हें बोड़ाकी में एक प्रोजेक्ट के विषय में जानकारी हुई थी। इसके बाद वह 28 जून 2023 को इस प्रोजेक्ट के बिल्डर से थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में स्थित बिल्डर के कार्यालय में मिले। यहां पर बिल्डर पक्ष ने उन्हें सभी दस्तावेज आदि दिखाए और तुरंत भुगतान तुरंत बैनामा योजना का प्रलोभन दिया। पीड़ित ने पांच लाख रुपए का भुगतान बिल्डर पक्ष को कर दिया। इसके बाद बिल्डर की ओर से भूखंड की रजिस्ट्री भी कर दी गई। दिसम्बर 2023 में जब अधिवक्ता भूखंड पर गए तो देखा कि वहां पर कुछ स्थानीय किसानों ने फसल की बुवाई कर रखी थी। साथ ही स्थानीय किसानों बताया कि उन्होंने कोई जमीन बिल्डर को नहीं बेची है। अधिवक्ता जब बिल्डर के कार्यालय गए और अपना पैसा वापस मांगा तो उन्हें धमकाया गया और कहा गया कि अब पैसा हमने ले लिया है, जो करना है कर लो। पीड़ित ने पुलिस से गुहार की लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद साक्ष्यों सहित अदालत में गुहार की। सुनवाई करते हुए अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) ने पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए। जिसके बाद अब पुलिस ने सर्वोत्तम मेगापोलिस अंसल हाईटेक टाउनशिप के सीईओ आशीष शर्मा, प्रमोटर शहजाद अमहद, विकास जैन, अनिल जैन, ऋषभ जैन और भुवनेश्वर चौहान के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी डॉ. विपिन कुमार कहते हैं कि मामले की जांच की जा रही है।

कासना कोतवाली के पास ट्रांसफार्मर फटने से लगी भीषण आग

■ कोतवाली प्रभारी कार्यालय सहित सौ गाड़ियां हुई खाक, जरुरी दस्तावेज बचाया

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। कासना कोतवाली में मंगलवार को भीषण आग लग गई, देखते ही देखते आग इतनी तेज फैल गई कि इसने कोतवाली प्रभारी के दफ्तर और 100 गाड़ियों को अपनी जद में ले लिया। आग लगते ही इसकी सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई जिसके बाद मौके पर कई दमकल की कई गाड़ियां पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। कासना कोतवाली गेट के सामने पोल पर एक ट्रांसफॉर्मर लगा है। मंगलवार दोपहर ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। वहां खड़ी दर्जनों बाइक आग की चपेट में आ गई। जिसके बाद आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इसके बाद कोतवाली में मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। कासना कोतवाली के बराबर लगी आग से एसएचओ का ऑफिस भी जल गया। आग की चपेट में आने से पहले कोतवाली प्रभारी को पूरी तरह से खाली कर दिया गया था। ऑफिस में रखे सभी दस्तावेज हटाकर दूसरे कमरे में रखवाए गए। कासना कोतवाली प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि कोतवाली के समीप लगे ट्रांसफार्मर में मंगलवार दोपहर आग लग गई। ट्रांसफार्मर फट गया और तेज आवाज में धमाका हुआ। आग लगने के बाद कोतवाली में मौजूद करीब 50 से अधिक पुलिसकर्मी परिसर से बाहर निकल गए। देखते ही देखते आग कोतवाली परिसर में फैल गई। करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। कोतवाली प्रभारी के कार्यालय में जब तक आग पहुंची तब तक उन्होंने कार्यालय से सभी जरूरी दस्तावेज बाहर निकाल लिए थे। केस से संबंधित दस्तावेज यदि जल जाते तो जांच प्रभावित होती। जब आग लगी तो कोतवाली में चार फरियादी भी मौजूद थे। पुलिसकर्मियों ने समय रहते उनको परिसर से बाहर निकाल लिया।

लोकसभा चुनाव में 18.82 लाख मतदाता करेंगे मतदान

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी की अंतिम सूची
- जिले में बनाए गए कुल 1852 बूथ
- टोल फ्री नंबर 1950 से जान सकेंगे मतदाता सूची में नाम व बूथ संख्या

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष कराने को लेकर जिलानिर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची की अंतिम सूची जारी कर दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि जिले में बनाए गए सभी 1852 बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पैरामिलिट्री, पीएसी एवं लोकल पुलिस बल की व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से सभी बूथों पर वीडियोग्राफी, वेब कास्टिंग एवं फोटोग्राफी आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन को देखते हुए मतदाता सूची फाइनल कर दी गई है, अब मतदाता सूची में न ही कोई नाम जोड़ा जाएगा और न ही काटा जाएगा। उन्होंने बताया जनपद में अब तक 18,82,177 कुल महिला, पुरुष एवं ट्रांसजेंडर मतदाता है, जिसमें 61-नोएडा के 437812 पुरुष, 345047 महिला एवं 13 ट्रांसजेंडर, 62-दादरी के 397652 पुरुष, 331757 महिला एवं 72 ट्रांसजेंडर, 63-जेवर के 200082 पुरुष, 169725 महिला एवं 17 ट्रांसजेंडर मतदाता सम्मिलित है। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु जनपद में कुल 1852 बूथ बनाए गए हैं, जिसमें 61-नोएडा में 747, 62-दादरी में 707 तथा 63-जेवर में 398 बूथ बनाये गये है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी बताया कि मतदाताओं की सुविधा हेतु जनपद में चौबिस घंटे कंट्रोल रूम की भी स्थापना की गई है, जिसके टोल फ्री नंबर 1950 पर मतदाता कॉल करके निर्वाचन संबंधी शिकायत/सुझाव या मतदाता सूची में अपना नाम होने एवं अपने बूथ संख्या की भी पुष्टि कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि मतदाता https://voters.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर भी मतदाता सूची में अपना नाम एवं अपनी बूथ संख्या चेक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिन ने मतदाताओं को अभी तक अपना मतदाता पहचान पत्र प्राप्त नहीं हुआ है वह लोग वोटर हेल्पलाइन पर जाकर अपना ई-इपिक कार्ड भी डाउनलोड कर सकते हैं।

फॉर्मेसी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए शगुन मेडी टेस्टिंग के साथ किया समझौता

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। शगुन मेडी टेस्टिंग प्राइवेट लिमिटेड ने लॉयड ग्रुप के साथ एक समझौता किया है। समझौता ज्ञापन पर लॉयड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से समूह निदेशिका डॉ. वंदना अरोरा सेठी और शगुन मेडी टेस्टिंग प्राइवेट लिमिटेड की ओर से एमडी योगेश मिधा और निदेशक गोल्डी कश्यप ने हस्ताक्षर किए।

इसके उद्देश्य को रेखांकित करते हुई डॉ. वंदना अरोरा सेठी ने कहा कि इस समय भारत दवा उत्पादन के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है। भारतीय दवा उद्योग पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है, फार्मा सेक्टर में जो चमकीली संभावनाएं निर्मित हुई हैं, उन्हें बरकरार रखने के लिए इंडस्ट्री के बदलते तकनीकी के अनुसार छात्रों को प्रशिक्षित करना आवश्यक हो जाता है। छात्रों के कौशल का विस्तार करने और उनमें अनुसंधान और विश्लेषण क्षमताओं को विकसित करने के उद्देश्य के तहत यह एमओयू किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि लॉयड ग्रुप हमेशा छात्रों के शैक्षणिक और अनुसंधान के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करता है कि छात्र उद्योग के लिए तैयार हों। शगुन मेडी टेस्टिंग प्राइवेट लिमिटेड हरियाणा सरकार द्वारा अनुमोदित, अत्याधुनिक कंपनी है जो दवा और फार्मास्युटिकल उत्पादों, कॉस्मेटिक और पर्सनल केयर उत्पादों, आयुष और हर्बल उत्पादों, न्यूट्रास्यूटिकल और खाद्य उत्पादों के लिए मानक विश्लेषणात्मक परीक्षण तकनीक प्रदान करता हैं।

आर्थिक रुप से कमजोर मेधावी छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। सावित्री बाई फुले बालिका इंटर कॉलेज में छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 2024 का आयोजन किया गया। मंगलवार को विद्यालय में

छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 5 से 9 तक की छात्राओं ने भाग लिया। इस परीक्षा का आयोजन 'ज्ञान ज्योति' गैर सरकारी संस्था के द्वारा किया गया जो अपने मुहिम 'पढ़ेगा भारत तभी तो बढ़ेगा भारत' के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्राओं को प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान करती है। सभी चयनित छात्राओं को एक वर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कक्षा 10 की छात्राओं को उनके बोर्ड परीक्षाफल के आधार पर अगले वर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

बॉयो मेडिकल रिसर्च पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा के एनाटॉमी विभाग ने डॉ. रंजनावर्मा के मार्गदर्शन में 'बायोमेडिकल रिसर्च का परिचय' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि वक्ता डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब एमडी, पीएचडी, अतिरिक्त प्रोफेसर, एनाटॉमी विभाग, एआईआईएमएस, नई दिल्ली थे। इस अवसर पर एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में (ब्रिगेडियर) डॉ. राकेश गुप्ता, डीन डॉ. रंभा पाठक और विभिन्न संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह व्याख्यान छात्रों के युवा मन में शोध करने की रुचि पैदा करने और उन्हें इस बारे में मूल विचार देने पर केंद्रित थी कि शोध क्या होता है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने के लिए भारतीय संस्कृति वैश्विक केंद्र का शुभारंभ

- केन्द्र के उद्घाटन में पद्मम् भूषण प्रो. कपिल कपूर, पूर्व मुख्य सचिव सेवानिवृत्त आईएएस दीपक सिंघल हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। भारतीय संस्कृति वैश्विक केंद्र का शुभारंभ शारदा विश्वविद्यालय में किया गया। इस केंद्र को स्थापित करने का उद्देश्य भारतीय संबंधित ज्ञान को एकत्रित करने के लिए वैश्विक मंच बनाना है। इस केंद्र कि स्थापना से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और सुरक्षित किया जा सकेगा। इस समारोह का शुभारंभ में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव सेवानिवृत्त आईएएस दीपक सिंघल, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांसड स्टडीस के पूर्व चेयरमेन पद्म भूषण प्रो कपिल कपूर, सेंटरल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, बठिंडा के चांसलर प्रो जगबीर सिंह, नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीस, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस की चेयरपरसन प्रो. हीरामन तिवारी, शारदा विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर वाई.के. गुप्ता, शारदा विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. सिबाराम खारा द्वारा किया गया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांसड स्टडीस के पूर्व चेयरमैन पद्म भूषण प्रो कपिल कपूर ने कहा कि विरासत पर गर्व करना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अनुसार भी यहीं है की अपनी भाषाओं में पढ़ाना है। लेकिन समस्या यह है कि हम देश विदेश का पढ़ाते हैं, लेकिन अपने बारे में अपनी संस्कृति के बारे में नहीं पढ़ाते हैं। हमें अपना ज्ञान हमारे बच्चों तक पहुंचाना है। केवल नीति बनाकर भूल जाते है और यही होता आ रहा है, लेकिन अब इस पर कार्य करने का समय आ गया है। ज्ञान वापस आता है लेकिन कभी नहीं मिटता है। अपनी मानसिकता को बदलने के लिए हमें अपनी धरोहर को संरक्षित करना चाहिए। शारदा विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर वाई के गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन समस्त शारदा ग्रुप के लिए बेहद गर्व की बात है, कि हम इस अहम कार्य के शुरूआत शारदा से की जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव सेवानिवृत्त आईएएस दीपक सिंघल ने कहा कि भारतीय संस्कृति वैश्विक केंद्र तभी सफल होगा जब केवल भाषण नहीं दिए जाऐगा बल्कि इस पर असल में परिणाम हेतु कार्य किया जाएगा। इस को दुनिया के सबसे अच्छे स्टार्टअप के रूप में लिया जा सकता है। शारदा विश्वविद्यालय ने इस क्षेत्र में योगदान देकर बहुत बड़ा कार्य किया है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लाट न0-1 सैक्टर पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी जिला-गौतमबुद्ध नगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बी01 आवासीय योजना के अर्न्तगत भूखण्ड संख्या-145, ब्लॉक-डी, सैक्टर-बीटा-01, आकार-200 वर्गमीटर आवंटन संख्या-बी019814, श्री शान्ती स्वरूप पाण्डेय पुत्र श्री मनमोहन राम पाण्डेय के नाम हास्तांतरित है। आवंटी श्री शान्ती स्वरूप पाण्डेय पुत्र श्री मनमोहन राम पाण्डेय की मृत्यु दिनांक 08.12.2011 को हो जाने के उपरान्त उक्त भूखण्ड को वारिसान के आधार पर उनकी पत्नी श्रीमती गिरजा देवी पत्नी स्वं0 शान्ती स्वरूप पाण्डेय निवासी-कस्बा, बाबेरू, तहसील बाबेरू, जिला-बांदा उत्तर प्रदेश द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पक्ष में नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों मे उक्त भूखण्ड का वारिसान के आधार पर नामांतरण श्री शान्ती स्वरूप पाण्डेय पुत्र श्री मनमोहन राम पाण्डेय के स्थान पर उक्त भूखण्ड को उनकी पत्नी श्रीमती गिरजा देवी पत्नी स्वं0 शान्ती स्वरूप पाण्डेय निवासी-कस्बा, बाबेरू, तहसील बाबेरू, जिला-बांदा उत्तर प्रदेश के नाम प्राधिकरण अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (सम्पत्ति)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्ध नगर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सेक्टर-घघोला की प्रस्तावित आबादी में आवंटन संख्या-जी.यू.एल.01267, भूखण्ड संख्या-15, क्षेत्रफल-600 वर्ग मीटर को आवंटित श्री रतन लाल पुत्र श्री दौजी, निवासी-ग्राम-गुलिस्तानपुर जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 को आवंटित किया गया था। आवंटी श्री रतन लाल पुत्र श्री दौजी की मृत्यु के उपरान्त इनके वसियती सर्वश्री निखिल बसल, अखिल बैसला पुत्रगण स्व0 श्री दलीप कुमार व श्रीमती सुबोध पत्नी स्व0 श्री दलीप कुमार, निवासी-फ्लैट नं0-एन-473, जलवायु विहार, पाकेट-पी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु रजि0 वसीयत के आधार पर नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त प्रस्तुत वसीयत की बही संख्या-3, खण्ड संख्या-320 पृष्ठ संख्या-309 से 318 पर क्रमांक-1170 दिनांक 15.10.2014 को उप निबन्धक, सदर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में पर सर्वश्री निखिल बंसल, अखिल बैसला पुत्रगण स्व0 श्री दलीप कुमार व श्रीमती सुबोध पत्नी स्व0 श्री दलीप कुमार, निवासी-फ्लैट नं0-एन-473, जलवायु विहार, पाकेट-पी, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर उ0प्र0 का नाम आवंटी के रूप दर्ज कर दिया जायेगा

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा
जिला गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बिसरख जलालपुर, तहसील- दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर स्थित खसरा संख्या-651 में 0.7000 हे० व 654म में 0.5000 हे० के आबादी व्यवस्थापन/लीज बैंक का निर्णय प्राधिकरण बोर्ड की 88वीं बैठक में संतसिंह, रामवीर सिंह, राधेश्याम पुत्रगण देशराज सिंह निवासी ग्राम व देशराज पुत्र देवी सिंह व सन्त सिंह, रामवीर सिंह व राधेश्याम पुत्रगण देशराज निवासी ग्राम के पक्ष में लिया गया है, राधेश्याम की मृत्यु हो जाने के उपरान्त वारिसान के आधार पर श्री दीपक भाटी व अनुज भाटी पुत्रगण स्व० राधेश्याम व श्रीमती राजेश्वरी पत्नी स्व० राधेश्याम निवासी ग्राम व श्री देशराज द्वारा वसीयत वही सं० 3 जिल्द सं0 174 पृष्ठ सं0 131 से 140 पर कमांक 1379 दिनांक 26.09.2011 के आधार पर सुरेन्द्रपाल व सत्यपाल व सुरेशपाल पुत्रगण सन्त सिंह व अमित व ललित व पुनित पुत्रगण रामवीर सिंह व अनुज भाटी व दीपक भाटी पुत्रगण श्री राधे श्याम निवासी ग्राम व सत्यपाल की मृत्य हो जाने के उपरान्त वारिसान के आधार पर श्री आकाश भाटी व रेहान भाटी पुत्रगण स्व० सत्यपाल व श्रीमती रेखा पत्नी स्व० सत्यपाल निवासी ग्राम के पक्ष में नामान्तरण करने हेतु नामान्तरण प्रपत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामान्तरण के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण के भूलेख विभाग में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में इनके नाम दर्ज किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

(रामनयन सिंह)
विशेष कार्याधिकारी भूलेख

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर में उप जिलाधिकारी सदर, गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 216/एस0टी0/एस0डी0एम0/2019 दिनांक 06.11.2019 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 राजपाल पुत्र दीपचन्द नि0 नवादा, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
जगनपुर अफजलपुर	1040, 1042, 1046, 1058, 1059, 1060	स्व0 श्री राजपाल पुत्र दीपचन्द नि0 नवादा, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती शारदा	पत्नी	69 वर्ष
			श्रीमती सुमन	पुत्री विवाहित	44 वर्ष
			श्रीमती सुनीता	पुत्री विवाहित	42 वर्ष
			श्रीमती कल्याणी	पुत्री विवाहित	40 वर्ष
			श्री गोपालदत्त तिवारी	पुत्र	38 वर्ष
			श्री ओमदत्त शर्मा	पुत्र	36 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा। यदि उच्च स्तरीय जांच के क्रम में प्रश्नगत भूमि पर किसी न्यायालय या आदेश द्वारा कृषक का स्वत्व समाप्त होता है अथवा क्षेत्रफल कम किया जाता है तो कम हुए क्षेत्रफल अथवा सम्पूर्ण क्षेत्रफल के सापेक्ष इस वारिसान को स्वतः निरस्त समझा जाये।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, बुधवार 10 अप्रैल 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

मणिपुर पर प्रधानमंत्री का बड़ा दावा

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बड़ा बयान दिया है। प्रधानमंत्री का दावा है कि केंद्र सरकार के समय रहते दखल देने और राज्य सरकार की कोशिशों के कारण मणिपुर के हालात में सुधार आया है। द असम ट्रिब्यून नाम के अख़बार को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि -हमारा मानना है कि हालात से संवेदनशीलता के साथ निपटना सबकी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। मैंने इस बारे में संसद में पहले भी कहा है। हमने अपने सबसे अच्छे संसाधनों, प्रशासन को इस संघर्ष को सुलझाने में लगाया हुआ है। श्री मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में तब रुके, जब संघर्ष अपने चरम पर था। इस संघर्ष से जुड़े पक्षों के साथ शाह ने 15 से ज्यादा बैठक की। राज्य सरकार को जो भी मदद चाहिए होती है, केंद्र सरकार मुहैया करवाती है।

गौरतलब है कि मणिपुर में हिंसा और अशांति का एक लंबा दौर चला है। मणिपुर हाई कोर्ट ने 27 मार्च 2023 को अपने एक आदेश में राज्य सरकार से मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की बात पर शीघ्रता से विचार करने को कहा था। इसके बाद मई 2023 की शुरुआत में मैतेई और कुकी लोगों के बीच हिंसक झड़पों की शुरुआत हुई, जो बढ़ते-बढ़ते पूरे राज्य में फैल गई। इस हिंसा में घोषित तौर पर अब तक क़रीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। हज़ारों लोगों को अपना घर छोड़कर बाहर रहना पड़ रहा है। लगभग साल भर की अशांति के बाद फ़रवरी 2024 में मणिपुर हाई कोर्ट ने पिछले आदेश से उस अंश को हटा दिया है जिसमें मैतेई समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की सिफ़ारिश का ज़िक्र था। लेकिन इसके बाद भी मणिपुर में हालात अब तक सामान्य नहीं हुए हैं। आलम ऐसा है कि हजारों मतदाता अब भी राहत शिविरों में हैं और चुनाव आयोग को वहीं से उनके मतदान का इंतजाम करना पड़ रहा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत भी मणिपुर से ही हुई, ताकि इस राज्य की ओर शेष भारत का ध्यान खींचा जा सके और यहां हालात सामान्य करने का दबाव राज्य और केंद्र सरकार पर बनाया जा सके। यह हैरत की बात है कि राहुल गांधी ने हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा किया, उनके अलावा कई और विपक्ष के नेता मणिपुर चले गए, कई पत्रकारों ने मणिपुर जाकर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आज तक मणिपुर नहीं गए। बल्कि नवंबर-दिसंबर में जब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए, तो मणिपुर के पड़ोसी राज्य मिजोरम में प्रचार के लिए श्री मोदी नहीं गए, क्योंकि फिर उन पर मणिपुर जाने का दबाव भी बढ़ जाता। देश में कई बार प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किए गए कि वे सारे देश में घूम सकते हैं, विदेश जाने के लिए वक्त निकाल सकते हैं तो एक बार भी मणिपुर क्यों नहीं गए।

प्रधानमंत्री से यह सवाल भी किया गया कि पूर्वोत्तर के इस राज्य में भाजपा की सरकार है, तो वहां के मुख्यमंत्री वीरेन सिंह से अब तक त्यागपत्र क्यों नहीं लिया गया। लेकिन इनमें से किसी सवाल का जवाब श्री मोदी ने नहीं दिया। और अब चुनावों के पहले वे मणिपुर का ज़िक्र कर भी रहे हैं, तो उसमें यह दावा कर रहे हैं कि मणिपुर में समय रहते केंद्र सरकार के दखल के कारण स्थितियां सुधरी हैं। जबकि संसद के 2023 के मानसून सत्र में विपक्ष के सांसदों ने जब मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, तब जाकर खूब मिनटों का बयान मणिपुर पर प्रधानमंत्री ने दिया था। उसी दौरान मणिपुर में दो कुकी महिलाओं का वस्त्रहरण करके उनकी परेड करवाने का एक वीडियो भी सामने आया था, जिस पर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए थे, और मजबूरन प्रधानमंत्री को बयान देना पड़ा था। अब एक तरफ नरेन्द्र मोदी दावा कर रहे हैं उनकी सरकार ने समय रहते हालात संभाले और वहीं मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने अभी कहा है कि दो कुकी महिलाओं के यौन उत्पीड़न और उनकी परेड करवाने का वीडियो विपक्ष ने वायरल किया था ताकि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार को बदनाम किया जा सके। बीरेन सिंह ने दावा किया कि इस वीडियो के वायरल होने के कारण ये बात पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दी गई कि उन महिलाओं को मैतेई समुदाय की कुछ महिलाओं और युवाओं ने बचाया था।

बड़े दुख की बात है कि एक राज्य में फैली अशांति को केंद्र और राज्य की सत्तारुढ़ सरकारें राजनीति का विषय बना रही हैं, जबकि मणिपुर की जनता को इस वक्त हर तरह से सहारे और संवेदनशीलता की जरूरत है। विपक्ष अगर वहां की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिला रहा है तो यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उन्हें गंभीरता से सुने, न कि इसे विपक्ष की शिकायत के तौर पर ले। वहीं अगर यौन उत्पीड़न का शिकार महिलाओं की मदद दूसरे समुदाय के लोगों ने की तो यह बात सराहनीय है, लेकिन इसमें सरकार अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो सकती कि उन महिलाओं के साथ ऐसा दुर्व्यवहार हो सके, ऐसी नौबत ही क्यों आई।

मणिपुर में अभी स्थिति संभालने का श्रेय अगर प्रधानमंत्री ले रहे हैं, तो उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि इस मामले की गूंज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठी। यूरोपीय संघ से लेकर अमेरिका तक कई जगह मणिपुर में हुए अत्याचारों की निंदा की गई। इस वक्त भी मणिपुर में हालात पूरी तरह से संभले नहीं हैं। हजारों लोग अगर अब भी विस्थापित हैं, तो फिर केंद्र सरकार खुद की पीठ कैसे थपथपा सकती है।

कैसी भाजपा छोड़ जायेंगे अपने पीछे मोदी और शाह?

18वीं लोकसभा के लिये 7 चरणों में होने जा रहे मतदान का आगाज़ 19 अप्रैल से होने जा रहा है (समापन 1 जून) जिसमें यह तो साफ है कि भारतीय जनता पार्टी एवं उसके गठबन्धन को इंडिया के अंतर्गत अपेक्षाकृत विलम्ब से एकजुट हुए प्रतिपक्षी दल तगड़ी चुनौती दे रहे हैं। अपने तमाम प्रपंचों, संसाधनों और राजशक्ति के उपयोग के जरिये अपनी सफलता के चरम पर पहुंचने के बावजूद भाजपा आश्वस्त नहीं है कि आसन्न आम चुनावों में उसे वैसी कामयाबी मिलेगी जैसी कि उसे पिछली दफ़ा (2019 में) मिली थी; या जैसी वह अकेले 370 तथा संयुक्त रूप से 400 सीटें पाने का दावा कर रही है, उसे वह हासिल कर पायेगी। वैसे तो परिणाम बतायेंगे कि उसे अपेक्षित सफलता मिलती है या नहीं, लेकिन दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पार्टी को जिस स्वरूप में एवं मकाम पर ला खड़ा किया है, वह स्वयं भाजपाइयों के सोचने का विषय होगा कि क्या उन्होंने कभी सोचा था कि कभी उनका संगठन ऐसा हो जायेगा।

शुरुआत यहां से करें कि भाजपा अब तक अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निर्देशित व परिचालित होता रहा है। साम्यवादी पार्टियों की तरह इसमें भी संगठन का अपने राजनैतिक विंग या सत्ता पर अंकुश रहा है। शासन कोई भी सम्भाले, संघ की इजाज़त के बिना उसमें पत्ता भी नहीं खड़कता था। कारण है कि संघ की ही रणनीति के तहत पहले जनसंघ एवं बाद में भाजपा के रूप में उसकी राजनीतिक शाखाएं बनी थीं। भाजपा के अध्यक्ष पद पर अनेक कद्दावर नेता रहे परन्तु वे भी संघ के नियमों से बंधे होते थे, उनके आदेशों पर चलते थे तथा उसके आगे नतमस्तक रहा करते थे। यह पहली बार होते देखा गया है कि मोदी ने अपनी पार्टी को तो मुट्ठी में कैद कर ही रखा है, संघ भी उन्हीं के अधीन दिखाई पड़ता है। पहले के तमाम भाजपायी नेता, चाहे वे सत्ता के किसी भी पायदान तक क्यों न पहुंच जायें- नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में उन्हें हाजिरी लगानी ही पड़ती थी। यहां तक कि अटल बिहारी वाजपेयी तक यह काम नियमित अंतराल से करते थे। संघ इतना अशक्त कभी भी नहीं दिखा कि वह शासन के कामकाज में परामर्श तक न दे सके, जो कि उसका अधिकार व कर्तव्य दोनों ही कहे जाते रहे। फिर, भाजपा की सरकारों में पद सम्हालने वाले लोग एक ओर संघ के प्रति जवाबदेह तो होते ही थे, अपने संगठन के पदाधिकारियों के प्रति भी वे उत्तरदायी हुआ करते थे। ऐसा भी अब होता नहीं दिखता। यह हर कोई जानता है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की स्थिति क्या है। यहां तक कि मंच पर उन्हें इस तरह से बिठाया जाता है कि मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के फोटो फ्रेम में वे न आयें। निर्णय लेने की सारी ताकत मोदी व शाह के पास है। उन्हें केवल हस्ताक्षर करने और प्रेस बयान जारी करने होते हैं।

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा अब तक अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निर्देशित व परिचालित होता रहा है। साम्यवादी पार्टियों की तरह इसमें भी संगठन का अपने राजनैतिक विंग या सत्ता पर अंकुश रहा है। शासन कोई भी सम्भाले, संघ की इजाज़त के बिना उसमें पत्ता भी नहीं खड़कता था। कारण है कि संघ की ही रणनीति के तहत पहले जनसंघ एवं बाद में भाजपा के रूप में उसकी राजनीतिक शाखाएं बनी थीं।

अलबत्ता सरकार पर सम्पूर्ण कब्ज़ा करने की कला के चलते भाजपा का काडर, उसके समर्थक तथा वोटर मोदी-शाह की जोड़ी को फिलहाल पसंद करते हैं और चाहते होंगे कि उनकी ताकत यूं ही बढ़ती रहे लेकिन इस चुनाव के बाद- चाहे भाजपा-एनडीए जीते या हारे- दोनों का नये सिरे से मूल्यांकन होगा। जीतने पर तो वे स्वाभाविकत: इतने ताकतवर हो जायेंगे कि अपने ही संगठन पर भारी पड़ने लगेंगे; और यदि परास्त हुए तो उनका पहला व बड़ा विरोध संगठन के भीतर ही उठ खड़ा होगा। उनकी उन्हीं मुद्दों पर आलोचना होगी जिनके लिये आज तारीफ हो रही है। दोनों के जिन कामों के कारण उनकी आज वाह-वाही हो रही है, वे ही ऐसे मुद्दे बन जायेंगे जिनके आधार पर पार्टी कार्यकर्ताओं के सिर शर्म से झुक जायेंगे। शायद यही कारण है कि मोदी-शाह को खुद के लिये ये चुनाव जीतना उनकी पार्टी की जीत से भी अधिक ज़रूरी हो गया है। तभी तो दोनों ने सारी शक्ति सत्ता में तीसरी बार लौटने के लिये लगा दी है।

मोदी, शाह व भाजपा बार-बार कह रहे हैं कि 'बचे हुए कई महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिये तीसरा कार्यकाल ज़रूरी है।' समझा जाता है कि पार्टी कार्यकर्ताओं तथा कट्टर हिंदुओं का ऐसा मानना है कि 400 सीटें जीतने पर भाजपा संविधान को बदलने या रद्द करने में समर्थ हो जायेगी। वे सम्भवत: यह नहीं जानते कि मोदी को इतना बड़ा बहुमत इसलिये चाहिये ताकि वे राजनीतिक शक्ति के साथ तमाम आर्थिक व सामाजिक शक्तियों को भी अपनी मुट्ठी में समेट लें। अपने दस साला कार्यकाल में उन्होंने जिस प्रकार से पूंजी को अपने चुनिंदा मित्रों के हाथों पूरी तरह से सौंप दिया है, पूर्ण बहुमत मिलने पर वे सारे शासकीय उपक्रम, सभी कारोबार, हर प्रकार के उद्योग उन लोगों के हाथों में औने-पौने भाव से या मुफ्त में दे दिये जायेंगे जो अब तक नहीं दिये गये हैं। इसका कारण है कुछ दलों व नेताओं द्वारा उनका ऐसा करने का प्रखर विरोध। इतनी बड़ी संख्या में सांसदों के जीतने का अर्थ होगा विपक्षी बेंचें खाली होंगीं। पहले 'कांग्रेस मुक्त भारत' और अब 'विपक्ष मुक्त भारत' के नारे देने की मोदी की यही मंशा है कि उनके ये सारे काम बगैर किसी अवरोध के हो सकें। अपने इन उद्देश्यों को पाने के लिये जो-जो करना आवश्यक था, उनमें से अधिकतर तो मोदी कर चुके हैं, लेकिन जो बचे हैं वह सब करने के लिये तीसरी मर्तबा वे पीएम बनना चाहते हैं। पूछा जाये कि वे क्या-क्या कर चुके हैं, तो उनमें से सबसे महत्वपूर्ण हैं- नौकरशाही को पूरी तरह से पंगु करना, संवैधानिक संस्थाओं को शक्तिहीन करना, नागरिकों के अधिकारों तथा उनके नागरिक बोध को छीनना। बचा क्या है? तो वह है खुद को आजीवन शासक घोषित कराने की व्यवस्था करना। उसके लिये बेहद ज़रूरी है न्यायपालिका को अपने अधीन करना या उसकी इस प्रकार से पुनर्रचना करना कि सरकार के खिलाफ कोई भी फैसले न लिये जायें। ऐसा करना इसलिये मोदी के लिये ज़रूरी होगा क्योंकि फिलहाल उसके रास्ते में कोई अवरोध है तो वह देश की न्यायपालिका ही। हाल ही में कई फैसले भाजपा सरकार के विरोध में गये हैं। इनसे वे सबक ले चुके होंगे और अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे होंगे।

ऐसे वक्त में जब भाजपा हार की आशंका के साथ अपने एक दशक के शासनकाल की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है, मोदी-शाह का पूरा चरित्र तथा काम-काज का तौर-तरीका सामने आ चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा राजनैतिक दल कही जाने वाली भाजपा का पूरा प्रचारतंत्र एक ही चेहरे के ईर्द-गिर्द बुना हुआ है- मोदी के। दो कार्यकाल के बावजूद मोदी के पास विमर्श के नाम पर विपक्षियों को भ्रष्ट व परिवारवादी कहने के अतिरिक्त कुछ नहीं है। मोदी ने खुद ही 'ऑपरेशन लोटस' के नाम पर कई दागी नेताओं व राजनीतिज्ञों के वारिसानों को अपने कुनबे में 'चाणक्यगिरी के नाम पर' शामिल कर लिया है। उनके लिये दरी बिछाने का काम आज वे निष्ठावान कार्यकर्ता कर रहे हैं जिन्होंने वर्षों संघ-भाजपा की सेवा की है। दल में कंगना रनौत, हेमामालिनी, मनोज तिवारी जैसे लोगों को प्राथमिकता मिलती है ताकि कल को ऐसी पार्टी व संसद बने जहां हां में हां मिलाने वाले ही बैठे हों। जीत या हार दोनों ही सूरतों में मोदी-शाह निर्मित भाजपा कैसी होगी- यह खुद भाजपा तथा संघ समर्थकों को सोचना होगा। वे ऐसा ही चाहते हों तो कोई बात नहीं!

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिका

■ कल्याणी शंकर

क्या महिला मतदाता आगामी 2024 आम चुनाव का फैसला कर सकती हैं? उनके मतदाताओं की बढ़ती संख्या और अनुकूल कानून, जैसे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण, उन्हें एक महत्वपूर्ण वर्ग बनाते हैं। राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण वर्ग की महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा करने के लिए, वे विभिन्न लाभ की पेशकश कर रहे हैं।

एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, महिला मतदाताओं का उच्च मतदान 2024 के चुनावों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। रिपोर्ट का अनुमान है कि 2047 तक महिलाओं का मतदान प्रतिशत 55फीसदी तक पहुंच सकता है, जबकि पुरुषों का मतदान प्रतिशत घटकर 45फीसदी हो सकता है।

गौरतलब है कि भारत के संविधान के निर्माता बी.आर.अम्बेडकर ने एक बार कहा था कि – 'राजनीतिक शक्ति सभी सामाजिक प्रगति की कुंजी है।' यह कथन आज भी लागू है, क्योंकि महिलाएं तब तक न्याय पाने की उम्मीद नहीं कर सकतीं जब तक कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी न हो।

भारत में महिलाएं लैंगिक पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए और अधिक उपायों की मांग कर रही हैं। पिछले सितंबर में संसद ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक पारित किया था। यह विधेयक संसद और राज्य विधानसभाओं में उनके लिए 33फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करता है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने विधेयक के पारित होने का श्रेय लिया। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, 'यह हमारा विधेयक है।' 2008 में सोनिया गांधी ने इसे उच्च सदन में पारित किया लेकिन लोकसभा में ऐसा करने में विफल रहीं। पिछले सितंबर में पीएम मोदी ने बड़े गर्व के साथ इस विधेयक को पेश किया और पहली बार संसद में इस विधेयक के आने के 27 साल बाद यह लगभग सर्वसम्मति से पास हो गया। जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया में देरी के कारण यह विधेयक चार साल बाद ही लागू हो पायेगा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से, भारत में केवल एक महिला प्रधानमंत्री और 15 महिला मुख्यमंत्री हुई हैं। हालांकि, 1950 के दशक के बाद से चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या सात गुना बढ़ गई है, और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 5फीसदी से बढ़कर 15फीसदी हो गया है।

विश्व स्तर पर स्थिति समान है। अंतर-संसदीय संघ के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 26फीसदी कानून निर्माता महिलाएं हैं। दूसरी ओर, रवांडा में 60फीसदी से अधिक सीटों पर महिलाओं का कब्जा है। 2008 में, रवांडा महिला-बहुमत संसद वाला पहला देश बन गया।

भारत में केवल 14फीसदी संसदीय सीटें महिलाओं के पास हैं। लोकसभा और राज्यसभा में क्रमश: 78 और 24 महिला सदस्य हैं। संसद के निचले सदन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में भारत 193 देशों में 149वें स्थान पर है। इसके अलावा, भारत के प्रत्येक राज्य में 16फीसदी से कम विधायक महिलाएं हैं।

भारत में एक महत्वपूर्ण उपाय 1993 में किया गया तथा पंचायत की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी गई थीं, जिसे अब अधिकांश राज्यों में 50प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। लगभग दस लाख महिलाएं जमीनी स्तर पर सरपंच के रूप में कार्य करती हैं। ये सरपंच अपने स्थूल अनुभव के बल पर उन्नति की सीढ़ियां चढ़ सकेंगी।

आगामी आम चुनाव में 96.88 करोड़ मतदाता होंगे, जिनमें 47 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 2.63 करोड़ नये मतदाताओं में से 1.41 करोड़ महिलाएं हैं। केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में अधिक महिलाओं ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया है।

महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बावजूद राजनीति में महिलाओं की भागीदारी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। जबकि राजनीतिक दलों ने विधेयक का समर्थन किया, उन्होंने हाल के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को अपने टिकटों का केवल एक छोटा सा प्रतिशत आवंटित किया, आमतौर पर 10-15प्रतिशत। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए, भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों में 421 उम्मीदवारों में से महिलाओं को केवल 67 टिकट दिये। हालांकि, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल जैसे कुछ मुख्यमंत्रियों ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लाभों को पहचाना है।

लैंगिक भेदभाव को दूर करने के लिए, पार्टियों को महिला सशक्तीकरण के लिए अधिक महिला नेताओं और उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की जरूरत है। हालांकि, कुछ लोगों का तर्क है कि यदि महिलाएं ज्ञात राजनीतिक परिवारों से आती हैं तो वे जीतती हैं। कई नेता उम्मीदवारों को चुनने के लिए अपने परिवार से आगे नहीं देखते हैं। यह समझना जरूरी है कि सभी महिलाएं महिला उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगी।

राजनीतिक दलों को मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रोत्साहनों पर निर्भर रहने के बजाय महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कई पार्टियां महिला मतदाताओं को प्रोत्साहन तो देती हैं लेकिन अपनी उम्मीदवार सूची में महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व नहीं देतीं। महिला आरक्षण कानून के अनुसार पार्टियों को अपने टिकटों का कम से कम एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित करना चाहिए।

राजनीतिक दलों को मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रोत्साहनों पर निर्भर रहने के बजाय महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कई पार्टियां महिला मतदाताओं को प्रोत्साहन तो देती हैं लेकिन अपनी उम्मीदवार सूची में महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व नहीं देतीं। महिला आरक्षण कानून के अनुसार पार्टियों को अपने टिकटों का कम से कम एक तिहाई हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पार्टियों को राजनीतिक राजवंशों को दिये जाने वाले तरजीही व्यवहार को हतोत्साहित करना चाहिए।

भारतीय राजनीतिक दल विभिन्न योजनाओं और लाभों के साथ महिला मतदाताओं को लक्षित कर रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और 2,000 रुपये नकद प्रोत्साहन राशि दिया है। हिमाचल प्रदेश में 18-60 वर्ष की महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक दिया जाना है। दिल्ली की 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' भी 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक प्रदान करेगी। पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने पारिश्रमिक बढ़ोतरी की घोषणा की है। आप और कांग्रेस 1,000 रुपये मासिक भुगतान करने और गरीब महिलाओं को 1 लाख रुपये सालाना भत्ता देने की घोषणा की है।

महिलाओं के प्रति राजनीतिक जवाबदेही निर्णय लेने में लिंग संतुलन हासिल करने, राजनीतिक दलों में महिलाओं की अधिक महत्वपूर्ण उपस्थिति और प्रभाव को बढ़ावा देने और पार्टी नीतियों और प्लेटफार्मों में लैंगिक समानता के मुद्दों को आगे बढ़ाने से शुरू होती है। इन सबके लिए शिक्षा भी जरूरी है।

हमें ऐसे शासन सुधारों की आवश्यकता है जो लैंगिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील हों। इससे निर्वाचित अधिकारी अधिक प्रतिक्रियाशील हो सकेंगे।

पावन प्रसंग

सद्गुण का पुरस्कार है सम्मान

यश और सम्मान प्राप्त करने की अभिलाथा प्रत्येक मनुष्य को होती है, किंतु जिन कार्यों से सम्मान मिलना संभव होता है, उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी व्यक्तियों को बहुत प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता है और सम्मान बढ़ता है, उसे बढ़ाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी ही रहेगी। उचित योग्यता के अभाव में भला किसी को सम्मान मिला भी है? मनुष्य की बड़ी इच्छा होती है कि वह प्रधानमंत्री बन जाए। सेनापति या कोई वरिष्ठ पद पाने की कामना तो बहुत लोग करते हैं,पर राज्य संचालन, सैन्य व्यवस्था की उचित योग्यता न हुई तो यह अधिकार कैसे मिल सकेंगे? संयोगवश यदि मिल भी जाए ता तो बंदर के हाथ में तलवार के समान आफतों को बुलावा देना ही होगा। इस तरह मिला सम्मान दुख-क्लेश और अशांति ही दे सकता है, उससे मनुष्य की आकांक्षा किसी भी तरह पूरी नहीं होती।

आप यदि यह चाहते हैं कि आप सम्मानित व्यक्ति ठहराए जाएं, आपकी प्रशंसा हो, सभी आपको आदर दें, तो आदरणीय पुरुषों की विशेषताओं का आपको अध्ययन करना होगा। जिन गुणों के आधार पर लोग आदर के पात्र गिने जाते हैं, उनका अनुसरण करेंगे तो आपका गौरव भी जाग्रत होगा और बड़प्पन मिलेगा किंतु आप यदि बाहरी ताम-झाम के द्वारा लोगों को भ्रम में डालकर सम्मान प्राप्त करने की कामना करेंगे, तो महंगा मोल चुका कर भी आपके हाथ कुछ न आएगा। गुणों का विकास करने में प्रयत्नशील हों तो संदेह नहीं आप सम्मान प्राप्त करेंगे। लोग गुणों की पूजा करते हैं, व्यक्ति की नहीं। सच्चाई को सिर झुकाते हैं, बनावट को नहीं। टेसू का फूल देखने में बड़ा आकर्षक होता है, किंतु लोग गुलाब की सुवास को अधिक पसंद करते हैं। आप में सद्गुण का विकास हो तो आप अवश्य ही प्रशंसा के पात्र हैं। गुणों की मात्रा उतनी बढ़ती है, जितनी मनुष्य की योग्यता विकसित होती है, उसी अनुपात में लोग उधर आकर्षित होते हैं। अच्छा काम करने वालों की सर्वत्र प्रशंसा होती है। विद्वान सिसरो का कथन है- 'सम्मान सद्गुण का पुरस्कार है।' यह बात अक्षरश: सत्य है कि सच्चा सम्मान गुणवान को ही प्राप्त होता है।

आपके किसी एक गुण का विकास सामान्य श्रेणी के व्यक्तियों से जितना अधिक होगा, उतना ही आपको अधिक यश मिलेगा। कर्ण के युग में दान देने की परम्परा सामान्य थी, किंतु यह प्रवृत्ति कर्ण में विलक्षणता लिए हुए थी। दान की परम्परा में वह श्रेष्ठतम प्रमाण बना इसलिए उसे 'दानवीर' कहलाने का सौभाग्य मिल सका। माता-पिता के प्रति आदर और सम्मान की भावनाएं अधिकांश लोगों में होती हैं। लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार उनकी सेवा शुश्रूषा भी करते हैं, किंतु श्रवण कुमार की पितृभक्ति पराकाष्ठा का स्पर्श करने लगी थी, इसलिए उसे सर्वोच्च ख्याति मिली। सद्गुणों के प्रति निष्ठावान होने से ही सर्वोपरि सम्मान मिलता है।

यों मानवता के प्रति उत्सर्ग की भावना कुछ न कुछ सभी में होती है। अपनी-अपनी सामर्थ्य और योग्यता के अनुसार लोग इस आध्यात्मिक सद्गुण को अपनाते भी हैं, किंतु देवत्व की स्थापना में अपने आपको जीवित होम कर देने के कारण जो बड़प्पन, गौरव और उच्च पद महर्षि दधीचि को मिल गया, वह अन्य किसी को नहीं। यश की साधना में किसी एक सद्गुण पर पूर्ण रूप से निष्ठावान होना पड़ता है। आजीवन ब्रह्मचारी भीष्म पितामह, परमभक्त हनुमान, महासती अनुसुइया, तपस्वी दुर्वासा, सत्यवादी हरिश्चन्द्र अपने विशिष्ट गुणों के कारण ही उच्चतम सम्मान पाने के अधिकारी बन सके थे। गुणों की विशिष्टता के कारण ही पूज्य पद प्राप्त होते आए हैं। .यह सनातन नियम आगे भी इसी तरह चलता रहेगा। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा सच्चा उपाय है और वह है- सबके प्रति शुभ अभिलाषा का भाव। किसी के प्रति बैर- भाव, ईर्ष्या-द्वेष और प्रतिशोध की भावना न रखना, सबके साथ मिलकर प्रेम, न्याय, दया, सहज ही में प्राप्त हो जाती है।

सम्मान प्राप्ति की आध्यात्मिक भूख को बुझाने के लिए हमें अपनी श्रेष्ठताएं और विशेषताएं निरंतर बढ़ानी चाहिए। अपना चरित्र अपेक्षाकृत अधिक उज्जवल बनाने के लिए और जनहित के लिए अधिक त्याग कारने का आवश्यक साहस संचय करना चाहिए। उत्कृष्टता के मूल्य पर ही कोई व्यक्ति जनसाधारण की श्रद्धा का पात्र बन सकता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

मानवीय शक्ति और प्राकृतिक संसाधन, विकास और प्रगति के पहिए

जब भी हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई-नई तकनीक ट्रैक्टर, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनियों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल-कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी-नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे-मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग-धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने, महानगर बने, मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली, पक्षी, जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध क्रांकीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची-ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक-युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषमताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों, नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम,थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टियां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है-जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना। पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

वियतनाम में एक फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, एक व्यक्ति की मौत, दो गंभीर

हनोई। वियतनाम के उत्तरी प्रांत बाक निन्ह में एक पेपर फैक्ट्री में मंगलवार को हुए भीषण विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। विस्फोट सुबह करीब 10:30 बजे फु लाम औद्योगिक क्षेत्र स्थित हंग लोई पेपर ज्वाइंट स्टॉक कंपनी में तब हुआ जब कर्मचारी मशीनों की मरम्मत कर रहे थे। इस हादसे में एक कर्मचारी (31) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

मिस्र, जॉर्डन व फ्रांस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम का किया आग्रह

काहिरा, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मिस्र, जॉर्डन और फ्रांस ने गाजा पट्टी में तत्काल युद्धविराम का आग्रह किया है, जहां छह महीने से इजराइली बमबारी जारी है।

शिन्हुआ ने बताया कि एक संयुक्त बयान में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2728 को तत्काल और बिना शर्त लागू करने का आह्वान किया। इसमें गाजा में तत्काल युद्धविराम की बात कही गई है। नेताओं ने कहा कि हम राफा पर इजराइली हमले के खतरनाक परिणामों के खिलाफ चेतावनी देते हैं, जहां 1.5 मिलियन से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों ने शरण ले रखी है। इस तरह के हमले से केवल और अधिक मौतें और पीड़ा होगी। इससे क्षेत्रीय तनाव बढ़ने का भी खतरा है।

नेताओं ने इजराइल से

हम राफा पर इजराइली हमले के खतरनाक परिणामों के खिलाफ चेतावनी देते हैं, जहां 1.5 मिलियन से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों ने शरण ले रखी है

फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का भी आग्रह किया। उन्होंने सभी बंधकों की तत्काल रिहाई की मांग की और युद्धविराम, बंधकों व बंदियों के मुद्दों से निपटने के लिए मिस्र, कतर और संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में हो रही वार्ता का समर्थन किया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी सूचना के मुताबिक इजराइली हमले में गाजा में अब तक 33,207 फिलिस्तीनी मारे गए और 75,933 लोग घायल हुए हैं।

इजरायल अन्य तुर्की वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाएगा

तेल अवीव। तुर्की द्वारा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने के जवाब में इजरायल कई अन्य तुर्की आयातित वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के लिये एक सूची तैयार करेगा और अमेरिका से अंकारा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहेगा। इजरायल विदेश मंत्री ने मंगलवार को बताया कि इससे पहले दिन, तुर्की ने गाजा पट्टी में इजरायल को मोटर तेल और हवाई ईंधन के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय के आर्थिक विभाग को उन उत्पादों की एक विस्तृत सूची तैयार करने का निर्देश दिया, जिन्हें तुर्की इजरायल को निर्यात नहीं कर पाएगा।

मैक्सिको के दूतावास में गिरफ्तार इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति अस्पताल में भर्ती

क्विंटो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। मैक्सिको के दूतावास पर पुलिस कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को जेल से गुआयाकिल शहर के एक सैन्य अस्पताल में भर्ती किया गया। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। टेलीअमेज़ोनस ब्रॉडकास्टर ने बताया कि श्री ग्लास कथित रूप से कोमा में है। प्रसारक के मुताबिक यह स्थिति दर्दनाशक या अवसादरोधी दवाओं का ज्यादा सेवन करने के कारण हो सकती है।

बाद में, प्रिमिसियस समाचार पोर्टल ने बताया कि श्री ग्लास स्थिर स्थिति में है। वहीं, विपक्षी सिटीजन रिवोल्यूशन मूवमेंट पार्टी के एक सूत्र ने स्पूतनिक को बताया कि इक्वाडोर की सरकार ने श्री ग्लास के ठिकाने या उनकी स्थिति का खुलासा नहीं किया है। सूत्र ने कहा कि कोई भी नहीं, यहां तक कि उनके भाई भी नहीं जानते हैं कि वह कहां हैं; ऐसा लगता है कि वह नौसेना अस्पताल में हैं, लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की है। पिचिंचा रेडियो ने बताया कि श्री ग्लास अगले कुछ घंटों में जेल लौट जाएंगे। उसने बताया कि उनकी स्वास्थ्य समस्याएं रीढ़ की हड्डी में गंभीर दर्द से राहत के लिए एनेस्थेटिक्स लेने के कारण हो सकती हैं।

सुडोकू 6520

	7				3	5		
							1	
2				1	5			9
5				2	8			1
		8				2		
1			9	7				3
7			1	5				6
	2							
		4	2				8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 10 अप्रैल, 2024 चैत शुक्ल पक्ष 2

राशिफल

मेष - आज आपके सभी काम में उत्साह और उमंग छलकता हुआ प्रतीत होगा। तन-मन में स्फूर्ति और ताज़गी का अनुभव होगा। पारिवारिक वातावरण खुशहाल रहेगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ आनंद में समय व्यतीत होगा।

वृषभ - आज आपको सावधानीपूर्वक रहने की जरूरत है। आपका मन अनेक प्रकार की चिंताओं से घिरा रहेगा। स्वास्थ्य भी नरम-गरम रहेगा। विशेष रूप से आंख में तकलीफ होगी।

मिथुन - आपके परिवार में सुख- शांति बनी रहेगी। व्यापार या नौकरी में लाभ हो सकेगा। उच्च अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे। विवाह के इच्छुक लोगों के विवाह की संभावना है। मित्रों से लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

कर्क - नौकरी व्यवसाय के क्षेत्र में उच्च पदाधिकारियों के प्रोत्साहन से आपका उत्साह दुगुना होगा। वेतन वृद्धि या पदोन्नति की सूचना मिल सकती है। माता तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अधिक निकटता रहेगी।

सिंह - आलस और थकान आपके कार्य करने की गति कम कर देंगे। पेट संबंधी शिकायत से अस्वस्थता का अनुभव होगा। नौकरी व्यवसाय में विघ्न उत्पन्न हो सकता है। उच्च अधिकारियों से आज दूर रहने में ही भलाई है।

कन्या - आज नए काम की शुरुआत न करें। क्रोध और वाणी पर संयम रखना आवश्यक होगा। बाहरी खाद्य पदार्थ खाने से तबीयत खराब होने की संभावना है। उनका सेवन न करें।

तुला - आज का दिन आप का मन दोस्तों और स्नेहीजनों के साथ खान-पान, सैर-सपाटे एवं प्रेम सम्बंधों की वजह से प्रफुल्लित रहेगा। पर्यटन के योग हैं। आज मनोरंजन के साधनों और वस्त्र आदि की खरीदी पर धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक - आप का पारिवारिक वातावरण आनंद और उल्लास से लबालब रहेगा। मन में स्फूर्ति का संचार होगा। विरोधी एवं दोस्त के वेश में छिपे शत्रु अपने प्रयासों में असफल रहेंगे। दफ्तर में सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

धनु - यात्रा- प्रवास का आयोजन स्थगित रखें। कार्य निष्फलता से हताशा हो सकती है। इससे आपको क्रोध होगा। क्रोध को नियंत्रण रखने से बात अधिक नहीं बिगड़ेगी। पेट संबंधी बीमारियों से परेशानी होगी।

मकर - ताजगी एवं स्फूर्ति के अभाव से अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन में चिंता की भावना रहेगी। परिवार के सदस्यों के साथ अनबन या तकरार होने से मन में खिन्नता रहेगी। समय से भोजन और अच्छी नींद से वंचित रहना पड़ेगा।

कुंभ - आज आप चिंता से राहत महसूस करेंगे। आपका उत्साह बढ़ेगा। आपको मित्रों और सगे- सम्बंधियों से लाभ हो सकता है। किसी मुलाकात अथवा प्रवास में मित्रों और स्नेहियों के साथ आनंद मना सकेंगे।

मीन - आज आपको अपनी वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। क्रोध के कारण किसी के साथ तकरार या मनमुटाव होने की संभावना है। शारीरिक कष्ट का अनुभव होगा। विशेष रूप से आंख का ध्यान रखें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

इंडोनेशिया में 6.0 तीव्रता का आया भूकंप

जकार्ता, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत पश्चिमी पापुआ में मंगलवार को 6.0 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन सुनामी की चेतावनी नहीं दी गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वहां की जियोफिजिक्स एजेंसी ने शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 6.1 बताई थी लेकिन फिर बाद में इसे संशोधित किया। एजेंसी ने कहा, भूकंप जकार्ता के समय के अनुसार मंगलवार सुबह 07.02 बजे आया, जिसका केंद्र रानसिकी शहर से 46 किमी दक्षिणपूर्व में और समुद्र तल से 11 किमी की गहराई में स्थित था। इसमें कहा गया है कि भूकंप के झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है। भूकंप के झटकों से लहरें नहीं उठेंगी। इंडोनेशिया एक द्वीपसमूह देश है जो रिंग ऑफ फायर के साथ स्थित है, इस कारण यहां भूकंप का खतरा बना रहता है।

अमेरिका में लापता हैदराबाद का छात्र पाया गया मृत

हैदराबाद, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले माह से लापता हैदराबाद का 25 वर्षीय छात्र अमेरिकी शहर क्लीवलैंड में मृत पाया गया। हैदराबाद के पास नाचराम निवासी मोहम्मद अब्दुल अरफ़ात ओहायो के क्लीवलैंड विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहा था। वह सात मार्च से परिवार के संपर्क में नहीं था। यहां उसके परिवार को फिरौती के लिए फोन आया था। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि मोहम्मद अब्दुल क्लीवलैंड, ओहियो में मृत पाए गए। मोहम्मद अरफ़ात के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। मोहम्मद अब्दुल अरफ़ात की मौत की जांच सुनिश्चित करने के लिए वाणिज्य दूतावास स्थानीय एजेंसियों के संपर्क में है। दूतावास ने कहा कि हम उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता दे रहे हैं। 21 मार्च को,

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पोस्ट किया कि वह लापता हुए अरफ़ात के परिवार और अमेरिका में

हम उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता दे रहे हैं : दूतावास

अधिकारियों के संपर्क में है और उसे जल्द से जल्द ढूंढने के लिए स्थानीय एजेंसियों के साथ काम कर रहा है। हैदराबाद के पास मल्काजगिरी जिले में रहने वाले अरफ़ात के परिवार को एक अज्ञात शख्स का फोन आया था। उसने दावा किया था कि अरफ़ात का ड्रग्स बेचने वाले एक गिरोह ने अपहरण कर लिया है और उसे रिहा करने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर की मांग की।

अरफ़ात के पिता मोहम्मद सलीम ने कहा कि उन्हें 17 मार्च को फोन आया था। फोन करने वाले ने फिरौती नहीं देने पर अरफ़ात की किडनी बेचने की धमकी दी थी। अरफ़ात मई 2023 में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी में मास्टर्स करने के लिए अमेरिका गया था। उसके परिवार का कहना है कि उसने सात मार्च के बाद से उनसे बात नहीं की।सलीम को फिरौती का फोन आने के बाद उन्होंने मामले की जानकारी अमेरिका में अपने रिश्तेदारों को दी। उन्होंने क्लीवलैंड पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। परिवार ने अरफ़ात का पता लगाने में मदद के लिए 18 मार्च को शिकागो में भारतीय वाणिज्य दूतावास को पत्र लिखा था।सलीम ने अपने बेटे को ढूंढने में मदद के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी गुहार लगाई थी।

पाकिस्तान उच्चायोग ने बैसाखी के लिए भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 2,843 वीजा जारी किए

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान उच्चायोग ने वार्षिक बैसाखी उत्सव में हिस्सा लेने के लिए भारत के सिख तीर्थयात्रियों को कुल 2,843 वीजा जारी किए हैं। बैसाखी उत्सव 13 अप्रैल को मनाया जाएगा। यह त्योहार सिख समुदाय के लिए सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखता है, क्योंकि यह सिख नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के

बावजूद भारतीय तीर्थयात्रियों की बैसाखी के लिए पाकिस्तान में सिख पवित्र गुरुद्वारों में जाने की परंपरा जारी है। तीर्थयात्री गुरुद्वारा पंजा साहिब, गुरुद्वारा ननकाना साहिब और गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जाएंगे। विरासत और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर जोर देते हुए यह कदम दो गैर-मैत्रीपूर्ण दक्षिण-एशियाई पड़ोसियों के बीच राजनीतिक विभाजन को पार करता है। हर साल, धार्मिक तीर्थस्थलों की यात्रा पर 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल के तहत भारत से बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान जाते हैं। पाकिस्तान के प्रभारी डी अफेयर्स साद अहमद वाराइच ने इस शुभ त्योहार को मनाने वाले सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सफल यात्रा की कामना की।

चौबीस घंटे में यूक्रेन के 480 से अधिक सैनिक मारे गए : रूस

मॉस्को, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन के पिछले 24 घंटों में 480 से अधिक सैनिक मारे गये हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह दावा किया। रूस और यूक्रेन के बीच 25 महीने से अधिक समय से सशस्त्र संघर्ष चल रहा हैं। मंत्रालय ने दावा किया कि रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के क्षेत्र अवदीवका की तरफ 11 जवाबी हमले किये हैं और डोनेट्स्क की दिशा में चार जवाबी हमले किये हैं। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों के 480 से अधिक सैन्य कर्मी मारे गये हैं और सात वाहनों, एक पोलैंड-निर्मित 155-मिलीमीटर क्रैब स्व-चालित तोपखाने माउंट, एक यूके-निर्मित 105-मिलीमीटर स्19 बंदूक, एक 152-मिलीमीटर मस्टा-बी होवित्जर, एक 122-मिलीमीटर,ग्वोज्डिका स्व-चालित तोप, एक 122-मिलीमीटर डी-30 होवित्जर और 100-मिलीमीटर रैपियर एंटी-टैंक बंदूक नष्ट हुये हैं। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यूक्रेन ने अवदीवका की तरफ 240 सैनिक और दक्षिण डोनेट्स्क में 110 सैनिक मारे गये हैं।

वर्ग पहेली 6520

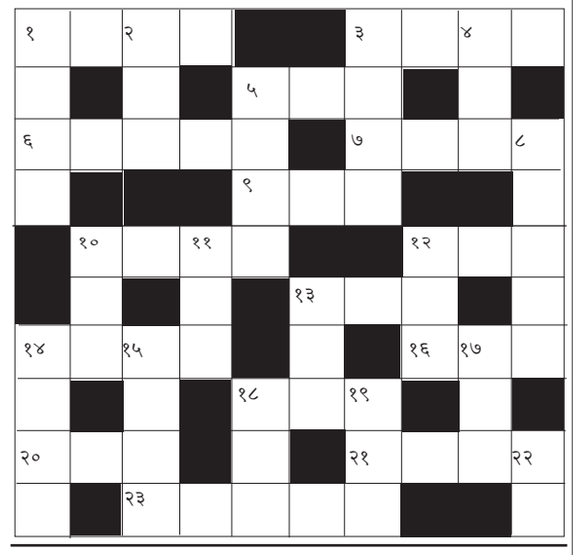

बायें से दायें:-

१. विष्णु की माला, झंडा, विजय माला
३. पारा
५. रचना, बनाना, उत्पादन
६. सूर्यपुत्री, यमुना
७. मूर्ख, नादान, अविवेकी (उर्दू)
९. सहायता (उर्दू)
१०. झूठा हुआ, गिरा हुआ, पिछड़ा हुआ, विनीत
१२. पाचनशक्ति (उर्दू)
१३. कोमल, नरम
१४. बूढ़ा आदमी
१६. देखना, एकटक देखना
१८. शीतल और मंद वायू
२०. राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को शाप देकर भस्म कर देने वाले एक मुनि, भूरा, बादामी
२१. बुद्धिमानी
२३. अंधकार को दूर करने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. पृथ्वी और यमलोक के बीच एक पौराणिक नदी
२. यंत्रयोग से बंधा हुआ, ताला लगाया हुआ, जकड़ी या बंद किया हुआ
३. युद्धभूमि में होने वाली आवाज
४. चार दिशाओं में से एक
५. धन, सुख, स्वादिष्ट भोजन, ईश्वर की देन (उर्दू)
८. बेकार काम करना, वक्त बर्बाद करना (मुहावरा)
१०. अपवित्र, नापाक
११. कमल
१२. स्थिति, दशा (उर्दू)
१३. शिकार आखेट
१४. वर्षा करने वाला, मेघ
१५. अज्ञानता (उर्दू)
१७. भैंस का नर बच्चा
१८. वृद्धि करना
१९. रचनाकार
२२. गन्ना

वर्ग पहेली-6519

१ स	वं	२ मं	ग	३ ला		४ म	नो	५ ब	ल
ह		ग		६ क्षा	री	य		ढ़	
७ पा	ग	ल		भ		८ खा	मि	या	९ जा
ठी		का		१० व	र	ना			फ
	११ चि	ल	१२ त	न			१३ अं	त	रा
	रां		दि			१४ बे	हू	दा		न
१५ अ	ध	१६ म	रा			व		१७ ज	१८ रा	
नि		क		१९ र	क्त	२० प		जि		
२१ वा	जि	ब		ह		२२ ह	र	का	२३ रा	
र्य		२४ रा	ज	म	ह	ल			ज	

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1824-भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों में से एक राम सिंह पठानिया का जन्म।
1825-हवाई में पहला होटल खोला गया।
1868-इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवॉड्रोज़ द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ़ दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए।
1875-स्वामी दयानंद सरस्वती ने मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की।
1889-रामचंद्र चटर्जी गर्म गुब्बारे में उड़ान भरने वाले पहले भारतीय बने।
1894-भारत के उद्योगपति, स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी तथा बिड़ला परिवार के एक प्रभावशाली सदस्य घनश्यामदास बिड़ला का जन्म।
1909-भारतीय वैज्ञानिक नौतम भट्ट का जन्म।
1917-महात्मा गाँधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को %चंपारण सत्याग्रह% की शुरुआत की।
1928-परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर धनसिंह थापा का जन्म।
1988-महान सेटो ब्रिज जापान में यातायात के लिए खोला गया।
1995-भारत के एक स्वाधीनता सेनानी और छठे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का निधन।
1998-उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।
1999-भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष औद्योगिक संघों ने भारत-पाकिस्तान चैम्बर्स ऑफ कामर्स का विधिवत गठन किया।
2000-पाकिस्तान को निर्गुट संगठन से निकालने का भारत का प्रस्ताव गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में मंजूर।
2001-भारत व ईरान के बीच तेहरान घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।
2002-15 सालों में पहली बार एलटीटीई के सुप्रीमो वी. प्रभाकरण ने प्रेस कांफ्रेंस में भाग लिया।
2003-इराक पर अमेरिका का कब्ज़ा।
2005-महिला क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने 98 रन से भारत को हराया।
2007-अमेरिका के चार्ल्स सिमोनी अंतरिक्ष में पर्यटन के लिए पहुँचे।

सफलता *हमले में किसी को कोई क्षति नहीं पहुंची*

इजरायल ने युद्ध में की सी-डोम नौसैनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की शुरुआत

यरुशलेम, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मंगलवार को कहा कि अकाबा की खाड़ी में स्थित एलाट शहर के क्षेत्र में नयी सी-डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली के उपयोग से पहली बार दुश्मन के लक्ष्य को रोका गया है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि एक शत्रु विमान की घुसपैठ के संबंध में एलाट के क्षेत्र में बजने वाले सायरन के बाद आईडीएफ नौसेना बलों ने इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले एक संदिग्ध हवाई लक्ष्य की पहचान की।

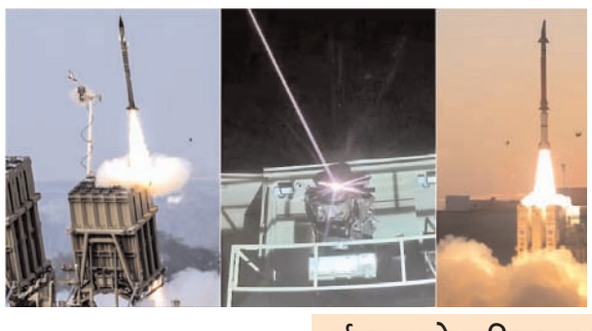

इजरायल ने युद्ध में की सी-डोम नौसैनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की शुरुआत लक्ष्य को 'सी-डोम' नौसैनिक रक्षा प्रणाली द्वारा सफलतापूर्वक रोक दिया गया था। बयान में कहा गया है कि हमले में किसी को कोई क्षति नहीं पहुंची। इससे पहले मई 2023 में इजरायली रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सी-डोम नामक आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली के समुद्र-आधारित संस्करण का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया। सार-6 मैगन कार्वेट पर तैनात सी-डोम प्रणाली आयरन डोम प्रणाली पर आधारित है और इजरायल की स्तरित वायु और मिसाइल रक्षा प्रणाली की एक अतिरिक्त परत का प्रतिनिधित्व करती है।

ईरान ने दश्मिक में इजरायली हमले के बाद नया वाणिज्य दूतावास खोला

दमिश्क। ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लहियन ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में पिछले हफ्ते इजरायली हमले के बाद सोमवार को नये वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन किया। श्री अब्दुल्लहियन, सीरिया के विदेश मंत्री फैसल मेकदाद के साथ नए वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यह भवन पिछली इमारत के बगल में स्थित है जिसे कुछ दिन पहले इजरायली मिसाइल हमले द्वारा ध्वस्त कर दिया गया। श्री अब्दुल्लहियन एक अप्रैल को ईरानी वाणिज्य दूतावास पर इजरायली हमले के बाद देश की अपनी पहली यात्रा के लिए दमिश्क पहुंचे।

दुनिया को जानें

उत्तर अमेरिका में भरपूर उत्साह के साथ देखा गया पूर्ण सूर्य ग्रहण

लॉस एंजिलिस, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर अमेरिका में सोमवार को पूर्ण सूर्यग्रहण लगा, जिसे देखने और खुशियां मनाने के लिए स्थानीय लोग और आगंतुक विभिन्न स्थानों पर एकत्रित हुए। पूर्ण सूर्य ग्रहण को उत्तर अमेरिका में लंबे पथ के कारण 'ग्रेट अमेरिकन एक्लिप्स' का नाम दिया गया। यह मैक्सिको, 15 अमेरिकी राज्यों और पूर्वी कनाडा के कुछ हिस्सों में दिखाई दिया। मैक्सिकों के मजाटलान शहर में सबसे पहले पूर्ण सूर्य ग्रहण सोमवार को प्रशांत महासागर के ऊपर देखा गया। पूर्ण सूर्य ग्रहण की शुरुआत प्रशांत समय सुबह 11: 07 बजे मजाटलान में हुई और चार मिनट से थोड़ा ज्यादा समय तक चली। नासा के अनुसार, ग्रहण का पथ मेक्सिको से होकर अमेरिका के टेक्सास होते हुए ओक्लाहोमा, अर्कांसस, मिसौरी, इलिनोइस, केंटुकी, इंडियाना, ओहियो, पेंसिल्वेनिया, न्यूयॉर्क, वरमोंट, न्यू हैम्पशायर और मैने पहुंचा। टेनेसी और मिशिगन के छोटे हिस्से में भी पूर्ण सूर्य ग्रहण देखा गया। नासा के लाइव प्रसारण के अनुसार, मैने राज्य के शहर पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखने वाले अंतिम स्थान रहे। विभिन्न स्थानों पर भीड़ ने उत्साह और कोलाहल के साथ इस दृश्य को देखा कि कैसे चंद्रमा ने सूर्य को छिपा दिया है।

प्रादेशिकी

नवरात्र शुरू, पहले दिन पूजी गई शैलपुत्री

देहरादून। मंगलवार से नवरात्र आरंभ हो गए है। सबसे पहले आज शैलपुत्री का विधिविधान के साथ पूजन किया गया। नवरात्र के लिए राजधानी देहरादून के मंदिरों में भव्य सजावट की गई है। शहर के मां डाट काली मंदिर, मां कालिका मंदिर सहित दून के मंदिरों में भक्त पहुंचे। वही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी हिन्दू नववर्ष एवं चौत्र नवरात्र के पावन अवसर पर अपने आवास पर मां आदिशक्ति भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शक्तिस्वरूपा जगतजननी देवी मां से समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं राज्य की उन्नति के लिए प्रार्थना की। मंगलवार से नवरात्र की शुरुआत हो गई है। मंदिरों और घरों में माता रानी का दरबार सजाया गया। उत्तराखंड के कुछ खास देवी मंदिरों में सुबह से भक्तों की तांता लगा है। शुभ मुहूर्त में घरों और मंदिरों में कलश स्थापना की गई। चार घंटे का मुहूर्त है। भक्तों ने मंदिरों के साथ घरों में विशेष तैयारी कर मां के दरबार को भव्य रूप से सजाया है। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा हुई।

भाजपा सरकार कर रही नागरिकों में भेद-भाव उत्पन्न : हरीश रावत

रुड़की, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नागरिकों में जाति धर्म भेदभाव उत्पन्न कर देश में लगातार अराजक माहोल पैदा करने का प्रयास कर रही है। यह राजनीतिक दल देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पर देश की जनता काफी होशयार है। वो भाजपा के मंसूबों को कभी कामयाब नही होने देगी।

कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत के साथ उनके पिता और पूर्व सीएम हरीश रावत ने शहर के विभिन्न मोहल्लों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा झूठ की राजनीति करने की माहिर है। लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना भाजपा के लिए छोटी मोटी बात है। हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वायदा करने वाली भाजपा सरकार बताए कि 10 करोड़ रोजगार पाने वाले युवा कहां हैं। जुमलेबाजी में भाजपा वालों को महारत हासिल है। बीटीगंज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि देश की जनता समझ चुकी है कि भाजपा सीबीआइ और ईडी का डर दिखकर देश के लोकतंत्र को समाप्त कर देना चाहती है। देश के अंदर तानाशाही चल रही है। या तो भाजपा की बात सुनें यदि किसी ने विरोध किया तो उसके खिलाफ तमाम संवैधानिक संस्थाओं को लगा देते हैं।पूरे देश में एक अराजकता का माहौल पैदा कर दिया है। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत ने कहा कि अब भाजपा के अच्छे दिन जाने वाले हैं। जनता समझ चुकी है कि 10 साल से यह सरकार धोखा देने का काम कर रही है। इस मौके पर सचिन गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, विकास त्यागी, सुभाष सैनी, विधायक ममता राकेश आदि मौजूद रहे।

हिमाचल के चारों लोकसभा सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों के नाम लगभग फाइनल

कांगड़ा से आशा कुमारी, मंडी से विक्रमादित्य, हमीरपुर से रायजादा और शिमला से विनोद सुल्तानपुरी होंगे उम्मीदवार, 13 को लगेगी मुहर

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोक सभा के चुनावी महासमर में मौजूदा विधायकों को उतार कर कांग्रेस भाजपा को चौंकाने की कोशिश में है। कांग्रेस के चुनावी रण के योद्धा के तौर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बाद अब कसौली से कांग्रेस विधायक विनोद सुल्तानपुरी का नाम भी सामने आया है। विनोद सुल्तानपुरी को शिमला संसदीय सीट से कांग्रेस उम्मीदवार हो सकते हैं। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यह खुलासा किया है। इससे पहले हमीरपुर से पूर्व विधायक सतपाल रायजादा को कांग्रेस उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कुटलैहड़ में खुलासा किया था। जाहिर है कि मंडी से विक्रमादित्य सिंह, शिमला से विनोद सुल्तानपुरी तथा हमीरपुर से सतपाल रायजादा कांग्रेस उम्मीदवार होंगे। प्रदेश की

■ मंडी से पार्टी प्रतिभा सिंह के स्थान पर विक्रमादित्य सिंह को चुनाव मैदान में उतारने को तैयार है

■ विनोद सुल्तानपुरी के पिता स्व. केडी सुल्तानपुरी शिमला संसदीय सीट से छह मर्तबा सांसद रहे थे

चौथी कांगड़ा संसदीय सीट से पूर्व मंत्री आशा कुमारी को कंग्रेस टिकट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अलबत्ता इस सीट से पूर्व विधायक जगजीवन पाल व संजय चौहान का नाम भी दावेदारों में है।

कांग्रेस ने लोक सभा के साथ साथ प्रदेश की छह विधान सभा सीटों को लेकर उम्मीदवारों का ऐलान अभी नहीं किया है। बताया जा रहा है कि 11 अप्रैल को दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद पार्टी बैसाखी के दिन 13 अप्रैल को उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। मगर इससे पहले विक्रमादित्य व विनोद सुल्तानपुरी व रायजादा के नाम साफ हो चुके हैं। दरअसल प्रदेश की चारों लोक सभा सीटों से भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा के बाद प्रत्याशियों के चयन को लेकर कांग्रेस ने रणनीति बदली है। बदली हुई रणनीति के तहत मंडी से पार्टी प्रतिभा सिंह के स्थान पर विक्रमादित्य सिंह को चुनाव मैदान में उतारने को तैयार है। इसकी वजह विक्रमादित्य सिंह की वाक पटुता पर साथ साथ मुद्दों की गहराई से उसकी पकड़ मानी जा रही है। साथ ही उनके पिता स्व. पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह व माता सांसद प्रतिभा सिंह का तीन-तीन मर्तबा मंडी से सांसद रहना भी है। कमोवेश यही स्थिति शिमला संसदीय सीट के मामले में भी है। शिमला से अमित नंदा व दयाल प्यारी को टिकट के दावेदारों में माना जा रहा था। मगर अब कांग्रेस ने कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी को उम्मीदवार घोषित करने की तैयारी कर ली है। विनोद सुल्तानपुरी के पिता स्व. केडी सुल्तानपुरी शिमला संसदीय सीट से छह मर्तबा सांसद रहे थे।

भाजपा पहले कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के मद्देनजर ही चुनावी रणनीति तय कर रही थी। मगर अब कांग्रेस द्वारा विधायकों को चुनावी रण में उतारने के बाद उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी। इसे लेकर भाजपा के थिंक टैंक ने विचार करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के समक्ष विधान सभा उप चुनाव में उम्मीदवारों के चयन की दिक्कत मानी जा रही है। इसकी वजह पार्टी के सत्ता में रहते हुए दावेदारों की संख्या अधिक होना तथा स्थापित नेताओं का बगावत के बाद भाजपा में शामिल हो जाना मानी जा रही है। साथ ही लाहौल स्पीति से

सार संक्षेप

निर्वाचन आयोग को खर्च का सही हिसाब नही दे रहे प्रत्याशी

देहरादून। लोकसभा चुनाव 2024 के मैदान में उतरे कई प्रत्याशी निर्वाचन आयोग को गुमराह करने का प्रयास कर रहे है और आयोग को खर्च का सही-सही हिसाब नहीं दे रहे है। ऐसा इसीलिए कहा जा रहा है कि क्योंकि प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार में अब तक जो खर्च दर्शाया है, वह निर्वाचन आयोग के बहीखाते से मेल नहीं खा रहा है।
लोकसभा चुनाव में एक प्रत्याशी 95 लाख रुपए से ज्यादा खर्च नहीं कर सकता है। यानी 95 लाख के अंदर ही एक प्रत्याशी को अपना चुनाव लड़ना है। प्रत्याशियों के खर्च पर नजर रखने के लिए निर्वाचन आयोग ने भी अलग-अलग टीमें गठित कर रखी है, जो प्रत्याशियों के खर्च को पूरा लेखा जोखा तैयार कर रही है, ताकी जब खर्चों के मिलन की बारी आए तो प्रत्याशियों को पूरा हिसाब गिनाया जा सके। इस क्रम में जब टिहरी गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के सभी प्रत्याशियों के खर्च का निर्वाचन आयोग की लेखा टीम के सर्वे रजिस्टर से मिलान कराया गया तो कुछ गड़बड़ियां सामने आई।

मोगा में अकाली व भाजपा के नेता 'आप' में शामिल

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेता मंगलवार को लोकसभा चुनाव से पहले अपनी पार्टियों को छोड़कर आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। मोगा से छह बार नगर निगम पार्षद और अकाली दल के जिला शहरी अध्यक्ष प्रेम चंद अपने कैडर के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ संजीव कुमार नरुला (जनरल सेक्रेटरी पंजाब अकाली दल), जलोर सिंह गिल (उपाध्यक्ष जिला मोगा अकाली दल), राजवीर सिंह अरोड़ा (उपाध्यक्ष जिला मोगा अकाली दल), मनोहर लाल (उपाध्यक्ष मोगा अकाली दल)) और कमलदीप बहल (अकाली दल) भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। भाजपा के हलका प्रभारी बाघापुराना और भाजपा पंजाब के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गुरमिंदरजीत सिंह बब्लू भी राज्य में लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आप पंजाब अध्यक्ष भगवंत सिंह मान ने सभी नेताओं का आम आदमी पार्टी में स्वागत किया और कहा कि उनके आने से फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र में पार्टी मजबूत होगी।

ढिल्लों ने युवाओं को मतदान के अधिकार के प्रति किया जागरूक

अमृतसर। बॉलीवुड एवं पंजाबी फिल्मों के अभिनेता बीनू ढिल्लों ने आज अटारी बॉर्डर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित मेगा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में युवाओं को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया। ढिल्लों ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में चुनाव एक महत्वपूर्ण कार्य है और हम सभी को चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

सुडोकू 6520 का हल

8	7	1	4	9	3	5	6	2
4	5	9	7	6	2	3	1	8
2	3	6	8	1	5	4	7	9
5	9	7	3	2	8	6	4	1
3	6	8	5	4	1	2	9	7
1	4	2	9	7	6	8	5	3
7	8	3	1	5	4	9	2	6
9	2	5	6	8	7	1	3	4
6	1	4	2	3	9	7	8	5

कांग्रेस ने कभी नहीं किया सैनिकों का सम्मान : मुख्यमंत्री

भाजपा पांचों सीटों पर बंपर जीत दर्ज करेगी

पौड़ी, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी देश के सैनिकों को सम्मान नहीं दिया है। कांग्रेस पर सैनिकों के अपमान करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जो वीर सपूत अपनी जान की बाजी लगाकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं उन्हें कांग्रेस के नेताओं द्वारा अपमानित करने का काम किया जाता रहा है। सीएम धामी मंगलवार को धुमाकोट क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी के समर्थन में चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि जनरल बिपिन रावत को गली का गुंडा बता कर उन्हें अपमानित किया गया। यह कांग्रेस के नेता हैं जो भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों के ठिकानों पर पाक में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांग रहे थे। उन्होंने कहा कि सेना जब किसी मिशन पर होती है तो लड़ने का काम करती है वीडियो बनाने का काम नहीं, वह कहते हैं कि वीडियो दिखाओ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो सैनिक सियाचिन और लद्दाख में माइनस डिग्री तापमान में अपनी सेवाएं देते हैं कांग्रेस ने उन्हें अपने 60 साल के शासन में कभी न अच्छे बूट दिए न जैकेट न हथियार। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा उनकी परेशानियां व हितों का ध्यान रखा है। सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन की व्यवस्था लागू करने से लेकर शहीदों के शवों को ससम्मान उनके गांवों तक पहुंचाने व उनका अंतिम संस्कार करने का काम बीजेपी ने किया है। अब उन्हें दुश्मनों की गोलियों का जवाब देने के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं होती है। अब हमारे जवान दुश्मन की गोलियों का जवाब गोलों से देते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस चुनाव में सभी पांचो सीटों पर बंपर जीत दर्ज करने जा रही है जनता ने 10 सालों में मोदी सरकार के विकास कार्यों को देख लिया है। उन्होंने लोगों से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी को भारी बहुमत से जिता कर सांसद में भेजने की अपील की।

भुट्टो को कुटो कहने पर आपत्ति जताई मामले की शिकायत निर्वाचन आयोग को

शिमला, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। कुटलैहड़ विधान सभा उप चुनाव में भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र कुमार भुट्टो को लेकर आई मुख्यमंत्री की टिप्पणी से पार्टी बिफर गई है। भाजपा ने कुटलैहड़ जनसभा में मुख्यमंत्री द्वारा अपने संबोधन में भुट्टो को कुटो कहने पर आपत्ति जताई है। साथ ही इस मामले की शिकायत निर्वाचन आयोग को की है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग के माध्यम से भाजपा ने निर्वाचन आयोग को शिकायत भेजी है। भाजपा ने आयोग से मुख्यमंत्री द्वारा पार्टी नेताओं के खिलाफ की जा रही अपमान जनक टिप्पणियों पर रोक लगाने की गुहार लगाई है। भाजपा के प्रमोद ठाकुर व करण नंदा ने मुख्यमंत्री के भुट्टो को कुटो बयान को लेकर दो शिकायतें निर्वाचन आयोग को भेजी हैं। करण नंदा ने अपनी शिकायत के साथ मुख्यमंत्री के भाषण के अंश भी संलग्न किए हैं। भाजपा नेताओं ने निर्वाचन आयोग को भेजी शिकायतों में मुख्यमंत्री के भुट्टो को कुटो वाले वक्तव्य को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उलंघन करार दिया है। इन नेताओं ने अपनी शिकायत में कहा कि मुख्यमंत्री ने बीते छह अप्रैल को कुटलैहड़ जनसभा में उप चुनाव में पार्टी उम्मीदवार देवेंद्र कुमार भुट्टो को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की।

चुनाव के दौरान गर्मी व लू के चलते शेड और पानी की हो व्यवस्था : पुरूषोत्तम

मतदान को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ली बैठक

देहरादून, 9 अप्रैल (देशबन्धु) मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम ने मतदान के दिवस पर मतदान कार्मिकों एवं मतदाताओं को मौसम खराब होने एवं लू से बचाव को लेकर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सम्बन्धित विभागों के साथ बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने मार्च से जून माह तक लू से बचाव के लिए दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं प्रथम चरण में हो रहे निर्वाचन को देखते हुए मैदानी जनपदों में लू से बचाव के लिए शहरी विकास विभाग एवं जल संस्थान सहित अन्य सभी विभाग आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विशेषकर उत्तराखण्ड के तीन मैदानी जनपदों देहरादून, उधमसिंह नगर एवं हरिद्वार में लू से बचाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने मतदान केंद्रों में शेड, पानी, कूलर, पंखों आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रदेश की

भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए एवं मौसम विभाग द्वारा जारी भविष्यवाणी के अनुसार पर्वतीय जनपदो में मतदान कार्मिकों को आवश्यक रूप से गर्म कपड़े साथ रखने एवं कार्मिकों के रूकने वाले स्थलों में बिस्तर आदि की व्यवस्था समुचित रूप से सुनिश्चित करा ली जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश में मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य महानिदेशक को गर्भवती महिलाओं के लिए डोली आदि की व्यवस्था कराए जाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग एवं सीईओ उत्तराखण्ड के सोशल मीडिया हैंडल को लगातार फॉलो करने की भी बात कही, ताकि मतदाता अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक हों।

केदारनाथ पैदल पैदल मार्ग पूरी तरह से हुआ बंद

रूद्रप्रयाग, 9 अप्रैल (देशबन्धु) मंगलवार सुबह 11 बजे के करीब कुबेर गदेरे के पास भारी मात्रा में एवलॉन्च आ गया। जिससे पैदल मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। अब यहां से बर्फ हटाने के बाद ही पैदल आवाजाही शुरू हो पाएगी। आगामी 10 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले जाने हैं। ऐसे में यात्रा को तैयारियां की जा रही है, लेकिन मौसम तैयारियों में अड़चने पैदा कर रहा है। हर दिन दोपहर बाद केदारनाथ धाम समेत पैदल मार्ग पर बर्फबारी हो रही है, जिस कारण बर्फ साफ करने में जुटे मजदूरों को

■ बर्फ साफ करने में मजदूरों को हो रही परेशानी

■ कुबेर गदेरे के पास अचानक आया एवलॉन्च

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, आज सुबह केदारनाथ पैदल मार्ग पर कुबेर गदेरे के पास अचानक एवलॉन्च आ गया। जिससे पैदल मार्ग पर आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई। केदारनाथ धाम के कपाट खोलने को लेकर जिला प्रशासन स्तर पर तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है, लेकिन प्रशासन की इस मेहनत पर धाम में हर दिन दोहपर बाद हो रही बर्फबारी पानी फेरने का काम कर रही है। जबकि, अब पैदल मार्ग पर एवलॉन्च की घटनाएं भी देखने को मिल रही है। ऐसे में पैदल मार्ग पर व्यवस्थाएं जुटाने में प्रशासन के सामने दिक्कतें हो रही हैं। बीते एक महीने से केदारनाथ पैदल मार्ग के साथ ही धाम

में बर्फ हटाने का काम किया जा रहा है। बर्फ हटाने के काम में करीब 90 मजदूर जुटे हुए हैं। कुछ दिन पहले मजदूरों ने पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का काम पूरा कर लिया था। जबकि, धाम में भी बर्फ हटाने का काम लगभग पूरा हो गया था, लेकिन हर दिन दोपहर बाद हो रही बर्फबारी ने मजदूरों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। लगातार हो रही बर्फबारी से पैदल मार्ग पर ग्लेशियर टूटने भी शुरू हो गए हैं। मंगलवार सुबह 11 बजे के करीब कुबेर गदेरे के पास भारी मात्रा में एवलॉन्च आ गया। जिससे पैदल मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। अब यहां से बर्फ हटाने के बाद ही पैदल आवाजाही शुरू हो पाएगी। रुद्रप्रयाग जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ धाम में हर दिन दोपहर बाद बर्फबारी हो रही है, जिस कारण बर्फ हटाने के काम में जुटे मजदूरों को भी दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बर्फबारी से पैदल मार्ग पर बिजली, पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हुई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता को सेब मुद्दे पर आनंद शर्मा से सलाह लेनी चाहिए : संदीपनी

शिमला, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप राठौर का जवाब देते हुए कहा मात्र पब्लिसिटी हासिल करने के लिए कांग्रेस के नेता सेब पर बयान बाजी कर रहे हैं।

हम इनसे पूछना चाहते हैं कि अगर विधायक का काम विधानसभा में प्रश्न लगाना नहीं है तो दूसरा काम क्या है ? अगर वह प्रश्न नहीं लगाएंगे तो उनको विधायक कौन कहेगा , इसलिए सेब के प्रश्न लगाने पर राजनीति करने का नया ट्रेंड हिमाचल प्रदेश में शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि हम उनको याद दिलाना चाहेंगे कि उनके गुरु आला पूर्व केंद्र मंत्री आनंद शर्मा ने कांग्रेस कार्यकाल के समय आयात शुल्क पर मेमोरेंडम प्रस्तुत किया था और इसको लेकर तभी काफी नीतियां तब ही बन गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने तो इसमें आयतुल को बढ़ाया और बाहर से आए सेब पर प्रतिबंध लगाया तो इनको आनंद शर्मा से भी पूछ लेना चाहिए की क्या

■ अगर आयात शुल्क बड़ा है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान बड़ा है और इसको कांग्रेस पार्टी को मनाना ही पड़ेगा : संदीपनी भारद्वाज, भाजपा प्रवक्ता

ठीक है क्या गलत।

उन्होंने कहा की अगर आयात शुल्क बड़ा है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान बड़ा है और इसको कांग्रेस पार्टी को मनाना ही पड़ेगा, अब अगर उनके नेताओं ने जो करार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया है उसको बदला तो जा सकता नहीं है। प्रदेश में लगभग 5,000 करोड़ की सेब आर्थिकी है और इनको गुमराह करने का कार्य कांग्रेस पार्टी के नेता कर रहे हैं। हम कांग्रेस पार्टी के नेता से पूछना चाहते है की हिमाचल प्रदेश के किसानों-बागवानों को अब कृषि विभाग से एंटी हेलनेट की सुविधा नहीं मिलेगी। यह क्यों, सरकार ने कृषि विभाग के जरिये मिलने वाली एंटी हेलनेट स्कीम को अब उद्यान विभाग में शामिल कर दिया है। ऐसे में एंटी हेलनेट के लिए जिन हजारों किसानों ने कृषि विभाग में आवेदन कर रखा था अब उन्हें बागवानी विभाग में फिर से आवेदन करना होगा। सरकार एंटी हेलनेट योजना में किसानों-बागवानों को 80 फीसदी अनुदान देती है। इस प्रकार की परेशानी कांग्रेस सरकार ने क्यों पैदा करी वह भी सीजन के टाइम पर यह सोचने की बात है।

बाबा तरसेम का हत्यारा अमरजीत एसटीएफ की मुठभेड़ में ढेर

■ अमरनाथ तिवारी

उत्तराखंड, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। एसटीएफ की श्री नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या

■ थाना भगवानपुर क्षेत्र में हुई बदमाशों व एसटीएफ की मुठभेड़

■ डीजीपी अभिनव कुमार ने की एनकाउंटर की पुष्टि

■ फरार आरोपियों की हो रही तलाश

करने वाले बदमाशों से मुठभेड़ हुई है। एसटीएफ के अनुसार इस मुठभेड़ में एक बदमाश की मौत हुई है। इस बदमाश का नाम अमरजीत सिंह है।

एसटीएफ का कहना है कि अमरजीत सिंह नाम का ये बदमाश श्री नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या करने की घटना में शामिल था। एक बदमाश भागने में सफल रहा। गौरतलब है कि 28 मार्च को श्री नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद उत्तराखंड में हड़कंप मच गया था। दिन दहाड़े हुए इस हत्याकांड से पुलिस विभाग भी भौचक्का रह गया था। इस हत्याकांड के बाद जहां डीजीपी का बयान आया था कि हम हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लेंगे, वहीं उत्तराखंड के मुख्यमत्री पुष्कर सिंह धामी खुद श्री नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा गए थे। उत्तराखंड के डीजीपी अभिनव कुमार ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि बताया कि 28 मार्च को श्री नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की गोली मारकर हत्या करने वाले अमरजीत सिंह को उत्तराखंड एसटीएफ और हरिद्वार पुलिस ने थाना भगवानपुर क्षेत्र में मुठभेड़ में मार गिराया है। दूसरा आरोपी फरार हो गया है और उसकी तलाश में एसटीएफ और पुलिस जुटी हुई है। बाबा तरसेम सिंह की हत्या को उत्तराखंड पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया था और लगातार एसटीएफ और पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी। बाबा तरसेम सिंह तराई में सिख समुदाय के धार्मिक गुरु थे। उन्होंने नानकमत्ता क्षेत्र में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में कई काम किये थे। जिसके चलते उन्होंने सिख समुदाय के साथ साथ अन्य समुदाय के लोगों में पहचान बना ली थी।

एसएसपी डोभाल ने किया मौका का दौरा

हरिद्वार पुलिस कप्तान प्रमेंद्र डोभाल ने कहा कि जिले के मंगलौर थाना क्षेत्र में चुनावी समय में हो रही चेकिंग के दौरान दो मोटरसाइकिल सवार बाहर बैरिकेड क्रॉस कर रहे थे। संदिग्ध होने पर जब पुलिस ने उन्हें रोका तो वह भागने लगे। पुलिस के मुताबिक उन्होंने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में एक व्यक्ति को गोली लग गई, जबकि दूसरा फरार हो गया। बताया जा रहा है कि यह आरोपी कलियर की तरफ भाग रहे थे। तभी लगभग देर रात यह एनकाउंटर हुआ है। एनकाउंटर के बाद पुलिस को मालूम हुआ कि मृतक अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू है, जो बाबा तरसेम सिंह की हत्या में शामिल था। हरिद्वार पुलिस कप्तान प्रमेंद्र डोभाल का कहना है कि जैसे ही कार्रवाई की सूचना मिली, वैसे ही हमारी अतिरिक्त फोर्स भी मौके पर पहुंच गई थी। मैं खुद घटनास्थल पर पहुंच गया था। तब तक आरोपी को अस्पताल लाया जा चुका था।

प्रादेशिकी

देश का नंबर एक धार्मिक केंद्र बनेगा धोपाप : मेनका

सुलतानपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी ने मंगलवार को कहा कि सुलतानपुर में धोपाप को रामायण सर्किट से जोड़कर देश का नंबर एक धार्मिक केंद्र बनाया जाएगा। अपने संसदीय क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि अगले पांच साल में सुलतानपुर को उत्तर प्रदेश का नम्बर एक जिला बनाएंगे। सुलतानपुर को चमकाने में कोई कसर नही छोड़ी है। यहां युवाओं के लिए छह करोड़ की लागत से पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम का कायाकल्प हो रहा है। बिना सरकारी मदद के तीर्थराज धोपाप का कायापलट कराया है। धोपाप ब्रांड के प्रोडक्ट से समूह की हजारों महिलाओं को जोड़ा हैं। इससे महिलाएं सशक्त व आत्मनिर्भर बन रही है। गांधी ने कहा देश में मोदी व भाजपा की लहर चल रही है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की योजनाओं ने गरीबों की तकदीर बदली है।

सत्ता में मद में मर्यादा भूल गए हैं भाजपा कार्यकर्ता : अखिलेश यादव

लखनऊ, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता सत्ता के मद में नैतिकता और अनैतिकता

■ भाजपा पर समाज में भेदभाव व नफरत फैलाने का लगाया आरोप

में भेद नहीं कर पा रहे है। यादव ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा का लोकतंत्र, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा नहीं है। भाजपा समाज में भेदभाव करती है। नफरत फैलाती है। विपक्ष को अपमानित कर देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रदूषित करती है। चुनाव में हार के डर से पूरी भाजपा में बौखलाहट है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता से लेकर शीर्ष नेता तक भाषा की मर्यादा को भूल गये हैं। विरोधी दलों और नेताओं पर झूठे आरोप लगाना उनका स्वभाव है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से ध्यान हटाकर जनता को भ्रमित करना ही भाजपा का उद्देश्य रहता है। दस साल की सरकार में भाजपा सरकार ने जनता की समस्याओं पर कोई काम नहीं किया। यादव ने कहा कि हालत यह है कि जनता में उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में भाजपा के खिलाफ भारी अंसतोष उबल रहा है। भाजपा द्वारा किए गए भारी भ्रष्टाचार, बढ़ती महंगाई, चरम पर

■ भाजपा का लोकतंत्र, संविधान व लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा नहीं है : अखिलेश यादव

पहुंची बेरोजगारी से आम जनता आक्रोशित है और भाजपा के खिलाफ समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के पक्ष में मतदान को तैयार है। भाजपा लोकसभा चुनाव में पश्चिम उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश तक, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, सब जगह हार रही है। जनता भाजपा का अहंकार तोड़ देगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जगह-जगह तमाम संगठन भाजपा को हराने और सत्ता से हटाने की कसमें खा रहें है और संकल्प ले रहें है। देश में माहौल भाजपा के खिलाफ है। इसीलिए घबराई भाजपा के नेता समाज को बांटने और नफरत फैलाने के एजेंडे पर आ गए हैं। भाजपा के पास जनता को बताने के लिए कोई काम नहीं है।

भाजपा ने संवैधानिक तानेबाने को किया छिन्न भिन्न : कांग्रेस

देवरिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने देश और प्रदेश के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और संवैधानिक ताने-बाने को तहस नहस कर दिया है। सिंह ने यहां पत्रकारों से कहा कि बीते वर्षों में भाजपा ने किसानों को आमदनी से, युवाओं को रोजगार से, महिलाओं को सुरक्षा के भाव से और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को समृद्धि के भाव से वंचित कर दिया है। कुछ मुट्ठी भर लोगों को बेपनाह दौलत दी गई और देश के वंचित वर्ग को अन्याय और अत्याचार के दलदल में धकेल दिया गया है। देवरिया से इंडिया समूह प्रत्याशी ने कहा कि कांग्रेस संकल्प लेती है कि भाजपा के इस अन्याय को खत्म कर इंडिया गठबंधन के न्याय का राज स्थापित करेंगे। कांग्रेस के न्याय पत्र में पांच न्याय हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय पर आधारित है। न्याय पत्र का मूल मंत्र नौकरी, धन, संसाधन और जनकल्याण है।

शार्ट सर्किट से मकान में आग लगी, 2.50 लाख का नुकसान

मवाना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मवाना नगर के मोहल्ला कल्याण सिंह वार्ड 14 में सोमवार शाम को बालू रस्तोगी के मकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से घर में रखी फ्रिज, एलईडी, लैपटाप और अन्य कीमती सामाल जल गया। शार्ट सर्किट से 2.50 लाख रुपये से अधिक नुकसान होने का अनुमान है। इस आगजनी में एक बालिका झुलस गई। पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। उधर मकान गली में होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल तक नहीं जा सकी। बालू की पत्नी नूतन रस्तोगी ने बताया कि मोहल्ला कल्याण सिंह में डा.नजर मोहम्मद के क्लीनिक के बराबर वाली गली में बालू रस्तोगी का मकान है। गली बहुत छोटी है, जिसमें बाइक ही जा सकती है। सोमवार को अचानक बिजली की लाइन में शार्ट सर्किट हो गया। शार्ट सर्किट होने से पूरे घर की बिजली लाइन में आग लग गई। आग लगने से घर में रखी वाशिंग मशीन, एलईडी और लैपटाप में आग लग गई। घर में धुआं-धुआं हो गया। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई लेकिन गली छोटी होने के कारण गाड़ी अंदर नहीं जा सकी। इस आगजनी में बालिका झुलस गई है।

■ बालिका झुलसी, मकान में अंधेरा छाया

नव संवत्सर पर यज्ञ के प्रतिभागी बने डीएवी के विद्यार्थी

मेरठ, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मंगलवार को वैदिक नव वर्ष, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम संवत 2081, जिमखाना मैदान में महायज्ञ की पवित्र अग्नि को प्रज्जवलित करते हुए पूर्ण उत्साह के साथ प्रारंभ किया गया। महायज्ञ का आयोजन गुरुकुल प्रभात आश्रम के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद सरस्वती जी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरुकुल प्रभात आश्रम के ब्रह्मचारियों द्वारा वेद पाठ का वाचन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण गूंजायमान हो उठा। इस अवसर पर स्वामी जी महाराज ने सृष्टि आरंभ के बारे में बताया और कहा कि यह भगवान श्री राम, सम्राट युधिष्ठिर, सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक का पर्व है और इसकी प्रासंगिकता इसलिए और बढ़ जाती है कि यह आयोजन महर्षि दयानंद जी की 200वीं जन्मजयंती के शुभ अवसर पर भी संपन्न हो रहा है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज की बुराइयों, ऊंच-नीच, जाति-पाति, भेदभाव को अस्वीकार कर सभी को समान अधिकार प्रदान करके संसार का उपकार किया। डॉ. वाचस्पति मिश्र ने उपस्थित सभी लोगों को यज्ञ प्रक्रिया के महत्व को बताया तथा सृष्टि के काल क्रम पर प्रकाश डाला। इस पवित्र आयोजन में डॉ. अल्पना शर्मा,(क्षेत्रीय अधिकारी डीएवी स्कूल यूपी जोन- ए) तथा अपर्णा जैन (कार्यवाहक प्रधानाचार्या) उपस्थित रहीं। राजेश सेठी ने मंच का अभूतपूर्व संचालन किया। सांसद राजेंद्र अग्रवाल तथा अरुण गोविल उपस्थित थे। इसी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए डीएवी पब्लिक स्कूल, शास्त्री नगर, मेरठ के विद्यार्थियों ने यजमान की भूमिका में वहां उपस्थित रहकर यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं तथा संपूर्ण विश्व की कुशलता की भावना से यज्ञ के इस महानतम आयोजन को पूर्ण किया। अंत में आचार्य श्री द्वारा सभी यजमानों को शुभ मंगल कामनाएं प्रेषित की गई।

■ उपस्थित सभी लोगों को यज्ञ प्रक्रिया के महत्व को बताया

सार संक्षेप

वीएमसी ने जारी की परीक्षा की तारीख

मेरठ। विद्या मंदिर क्लासेज (वीएमसी) देश का जाना-माना कोचिंग संस्थान है जो जेईई (मेन व एडवांस), नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशिष्टता रखता है. वीएमसी अपने फ्लैगशिप टेस्ट यानी एनएटी के लिए तैयार है जिसके जरिए छात्र एडमिशन और स्कॉलरशिप पा सकेंगे. ये टेस्ट 13 और 14 अप्रैल 2024 को ऑफ लाइन और ऑनलाइन मोड में होगा जिसके जरिए देशभर के अच्छे छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा और उनकी परफॉर्मेंस के लिए रिवॉर्ड भी दिया जाएगा.

भाजपा पदाधिकारी ने दिया इस्तीफा

मवाना। मवाना मंडल अध्यक्ष सचिन कौशिक और आईटी संयोजक नवीन रस्तोगी के बीच विवाद हो गया है। विवाद के चलते आईटी संयोजक नवीन कुमार ने अपना इस्तीफा पार्टी जिलाध्यक्ष को भेज दिया है। भाजपा जिलाध्यक्ष को भेजे पत्र में कहा कि आईटी संयोजक मवाना में नवीन कुमार पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहा था। पांच दिन पहले हरिश्चंद्र वंशिय महासभा के अध्यक्ष और महामंत्री का चुनाव होना था। वहां पर मंडल अध्यक्ष सचिन कौशिक ने पूरे समाज के सामने खड़े होकर अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव दे दिया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अखिल कौशिक ने उन्हें समझाया लेकिन वह नहीं माने। इस मामले को लेकर वहां मौजूद लोगों में विवाद हो गया। आरोप है कि पूरे समाज के आगे मंडल अध्यक्ष ने आईटी संयोजक को धमकाते हुए कहा कि उन्हें पांच मिनट में भाजपा में आईटी संयोजक के पद से हटा दूंगा। यह बात नवीन को ठीक नहीं लगी। नवीन ने आरोप लगाया कि विस्तारक ने भी उनके साथ गाली गलौज कर दी। इस कारण उसने भाजपा के आईटी संयोजक पद से इस्तीफा दे दिया है।

लोकगीत के माध्यम से किया गया जागरूक

मेरठ। स्वीप कार्यक्रम मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशानुसार शाहिद रजा श्रावस्ती कल्चरल पार्टी श्रावस्ती अपने कलाकारों के साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर मत प्रतिशत बढ़ाने हेतु लोकगीत के माध्यम से जागरूकता प्रचार प्रसार कर रहे है। आज उन्होंने जेल चुंगी चौराहा, सर्वोदय नर्सिंग होम, सर्वोदय कालोनी मे 19 व 26 को आना जरूर, 18 वर्ष के ऊपर वाले, पानी जो बरसे तो छाता लगाकर आना लोकगीत गाना प्रारम्भ किया तो जनता मे उत्साह दिखाई दिया सबने कहा हम वोट डालने जरूर जाएंगे।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में छात्र सभा की जिला कार्यकारिणी घोषित

फर्रुखाबाद। समाजवादी पार्टी आवास विकास कार्यालय पर छात्र सभा के जिला अध्यक्ष हर्ष गंगवार ने सपा जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी। इस मौके पर छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, प्रदेश सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष सौरभ कटियार, जिला उपाध्यक्ष शशांक सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल, जिला महासचिव इलियास मंसूरी के साथ अन्य वरिष्ठ नेतागण भी मौजूद रहे।

नगर निगम द्वारा बनाई जा रही सड़कों में भ्रष्टाचार का आरोप

मेरठ, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। गंगानगर ए ब्लॉक में सबरी प्लाजा के पीछे नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि नियम के अनुसार सड़क की चौड़ाई 4 मीटर होनी तय थी लेकिन केवल साढे तीन मीटर ही सड़क का निर्माण किया जा रहा है और सड़क में लगाए जा रहे माल की गुणवत्ता भी बिल्कुल खराब है जिसके चित्र आपके समक्ष संलग्न किए गए हैं। अधिकारियों को इसका संज्ञान लेने की आवश्यकता है और सड़क में हो रहे इस भारी भ्रष्टाचार को देखने की आवश्यकता है एक और तो राजनेता वोट मांगने के लिए घर-घर आ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ उन्ही घरों के सामने भारी मात्रा में नगर निगम द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है। राज्य सरकार इस और ध्यान दें। और इन बनी हुई सड़कों को नियम के हिसाब से दुरुस्त कराकर तत्काल कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

कृषक पीजी कॉलेज में तीन लाख से अधिक छात्रवृत्ति का गबन

मवाना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मवाना कृषक पीजी कॉलेज में तीन लाख रुपए से अधिक छात्रवृत्ति का गबन कर लिया गया। इस मामले में दर्ज रिपोर्ट में कॉलेज के पूर्व कार्यवाहक प्राचार्य समेत चार को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यह कार्रवाई कालेज प्रबंध समिति की पूर्व सचिव अर्चना वर्मा की शिकायत पर जांच के बाद हुई हैं। छात्रवृत्ति के गबन की रिपोर्ट दर्ज होने पर कालेज में हड़कंप मच गया है। दर्ज रिपोर्ट में कालेज के पूर्व कार्यवाहक प्राचार्य डा. तनुज कुमार, कार्यालय अधीक्षक मोहल्ला कल्याण सिंह निवासी हरनंदन सिंह और मोहल्ला काबलीगेट विवेक विहार नवीन कुमार, आशु लिपिक फलावदा थाना क्षेत्र के ग्राम पिलौना निवासी मनु चौधरी को नामजद किया गया है। मवाना थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कालेज प्रबंध समिति की तत्कालीन सचिव प्रबंधक अर्चना वर्मा ने शिकायत में कहा कि कृषक पीजी कालेज मवाना में सत्र वर्ष 2018-19 में संचालित स्ववित्त पोषित कक्षा बी काम और बीएससी होम साइंस में महाविद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य, कार्यालय अधीक्षक हरनंदन सिंह,

■ गबन की रिपोर्ट दर्ज होने पर कॉलेज में हड़कंप

लेखाकार नवीन कुमार और आशुलिपिक मनु चौधरी के द्वारा छात्र-छात्राओं से ली गई फीस का गबन किया गया है। इस सम्बंध में इनसे जानकारी मांगी गई तो उन्होंने जानकारी नहीं दी। उसी समय कालेज में 28 अक्टूबर 21 को कॉलेज में आयोग से प्राचार्य डा.प्रभात कुमार नियुक्त कर दिए गए। इसके बाद तत्कालीन सचिवध्रबंधक अर्चना वर्मा ने 17 मई 22 को इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना दी गई। जांच कमेटी को जांच में सहयोग नहीं दिया गया। तहरीर में कहा गया कि लेखाकार ने तत्कालीन प्राचार्य डा.प्रभात कुमार को पत्र दिया कि महाविद्यालय के खाते में 64500 रुपए कम जमा कराए गए हैं। आरोप है कि मनु चौधरी ने जानबूझकर फीस रसीद अस्थायी कम्प्यूटर पूनम से कटवाई।

जीटीबी में ईद मिलन समारोह का आयोजन आज

मेरठ, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मंगलवार को गुरु तेग बहादुर परिक्षक स्कूता मेरठ कैंट में पवित्र त्योहार ईट के उपलक्ष्य में एक ईट मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने एक सुंदर कव्वाली प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। यहीं नन्हें मुन्ने बच्चे ने इंट के अवसर की सुंदर मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का सुंदर कविता भी प्रस्तुत कर सबका मन सम्पूर्ण सहयोग रहा। वही दूसरी ओर सभी बच्चों व अध्यापकों ने हिंदू नववर्ष का स्वागत वेद मंत्रों द्वारा किया तथा शांति व खुशहाली की कामना की। प्रधानाचार्य डॉ. कर्मेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम के अंत में सनी को ईद की शुभकामनाएं दी तथा त्योहार के महत्य के बारे में भी बताया। साथ हिंदू नव वर्ष की जानकारी दी गई कि इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा विक्रम संवत का शुभारम्न किया गया और महर्षि दयानंद सरस्वती द्वापा आर्य समाज की नी स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा की त्योहार चाहे किसी भी धर्म का शो सभी नाईचारे का संदेश देते है और हम सनी नारतवासी है।

पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराना सुनिश्चित करें अधिकारी : दीपक मीणा

मेरठ, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को पारदर्शी, निष्पक्ष, सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन में लगातार कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा आईटीआई साकेत पहुंच कर ईवीएम कमिशनिंग हॉल में की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। तदोपरांत विक्टोरिया पार्क पहुंचकर पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का जायजा लिया व संबंधित अधिकारियो को सुव्यवस्थित ढंग से तैयारी किये जाने के निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) उप जिला निर्वाचन अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि आज जनपद में एफएसटी (उड़न दस्ता) एसएसटी व पुलिस विभाग की गठित टीमों द्वारा 119 लीटर शराब मूल्य अंकन लगभग 30 हजार 940 का जब्तीकरण किया गया। कलक्ट्रेट बचत भवन में बनाये गये कन्ट्रोल रूम में स्थापित लैण्ड लाईन नम्बर 0121-2664134 एवं टोलफ्री नं. 1950 परे कुल 1 शिकायत प्राप्त हुई, जिनका निस्तारण कर दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा एवं मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल के आह्वान पर ललित कला विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय एवं एन. ए. एस. कॉलेज मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में 25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस से निरंतर मतदाता जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

■ जिलाधिकारी ने किया ईवीएम कमिशनिंग हॉल का निरीक्षण

■ मतदाताओ को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का किया आयोजन

कृषक कॉलेज की क्षेत्रीय विजेता छात्राओं को किया सम्मानित

मवाना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर स्थित कृषक इण्टर कालिज में मंगलवार को विजेता छात्राओं के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गत दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित क्षेत्रीय भाषण प्रतियोगिता की प्रथम एवं तृतीय विजेता छात्रा नबीला कनक को प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने कहा कि गत दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर दोनो छात्राओं ने विद्यालय का नाम रोशन किया है। इन होनहार छात्राओं को सम्मानित करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस प्रकार की प्रतियोगिता का निरन्तर आयोजन अति आवश्यक है जिससे समाज को युवा पीढ़ी के उर्जात्मक विचारों से रूबरू होने का अवसर मिलता है व छात्र छात्राओं का व्यक्तित्व विकास भी होता है। यहां पर समस्त विद्यालय स्टाफ व हजारों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

नवरात्र के पहले दिन नौ देवी मंदिरों में स्मृति ईरानी की पूजा-अर्चना

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी नवरात्र के पहले दिन अमेठी के नौ देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना की। अमेठी में भाजपा उम्मीदवार की चुनावी पूजा-अर्चना नहीं थी। स्मृति ईरानी सांसद चुने जाने के बाद से अमेठी के सभी देवी मंदिरों में नवरात्र की पूजा अर्चना करती है। इसके अलावा सभी मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए भारी संख्या में पूजन सामग्री भेजी जाती है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी नवरात्र के पहले दिन मंगलवार को गौरीगंज में दुर्गन भवानी धाम, संग्रामपुर में अमृत कुंड पर विराजमान सिद्धपीठ कालिकन धाम, अमेठी में देवीपाटन मंदिर, शाहगढ़ में दुर्गन माता मंदिर, मुसाफिरखाना में माता हिंगलाज देवी मंदिर, सिंहपुर में अहोरवा भवानी धाम,परशदेपुर में माता मेढुरिन धाम मंदिर आदि मंदिरों में मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की। स्मृति ईरानी के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी, जिला महामंत्री सुधांशु शुक्ल,राजू सिंह,सौरभ पांडेय,देव नारायण तिवारी, जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्र आदि मौजूद थे। स्मृति ईरानी चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन कर रही है। वरना स्मृति ईरानी की तरफ से पिछले पांच साल से नवरात्र में देवी मंदिरों को पूजन सामग्री भेजी जाती थी। लेकिन इस बार आचार संहिता लागू है।

खेल *चार दिवसीय इंटर स्कूल टेनिस बॉल क्रिकेट चौंपियनशिप का शुभारंभ*

सैंट मार्क स्कूल की टीम ने राधा गोविंद स्कूल को हराया

मवाना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। मवाना खुर्द स्थित रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल और वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम चार दिवसीय इंटर स्कूल टेनिस बॉल क्रिकेट चौंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। इस चौंपियनशिप में अंडर-14 और अंडर -17 वर्ग में चार टीम प्रतिभाग कर रही हैं। उद्घाटन मैच में सैंट मार्क स्कूल, मोदीपुरम की टीम ने राधा गोविंद स्कूल, मेरठ की टीम को 6 विकेट से हराकर चौंपियनशिप में बढ़त हासिल की।

■ मेरठ की टीम को छह विकेट से हराकर चौंपियनशिप में बढ़त हासिल की

रुद्रा इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या डॉक्टर शिवानी सिंह, डायरेक्टर सुमित काकरान, खेल अधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा, वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स के अध्यक्ष विक्रांत ढाका तथा उपाध्यक्ष अनिता सिंह ने प्रथम चार दिवसीय इंटर स्कूल टेनिस बॉल क्रिकेट चौंपियनशिप का शुभारंभ किया। प्रशासनिक अधिकारी और मीडिया प्रभारी अनुज नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि चौंपियनशिप के उदघाटन मैच में राधा गोविंद स्कूल, मेरठ की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। राधा गोविंद स्कूल की टीम मात्र 13 ओवर में 73 रन बनाकर आल आउट हो गई। राधा गोविंद स्कूल की ओर से तेजस ने 18 बॉल में सार्वाधिक 20 रन तथा रोहन ने 17 बॉल में 13 रन बनाए। वहीं सैंट मार्क स्कूल की ओर से गेंदबाजी करते हुए ईशु ने 3 ओवर में 14 रन देकर 2 विकेट लिए। आकाश ने 3 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए और गौरव ने भी 3 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सैंट मार्क स्कूल की टीम ने मात्र 9.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 79 रन बनाकर 6 विकेट से मैच जीत लिया। सैंट मार्क की ओर से कप्तान सौरभ यादव ने 26 बॉल में 26 रन बनाए। आकाश ने 9 बॉल 14 रन बनाए और कुणाल ने 16 बॉल में 13 रन बनाए। राधा गोविंद की ओर से गेंदबाजी करते हुए कप्तान जीवेश रावत ने 3 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए, शिखर ने 3 ओवर में 21 रन देकर 1 विकेट लिया। सेंटमार्क के कप्तान सौरभ यादव को मन ऑफ द मैच चुना गया। जतिन और हर्षित ने अंपायर की भूमिका अदा की।

डॉ.हेडगेवार के चित्र की कला प्रतियोगिता कराई

मवाना, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अंतर्गत सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मवाना में मंगलवार को प्रार्थना स्थल पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जयंती और हिंदू नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नवरात्रि का आयोजन किया गया, जिसका संचालन विभूति ने किया। गार्गी शर्मा और आचार्य मोहन सैनी ने नवरात्रों और डॉ. हेडगेवार के बारे में विचार बहुत ही सुंदर रूप से प्रस्तुत करके संक्षेप में बताया। सभी बच्चों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार के चित्र की कला प्रतियोगिता भी कराई गई। अंत में प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने सभी बालकों को बताया कि हमारे प्रत्येक त्यौहार का वैज्ञानिक महत्व है, हमारे पर्व कितने विशेष होते हैं और इनका कितना विशेष महत्व भी है।

पहले चरण में होगा पश्चिमी उप्र के दिग्गजों का फैसला

18वीं लोकसभा के लिए पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ सीट

लखनऊ/सहारनपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के धुरंधर नेताओं का भाग्य मतपेटियों के कैद हो जाएगा। पहले चरण में कांग्रेस के इमरान मसूद, समाजवादी पार्टी (सपा) की इकरा हसन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संजीव बालियान, जितिन प्रसाद और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के चंदन चौहान जैसे नामचीन नेता किस्मत आजमा रहे हैं।

18वीं लोकसभा के लिए चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर कुल 80 प्रत्याशी मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 14 कैराना और सबसे कम छह-छह उम्मीदवार नगीना सुरक्षित और रामपुर से ताल ठोंक रहे हैं। दिलचस्प है कि सहारनपुर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, पीलीभीत, रामपुर, अमरोहा, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद ऐसे चुनाव क्षेत्र हैं जहां इस बार कोई भी मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं है। सहारनपुर में बसपा ने सांसद फजलुर्रहमान कुरैशी के स्थान पर माजिद अली को उम्मीदवार बनाया हैं। बिजनौर सीट पर बसपा ने अपने सांसद मलूख नागर का टिकट काट दिया हैं और उनके स्थान पर जाट बिरादरी के बिजेंद्र सिंह उम्मीदवार बनाए गए हैं। नगीना सुरक्षित सीट से 2019 का चुनाव बसपा टिकट पर डेढ़ लाख के अंतर से जीतने वाले और 56 फीसद वोट हासिल करने वाले गिरिश चंद जाटव को मायावती ने इस बार बुलंदशहर भेज दिया है।

मुरादाबाद के सपा सांसद डॉ. एसटी हसन जिन्होंने 2019 में एक लाख के अंतर से सीट जीती थी। अबकी उम्मीदवार नहीं बनाए गए हैं। अखिलेश यादव ने बिजनौर की पूर्व विधायक और वैश्य बिरादरी की महिला नेत्री रूचि वीरा को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर भाजपा ने 2014 में सांसद चुने गए कुंवर सर्वेश सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

पीलीभीत सीट पर पिछले चुनाव में मेनका गांधी के बेटे वरूण गांधी सांसद चुने गए थे। इस बार भाजपा ने उनका टिकट काटकर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और ब्राह्मण नेता जितिन प्रसाद को प्रत्याशी बनाया हैं। वरूण गांधी इस बार कहीं से भी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

रामपुर सीट जो आजम खां का घर और गढ़ मानी जाती है। 2019 में 52 फीसद वोट लेकर चुनाव जीते थे। उन्होंने मशहूर सिने तारिका भाजपा की जयप्रदा को एक लाख 11 हजार वोटों के अंतर से हराया था। जेल में बंद आजम खां के बजाए सपा ने मुहिबुल्ला को प्रत्याशी बनाया हैं। भाजपा ने उपचुनाव में सांसद बने घनश्याम लोधी पर ही इस बार भरोसा जताया।

मेरठ के भाजपा सांसद राजेंद्र अग्रवाल का टिकट काटकर भाजपा ने रामायण के राम गोविल को उम्मीदवार बनाया है। राजेंद्र अग्रवाल पिछले तीन चुनावों से मेरठ से सांसद चुने जाते रहे हैं। टिकट कटने के बावजूद राजेंद्र अग्रवाल समर्पित भाजपाई की तरह अरूण गोविल की चुनाव बागडोर संभाले हैं।

राजपूतों में दिख रही नाराजगी

बागपत और गाजियाबाद दो ऐसे चुनाव क्षेत्र हैं जहां के दो-दो बार जीते सांसद अबकी चुनाव मैदान से भाजपा ने बाहर कर दिए हैं। बागपत सीट लोकदल कोटे में चली गई हैं मुंबई के कमिश्नर रहे सत्यपाल तोमर के बजाए रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने नए उम्मीदवार राजकुमार सांगवान को प्रत्याशी बनाया है। मतदान में एक पखवाड़ा बाकी हैं लेकिन इस सीट पर अभी भाजपा और रालोद कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय नहीं बन पाया हैं। पूर्व विधायक सपा उम्मीदवार अमरपाल शर्मा तगड़ी चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं। गाजियाबाद सीट जहां के सांसद और केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का टिकट काटे जाने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजपूतों में नाराजगी दिख रही है उनके स्थान पर भाजपा ने स्थानीय विधायक और पूर्व मंत्री वैश्य बिरादरी के बड़े नेता अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाया है। जनरल वीके सिंह 2014 में पांच लाख 67 हजार 260 वोटों के अंतर से और 2019 में पांच लाख एक हजार 500 वोटों के अंतर से चुनाव जीते थे। टिकट कटने से वीके सिंह तो नाराज नहीं हैं लेकिन वह अपनी नाराज बिरादरी को मनाने का भी कोई प्रयास करते नहीं दिख रहे हैं। अमरोहा सीट पर पिछला चुनाव बसपा के टिकट पर जीते दानिश अली अबकी कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे हैं। उनका मुकाबला भाजपा के पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर से है। सहारनपुर पहले नंबर की लोकसभा सीट है। पिछले चुनाव में भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा चुनाव हार गए थे।

विपक्षी उम्मीदवार चर्चित मुस्लिम नेता इमरान मसूद के प्रभाव को स्वीकार करते हुए भाजपा नेतृत्व सहारनपुर सीट को जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंके हुए है। दस-बारह दिन के दौरान दो बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दोनों उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य एवं केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भाजपा के समर्थन में आ चुके हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी आने की संभावना है। तीसरी बार चुनाव मैदान में डटे इमरान मसूद अपने चुनाव अभियान की खुद ही अगुवाई कर रहे हैं और क्षेत्र में सक्रियता बनाए हुए हैं।

बिहार में पहले चरण की वोटिंग में दस दिन बाकी

महागठबंधन ने सभी सीटों पर तय नहीं किए उम्मीदवार

पटना, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सियासी सरगर्मियां बढ़ी हुई है। पहले चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में सभी दल चुनाव प्रचार में युद्ध स्तर पर जुटे हुए हैं। तमाम सियासी घटनाक्रम के बीच दिलचस्प बात यह है कि अब तक महागठबंधन के सहयोगी दलों की ओर से सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों का ऐलान नहीं किया गया है। इसे लेकर भाजपा तंज कस रही है। दरअसल, बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर सात चरणों में मतदान होने हैं। पहले चरण में 19 अप्रैल को बिहार के गया, औरंगाबाद, जमुई और नवादा क्षेत्र के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में अब तक मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच ही नजर आ रहा है। रोचक बात यह है कि एनडीए के सभी घटक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान करके चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। वहीं, महागठबंधन में शामिल राजद और कांग्रेस पार्टी ने अभी तक सभी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान नहीं किया है। ऐसे में टिकट के इच्छुक नेताओं के बीच चिंता की स्थिति बनी हुई है।

महागठबंधन में सीट शेयरिंग फॉर्मूला

बीते दिनों महागठबंधन में सीट शेयरिंग फॉर्मूले के तहत राजद के खाते में 26 सीटें आई थी, जिसमें से तेजस्वी यादव ने तीन सीटें मुकेश सहनी की पार्टी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को दी है। कांग्रेस के खाते नौ सीटें

गया, औरंगाबाद, जमुई और नवादा क्षेत्र

आई हैं, जबकि, तीन लेफ्ट पार्टियों के खाते में पांच सीटें हैं। कांग्रेस ने अभी तक तीन प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। जबकि, विकासशील इंसान पार्टी ने एक भी प्रत्याशी के नाम को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

अगर राजद की बात की जाए तो पार्टी ने भी अभी तक कई लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नामों का ऐलान नहीं किया है। इसे लेकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने महागठबंधन पर तंज कसा है। शाहनवाज हुसैन ने हमला बोलते हुए कहा कि सही मायने में महागठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं, लगता है उन्हें इश्तहार देना पड़ेगा। इधर-उधर से मांग-मांगकर उम्मीदवार ला रहे हैं। कोई उनके टिकट पर लड़ने को तैयार नहीं है। सबको मालूम है जीतेगा एनडीए ही, जीतेंगे मोदी जी ही। महागठबंधन की ओर से लोग लड़ने को तैयार नहीं हैं। बिहार में एनडीए 40 की 40 सीट जीतने वाली है।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन रहेगा प्रतिबंधित

जयपुर, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए मीडिया कवरेज के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना

आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जाएगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि टीवी चैनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 1206 उम्मीदवार अजमा रहे हैं भाग्य

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1206 उम्मीदवारों के साथ बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र से चार उम्मीदवार अपना भाग्य आजमाएंगे। इस चरण में 88 संसदीय क्षेत्रों के लिए कुल 2633 नामांकन दाखिल किए गए थे। नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1428 नामांकन वैध पाए गए। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अप्रैल के बाद अब 1206 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। केरल में 20 संसदीय क्षेत्रों से सबसे अधिक 500 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। दूसरे नंबर पर कर्नाटक में 14 संसदीय क्षेत्रों से 491 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। त्रिपुरा के एक संसदीय क्षेत्र से 14 नामांकन किए गए। महाराष्ट्र के नांदेड़ संसदीय क्षेत्र से सबसे अधिक 92 नामांकन पत्र दायर किए गए। इस चरण में असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन - तीन, जम्मू कश्मीर और त्रिपुरा की एक-एक, कर्नाटक की 14, केरल की 20, मध्य प्रदेश की सात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ-आठ और राजस्थान की 13 सीटों के लिए चुनाव होगा। उल्लेखनीय है कि बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र में 15 विधानसभा सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा और इस संसदीय क्षेत्र की 13 विधानसभा सीटों पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होगा।

कांग्रेस ने गोवा में लोकसभा चुनाव अभियान किया शुरु

पणजी, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को उत्तरी गोवा में शहीद स्मारक-पत्रादेवी में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देकर राज्य की दो लोकसभा सीटों के लिए अपना अभियान शुरू किया।

इंडिया ब्लॉक के साथियों के साथ कांग्रेस नेता शहीद स्मारक पर एकत्र हुए और जनता को न्याय दिलाने का संकल्प लिया। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री एडवोकेट रमाकांत खलप और विरियाटो फर्नांडीज को क्रमशः उत्तर और दक्षिण गोवा से मैदान में उतारा है।

इस मौके पर विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ ने कहा कि अगर उनके उम्मीदवार निर्वाचित होते हैं, तो वे संसद में गोवा के मुद्दे उठाएंगे। अलेमाओ ने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में तानाशाही और गुंडागिरी देखी जाती है, इसलिए जनता को न्याय दिलाने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांसदों को गोवा के मुद्दे संसद में उठाने चाहिए और न्याय मांगना चाहिए। अलेमाओ ने कहा कि भाजपा रोजगार देने में विफल रही है। उनके अपने विधायक ने कहा है कि नौकरियां बेची जा रही हैं। आज हमारे युवा परेशान हैं, क्योंकि उनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है।

केरल में 24 प्रतिशत मुस्लिम वोट किसके लिए गेम चेंजर-माकपा या कांग्रेस?

मुस्लिम समुदाय हो सकता है निर्णायक फैक्टर

तिरुवनंतपुरम, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में सभी की निगाहें राज्य में करीब 24 प्रतिशत मुसलमानों के वोटिंग पैटर्न पर हैं, जो गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। इसे केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बेहतर कोई नहीं जानता। वह पिछले एक सप्ताह से राज्य भर में वामपंथियों के लिए अपने अभियानों के दौरान नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और वामपंथी इसे कैसे देखते हैं, इस पर जोर दे रहे हैं। सीएम विजयन भी कथित तौर पर सीएए का मुद्दा नहीं उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं। केरल की 3.30 करोड़ आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 24 फीसदी है, वहीं ईसाई समुदाय की हिस्सेदारी 17 फीसदी है। हालांकि, ईसाई समुदाय का मतदान पैटर्न कुल मिलाकर वही रहता है, जिसमें कांग्रेस को थोड़ी बढ़त मिलती है।

2019 के लोकसभा चुनाव में वामपंथियों का काफी खराब प्रदर्शन रहा था। वह सिर्फ एक सीट जीतने में सफल रहे,

जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीतीं और भाजपा का कमल खिलने में विफल रहा।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि वामपंथी की हार के दो प्रमुख कारण थे। इनमें से एक था वायनाड के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का आना और दूसरा सीएम विजयन द्वारा लिया गया सबरीमाला मंदिर पर गलत रुख। 2019 के दौरान मुसलमानों ने कांग्रेस को भारी संख्या में वोट दिया था।

हालांकि, सीएम विजयन ने इस ट्रेंड को उलट दिया और उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में राज्य में पद बरकरार रखकर एक रिकॉर्ड बनाया। उनकी जीत के पीछे वामपंथियों के लिए बड़े पैमाने पर मुस्लिम वोट को निर्णायक फैक्टर माना जाता है।

नाम न छापने की शर्त पर एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव में मतदान का पैटर्न स्पष्ट था। इस बार भी मुस्लिम समुदाय जिस तरह से सोचता है, वह निर्णायक फैक्टर हो सकता है। विश्लेषक ने कहा कि वामपंथी और कांग्रेस मुस्लिम समुदाय को प्रभावित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दरअसल जो कोई भी उनके वोटों का बड़ा हिस्सा हासिल करेगा वह फायदे में होगा।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए तीसरे स्थान पर रहा और मात्र 15.64 प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर पाया। वहीं 19 सीटें जीतने वाली कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ को 47.48 प्रतिशत वोट मिले और माकपा के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे को सिर्फ एक सीट मिली, जिसे 36.29 प्रतिशत वोट मिले।

आंजना की उम्मीदवारी से चित्तौड़गढ़ में रोचक मुकाबला

चित्तौड़गढ़, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशी चंद्र प्रकाश जोशी जो इस बार भी अपनी भारी जीत के प्रति आश्वस्त थे, लेकिन कांग्रेस ने अपने कद्दावर नेता उदयलाल आंजना को मैदान में उतारकर मुकाबले को रोचक बना दिया है।

कड़े मुकाबले में फंसे जोशी अब अपने क्षेत्र से बाहर कहीं भी चुनाव प्रचार के लिए नहीं जा पा रहे हैं। पार्टी के विधायकों सहित पिछले कुछ समय से वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी भी जीत के अंतर को कम करती दिखाई दे रही है। भारत आदिवासी पार्टी (बाप) उम्मीदवार ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। अभी तक यहां मतदाता खामोश बैठा हुआ है और मोदी या राम लहर जैसा कुछ सामने भी नहीं आ रहा है।

जोशी जो गत चुनाव में कांग्रेस के गोपाल सिंह ईडवा से बाहरी बनाम स्थानीय के नारे के दम पर करीब छह लाख मतों से जीते थे और इस बार फिर उम्मीदवारी घोषित होते ही उनके समर्थक एवं पार्टी के दिग्गज नेता इस बार दस लाख से जीत का दावा कर रहे थे। कांग्रेस ने धनबल वाले अपने कद्दावर नेता पूर्व मंत्री एवं सांसद उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाकर जोशी के सामने चुनौती पेश की है।

आंजना के साथ मुफीद स्थिति यह भी है कि भाजपा जो अब तक अफीम किसानों की राजनीति कर संसद में पहुंचती रही है, उसके सामने इस बार अफीम डोडा-चूरा के पुराने व्यवसायी आंजना के होने से करीब तीन लाख मतों का भी बंटवारा होने का अनुमान है।

जोशी अपने प्रचार की शुरुआत में अफीम पर ही अपना प्रचार केंद्रित किये हुये थे, वह अब अपने 10 सालों में करवाये गए कामों पर भी जन सम्पर्क के दौरान समर्थन मांग रहे हैं। जोशी के साथ एक और समस्या बनी हुई है कि गत विधानसभा चुनावों में टिकटों में उनकी भूमिका से चित्तौड़गढ़, बेंगू, मावली एवं वल्लभनगर क्षेत्र में गुटों में बंटे कार्यकर्ता एकजुट नहीं हो सके हैं। मावली से बागी लड़ने वाले कुलदीप सिंह और चित्तौड़गढ़ से लड़ने वाले चंद्रभान सिंह और उनके समर्थकों की भले पार्टी में वापसी हो गयी है लेकिन जोशी के समर्थक उन्हें पार्टी कार्यक्रमों और उनके दौरों में बुला नहीं रहे हैं। बेंगू विधायक का एक कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सहित जोशी समर्थक पदाधिकारियों द्वारा किये अपमान और उस पर जोशी की चुप्पी बेंगू के धाकड़ मतों के ध्रुवीकरण में बाधा है। वल्लभनगर में पूर्व विधायक रणधीर सिंह भिंडर को पार्टी में लेने से संघ खेमा खासा नाराज है, भिंडर पर वर्ष 2005 में विधायक रहते एक स्वयंसेवक की हत्या के आरोप लगे थे, तब से वह पार्टी से बाहर थे। जोशी अपने सौम्य व्यवहार और काम के दम पर जीत के प्रति आश्वस्त है, हालांकि अंतर इस बार बेहद कम रहने के आसार बन रहे हैं।

जोशी अब अपने क्षेत्र से बाहर कहीं भी नहीं कर पा रहे चुनाव प्रचार

इधर, आंजना के साथ अब तक विभिन्न गुटों में बंटी पार्टी एकजुट होकर मैदान में हैं

और वह लगातार दौरे कर रहे हैं, जहां अपनी अपनी अदावत भुलाकर सभी नेता कार्यकर्ता उनके साथ हैं। निम्बाहेड़ा से प्रतापगढ़ तक उनका पुराना गढ़ होने, मावली में हाल ही हुये विधानसभा चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत तथा भाजपा की सिर फुट्टोवल से इस बार वह जोशी को पटखनी देने के प्रति आश्वस्त है, लेकिन बाप के प्रत्याशी मांगीलाल मीणा की उम्मीदवारी सहित नाम वापसी के बाद बचे 18 उम्मीदवारों में अधिकांश जैसे बहुजन समाज पार्टी, अम्बेडकर कांग्रेस और दो तीन मुस्लिम प्रत्याशी की मौजूदगी से कांग्रेस को अपने ही परम्परागत मतों के बिखरने का खतरा बना हुआ है।

भाजपा एवं कांग्रेस सहित लोकसभा क्षेत्र में इस बार 18 उम्मीदवार मैदान में है। भाजपा द्वारा देश भर में राम और मोदी लहर होने का दावा यहां पर अभी तक धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है फिर भी भाजपा अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है, भले ही इस बार जीत का अंतर कम हो। भाजपा से हारे गोपाल सिंह ईडवा को भी इस बार भाजपा ने अपने पाले में कर दिया है लेकिन वह नागौर जिले के निवासी है और वह यहां पर बिल्कुल बेअसर हैं।

जम्मू कश्मीर के चुनावी परिदृश्य में दिग्गजों के लिए जीत की राह आसान नहीं

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। अगर यह कहा लाए कि जम्मू कश्मीर का राजनीतिक परिदृश्य किसी भी दिग्गज के लिए जीत की राह आसान नहीं बनाता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। यह पूरी तरह से सच है कि जम्मू कश्मीर की राजनीति के गतिशील परिदृश्य में, प्रसिद्ध नेताओं को भी कई बार अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा है। डॉ. फारूक अब्दुल्ला से लेकर मुफ्ती मोहम्मद सईद तक, कई प्रमुख हस्तियों ने चुनावी असफलताओं का अनुभव किया है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक कथानक को आकार दिया है।

परंपरागत रूप से, नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कश्मीर घाटी में प्रभाव कायम किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने जम्मू क्षेत्र में दबदबा बनाए रखा है। एक उल्लेखनीय उदाहरण में, नेकां नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला को 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान पीडीपी के तारिक हमीद कर्रा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। कर्रा ने 50.58 प्रतिशत वोटों के साथ जीत हासिल की, जो फारूक अब्दुल्ला के 37.04 प्रतिशत से बेहतर थे। हालांकि, कर्रा के पीडीपी से अलग होने के बाद 2017 में हुए उपचुनाव में फारूक अब्दुल्ला ने अपनी सीट दोबारा हासिल कर ली थी।

इसी तरह, पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती, जिन्होंने 2004 और 2014 में

मतदाताओं की विविध और विकसित होती राजनीतिक दर्शाती है प्राथमिकता

अनंतनाग सीट हासिल की थी, को 2019 में हार का सामना करना पड़ा जब नेकां के हसनैन मसूदी विजयी हुए।

मुफ्ती मोहम्मद सईद 1998 में अनंतनाग सीट हासिल करने में सफल रहे थे, लेकिन इसके बाद 1999 के चुनावों में उन्हें नेकां के अली मोहम्मद नायक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी के दिग्गजों को भी चुनावी झटके का सामना करना पड़ा। एक प्रमुख भाजपा नेता चमनलाल गुप्ता उधमपुर सीट पर 2004 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह से हार गए थे। 2014 में कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद को इसी सीट पर भाजपा के डा जितेंद्र सिंह के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

डॉ. जितेंद्र सिंह की जीत 2019 में और मजबूत हो गई जब उन्होंने उधमपुर सीट पर शाही परिवार के विक्रमादित्य सिंह पर जीत हासिल की। ये चुनावी नतीजे इस क्षेत्र में राजनीतिक भाग्य के उतार-चढ़ाव का संकेत देते हैं, जिसमें सत्ताधारी और चुनौती देने वाले एक जटिल चुनावी परिदृश्य की ओर बढ़ रहे हैं।

उधमपुर, अनंतनाग और श्रीनगर संसदीय सीटों में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण राजनीतिक उथल-पुथल देखी गई है, जो मतदाताओं की विविध और विकसित होती राजनीतिक प्राथमिकताओं को दर्शाती है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र भविष्य के चुनावों के लिए तैयार हो रहा है, इन चुनावी लड़ाइयों की विरासत जम्मू कश्मीर की राजनीतिक कहानी की रूपरेखा को आकार देती जा रही है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

मारुति	3.26 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	3.22 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.54 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.39 प्रतिशत
एलटी	1.92 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	1.59 प्रतिशत
विप्रो	1.09 प्रतिशत
सन फार्मा	0.51 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.37 प्रतिशत
टाइटन	0.32 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	71,430
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74750
वायदा	70,981
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

ईयू और भारत के ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग टेक्नोलॉजीज स्टार्टअप से ईओआई आमंत्रित

■ यूरोपीय और भारतीय लघु और मध्यम उद्यमों तथा स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्टअप के बीच सहयोग को बढ़ाना है

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और यूरोपीय संघ ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के वास्ते बैटरी रीसाइक्लिंग टेक्नोलॉजीज के क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप के लिए 30 अप्रैल 2024 तक अपनी रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जमा करने के लिए आमंत्रित किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ईयू भारत व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने मैचमेकिंग कार्यक्रम के तहत यह ईओआई आमंत्रित किया है।

इसका उद्देश्य यूरोपीय और भारतीय लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) तथा स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्टअप के बीच सहयोग को बढ़ाना है। ज्ञान और विशेषज्ञता का अपेक्षित आदान-प्रदान दुर्लभ सामग्रियों की व्यापकता को आगे बढ़ाने और भारत और यूरोपीय संघ दोनों में कार्बन तटस्थता की ओर बढ़ने में सहायक होगा। यह पहल 25 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली में भारत और यूरोपीय आयोग द्वारा घोषित भारत-ईयू व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) के तहत होती है।

यह एक स्थायी एजेंडे को बढ़ावा देने, नवाचार को बढ़ावा देने और यूरोपीय संघ और भारत के बीच मजबूत आर्थिक संबंध बनाने के व्यापक प्रयास का भी हिस्सा है। मंगलवार को लॉन्च किए गए मैचमेकिंग कार्यक्रम के लिए ईओआई, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग टेक्नोलॉजीज के क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय संघ के स्टार्टअप/एसएमई को अपने अभिनव समाधान पेश करने और भारतीय/यूरोपीय उद्यम पूंजीपतियों और समाधान अपनाने वालों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। बारह इनोवेटरों, भारत और ईयू से छह-छह का चयन किया जाएगा और उन्हें जून 2024 में होने वाले मैचमेकिंग कार्यक्रम के दौरान पिचिंग का अवसर मिलेगा। छह फाइनलिस्ट (ईयू से तीन और भारत से तीन) को उनकी पिचिंग प्रस्तुतियों के बाद चुना जाएगा और सम्मानित किया जाएगा।

एलन मस्क ने कहा, भारत में टेस्ला का प्रवेश 'स्वाभाविक प्रगति'

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का कहना है कि भारत में टेस्ला का प्रवेश एक स्वाभाविक बात (नेचुरल प्रोग्रेशन) है। देश इस परिवर्तन के लिए तैयार है। मस्क का ये बयान भारतीय बाजार में टेस्ला की एंट्री का एक बड़ा संकेत है। नोर्गेस बैंक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट के सीईओ निकोलाई टैंगेन के साथ अपने एक्स पर 'स्पेसेस' मीटिंग में एलन मस्क ने कहा, 'भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराना एक स्वाभाविक प्रगति है।' सभी वाहन इलेक्ट्रिक हो जाएंगे और यह सिर्फ समय की बात है। अन्य देशों की तरह, जिन्होंने ईवी को अपनाया है, भारत में भी अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक कारें होनी चाहिए। पिछले हफ्ते रिपोर्ट सामने आई थी कि इलेक्ट्रिक कार कंपनी भारत में 2-3 अरब डॉलर का ईवी प्लांट स्थापित करने के लिए जगह की तलाश के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भेज रही है। कथित तौर पर गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु ईवी विनिर्माण शुरू करने और उन्हें निर्यात करने के कंपनी के एजेंडे में टॉप पर हैं।

'भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराना एक स्वाभाविक प्रगति है।' सभी वाहन इलेक्ट्रिक हो जाएंगे और यह सिर्फ समय की बात है:-एलन मस्क

पीएम नरेंद्र मोदी ने ई-मोबिलिटी सेक्टर में निवेश के लिए देश में अवसर तलाशने के लिए एलन मस्क को आमंत्रित किया था। उद्योग विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ-साथ ईवी बैटरी विनिर्माण में वृद्धि से विनिर्माण लागत कम होगी और देश में ईवी बिक्री को बढ़ावा मिलेगा।

आईआईएचएल लेगी आईएएमआई में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडसइंडइंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) और इनवेस्को लिमिटेड ने एक संयुक्त उद्यम बनाने का करार किया है जिसमें आईआईएचएल इनवेस्को एस्सेट मैंनेजमेंट इंडिया लिमिटेड में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगी। इनवेस्को एस्सेट मैंनेजमेंट इंडिया अभी इनवेस्को लिमिटेड की भारतीय शाखा है, जो एक स्वतंत्र वैश्विक निवेश प्रबंधन फर्म है, जिसकी प्रबंधनाधीन संपत्ति 1.6 लाख करोड़ डॉलर से अधिक है। आईआईएचएल इंडसइंड बैंक की प्रवर्तक इकाई है, जो बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध भारत का 5वां सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का बैंक है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा विनियमित है। इनवेस्को नवगठित संयुक्त उपक्रम में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखेगा और आईआईएच और इनवेस्को दोनों के पास

IndusInd International Holdings Limited

प्रायोजक का दर्जा होगा। दोनों साझेदार इनवेस्को के वैश्विक उत्पादों और प्रक्रियाओं के पोर्टफोलियो के साथ उद्यम में अपनी-अपनी विशेषज्ञता लाते हैं, और आईआईएचएल 11000 से अधिक टच पॉइंट और 4 5 करोड़ ग्राहक आधार के एक मजबूत वितरण नेटवर्क की सुविधा प्रदान करता है।

एसर का 200वां स्टोर शुरू

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। टेक्नोलॉजी ब्रांड एसर ने दिल्ली एनसीआर में अपना विस्तार करते हुये नोएडा में अपने 200वें स्टोर का आज शुभारंभ किया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नया स्टोर एक ऐसा वातावरण प्रदान करता है जहां ग्राहक एसर के उत्पादों की अत्याधुनिक रेंज को पूरी तरह से एक ही जगह देख सकते हैं। स्लीक लैपटॉप से लेकर पावरफुल डेस्कटॉप और मॉनिटर से लेकर शानदार गेमिंग डिवाइस और ढेर सारी एक्सेसरीज़ तक एसर के तमाम उत्पाद यहां एक ही स्टोर में मिल सकेंगे। उसने कहा कि अभिनेत्री मौनी रॉय ने इस स्टोर का शुभारंभ किया और इस दौरान दो एआई लैपटॉप - स्विफ्ट

गो और प्रीडेटर हेलिओस 16 सीरीज भी लॉन्च किए गये।

कंपनी ने कहा कि नोएडा के डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में 200वें स्टोर का शुभारंभ ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण मौका है। यह स्टोर ग्राहकों को एक शानदार खरीदारी अनुभव देने के नजरिए से स्थापित किया गया है जो रिटेल खरीदारों की खरीदारी को सुविधाजनक बनाने के एसर के नजरिए के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। यह उपलब्धि पूरे भारत में ग्राहकों के लिए नई टेक्नोलॉजी को सुलभ बनाने के प्रति एसर के अटूट समर्पण को दिखाती है और उत्पादों और सेवाओं में उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। एसर इंडिया के मुख्य विक्रय अधिकारी संजीव मेहतानी ने कहा, हम अपने 200 वें स्टोर के शुभारंभ के साथ इस बड़ी उपलब्धि तक पहुंचकर उत्साहित हैं। यह उपलब्धि कड़ी मेहनत का प्रमाण है। इसको संपूर्ण एसर टीम का समर्पण और हमारे ग्राहकों और पार्टनर्स का अटूट समर्थन हासिल है। हम अपने रिटेल कारोबार का विस्तार कर रहे हैं। हम नए प्रोडक्ट, अच्छी सर्विस और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे ग्राहकों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

सार संक्षेप

ब्लू स्टार ने लॉन्च की रूम एसी की नई रेंज

नई दिल्ली। ब्लू स्टार लिमिटेड ने मंगलवार को रूम एसी की अपनी नई रेंज का अनावरण किया, जिसमें किफायती और फ्लैगशिप प्रीमियम रेंज शामिल हैं। कंपनी ने कुल मिलाकर, हर उपभोक्ता वर्ग की ज़रूरत को पूरा करने के लिए इन्वर्टर, फिक्स्ड स्पीड और विंडो एसी के स्पेक्ट्रम और अलग-अलग कीमत वाले 100 से अधिक मॉडल लॉन्च किए। कंपनी के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने नयी रेंज को लाँच के मौके पर यहां संवाददाताओं से कहा, रूम एसी का बाजार अपने ऐतिहासिक मोड़ पर है और अगले कुछ साल में तेजी से विकास करने के लिए तैयार है। उद्योग का अनुमान है कि 2030 तक बाजार बढ़ कर दोगुने से भी अधिक हो जाएगा। 80 साल से अधिक की एसी विशेषज्ञता और बाज़ार में स्थापित होने के मद्देनज़र यह हमारे लिए उल्लेखनीय अवसर है।

अमेजन डॉट इन पर नेशनल पेट डे के पर अपने पालतू पशु को दें भरपूर प्यार

नई दिल्ली। अमेजन डॉट इन पर नेशनल पेट डे पावर्ड बाय पेडिग्री और ड्रूल्स 11 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस खास दिन को मनाने के लिए, अमेजन ने पालतू पशुओं के मालिकों और शौकीनों के लिए एक 'पर्फेक्ट' शॉपिंग गाइड तैयार की है। यह शॉपिंग गाइड आपके प्यारे पालतू पशुओं के लिए खासतौर पर तैयार की गई है। यह गाइड आपको अपने प्यारे साथी के साथ पूरी धूमधाम से जश्न मनाने और उन्हें खुश करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी मदद से आप यह तय कर सकेंगे कि आपके हरदिल अजीज को बेस्ट से कम कुछ न मिले। नेशनल पेट डे के मौके पर सभी पालतू पशुओं को खाने में ऐसे प्रीमियम फूड मिलने चाहिए जो उनका दिल खुश कर दे, ऐसे खिलौने मिलें जो उन्हें भरपूर मजा दें, रोजमर्रा की जरूरत की ऐसी चीजें मिलें जो उन्हें भरपूर आराम दें, या फिए ऐसे विटामिन मिलें जो उन्हें सेहतमंद और फुर्तीला रखें। आपके पालतू पशु की सभी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए, अमेजन डॉट इन पेडिग्री, ड्रूल्स, व्हिस्कस, बार्क आउट लाउड, प्योरपेट, चैप्पी, रॉयल कैनिन, द बर्ड्स कंपनी, हिमालय वेलनेस कंपनी जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों का एक विशाल संग्रह पेश कर रहा है।

'चीनी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां लाभ हासिल करने के लिए सब्सिडी पर निर्भर नहीं हैं'

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वनथाओ ने फ्रांस के पेरिस में आयोजित चीनी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में कहा कि चीनी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां निरंतर तकनीकी नवाचार, उत्तम उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला और पूर्ण बाजार प्रतिस्पर्धा के आधार पर तेजी से विकास कर रही हैं, सब्सिडी पर आधारित प्रतिस्पर्धा लाभ प्राप्त नहीं कर रही हैं। अमेरिका और यूरोप द्वारा चीनी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों की 'अतिरिक्त क्षमता' की आलोचना बिलकुल निराधार है।

75 हजारी होकर फिसला शेयर बाजार

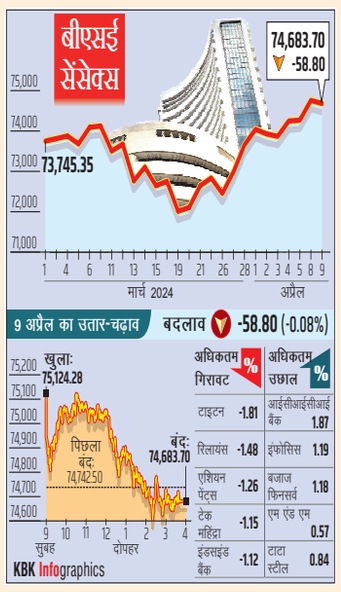

मुंबई, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत महज चौबीस सत्रों में 75 हजारी हुआ सेंसेक्स आज दोपहर बाद टाइटन, रिलायंस, टीसीएस, एलटी, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और एसबीआई समेत अठारह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शिखर से फिसल गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स मंगलवार को खुलते ही महज चौबीस सत्रों में 74 हजार अंक से 75 हजार अंक के पार पहुंच गया। लेकिन, ऊंचे भाव पर बिकवाली होने से यह 58.80 अंक फिसलकर 74,683.70 अंक पर आ गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 23.55 अंक उतरकर 22,642.75 अंक पर बंद हुआ। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी बिकवाली हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 0.47 प्रतिशत गिरकर 40,746.60 अंक और स्मॉलकैप 0.15 प्रतिशत उतरकर 45,935.21 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3951 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ,

जिनमें से 2229 में गिरावट जबकि 1612 में तेजी रही वहीं 110 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी 34 कंपनियां लाल जबकि शेष 16 लाल निशान पर बंद हुई। बीएसई के 10 समूहों में बिकवाली हुई। इससे सीडी 0.31, ऊर्जा 0.71, एफएमसीजी 0.57, इंडस्ट्रियल्स 0.55, दूरसंचार 0.29, ऑटो 0.32, कैपिटल गुड्स 0.32, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.10, तेल एवं गैस 0.47 और पावर समूह के शेयर 0.18 प्रतिशत टूट गए।

■ बिकवाली होने से यह 58.80 अंक फिसलकर 74,683.70 अंक पर आ गया

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.13, जापान का निक्केई 1.08, हांगकांग का हैंगसेंग 0.57 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.61 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.46 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 382 अंक की तेजी लेकर 75,124.28 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। बिकवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 74,603.37 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 74,742.50 अंक के मुकाबले 0.08 प्रतिशत फिसलकर 74,683.70 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी भी 99 अंक की बढ़त के साथ 22,765.10 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,768.40 अंक के उच्चतम जबकि 22,612.25 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,666.30 अंक की तुलना में 0.10 प्रतिशत गिरकर 22,642.75 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली प्रमुख कंपनियों में टाइटन 1.81, रिलायंस 1.48, एशियन पेंट 1.26, टेक महिंद्रा 1.15, इंडसइंड बैंक 1.12, विप्रो 0.85, टीसीएस 0.64, आईटीसी 0.63, एसबीआई 0.55, एलटी 0.53, टाटा मोटर्स 0.47, पावरग्रिड 0.32, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.27, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.21, एनटीपीसी 0.18 और भारती एयरटेल 0.15 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, आईसीआईसीआई बैंक 1.87, इंफोसिस 1.19, बजाज फिनसर्व 1.18, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.57, टाटा स्टील 0.48, एक्सिस बैंक 0.38, बजाज फाइनेंस 0.30, नेस्ले इंडिया 0.25, एचसीएल टेक 0.21, एचडीएफसी बैंक 0.16, मारुति 0.11 और सन फार्मा के शेयर 0.06 प्रतिशत मजबूत रहे।

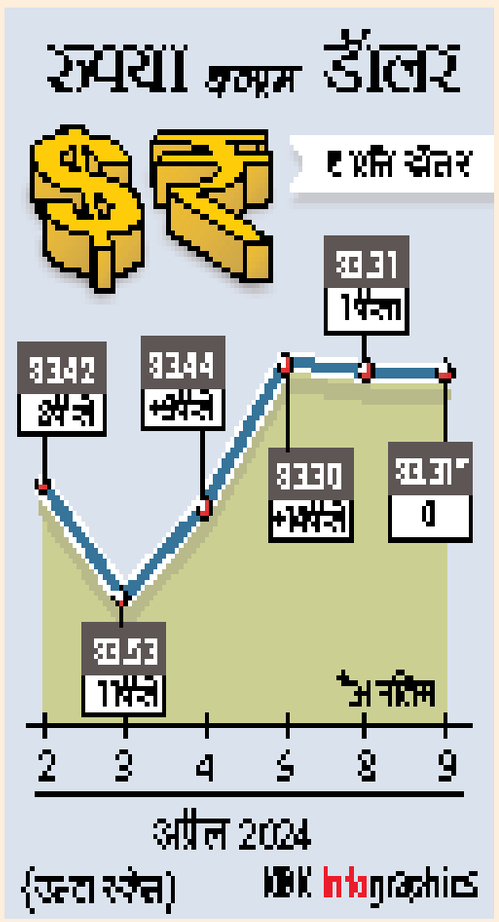

मूंगफली और वनस्पति तेल महंगा दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में आई तेजी के प्रभाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल और वनस्पति तेल महंगे हो गए जबकि दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 17 रिंगिट की बढ़त लेकर 4531 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायद 0.19 सेंट की तेजी के साथ 48.09 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल में 73 रुपए और वनस्पति तेल में 133 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान मूसर दाल 100 रुपए और उड़द दाल 150 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई जबकि अरहर दाल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, चना, दाल चना और मूंग दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आईएसएच, सोम्मेट एजुकेशन और एक्कोर ग्रुप ने भारतीय प्रतिभा विकास पहल की घोषणा की

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का आतिथ्य क्षेत्र अपनी समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत व असाधारण गर्मजोशी के लिए प्रसिद्ध है। देश लक्जरी रिसॉर्ट्स से लेकर हेरिटेज होटलों तक अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जो इसे गहन अनुभवों और शीर्ष पायदान सेवाओं पर नजर रखने वाले वैश्विक यात्रियों के लिए वांछित गंतव्य बनाता है। इसके अलावा, यह क्षेत्र अभूतपूर्व विकास के लिए तैयार है और इच्छुक पेशेवरों के लिए प्रचुर अवसर प्रदान करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के आतिथ्य उद्योग के राजस्व में 2028 तक उल्लेखनीय उछाल देखने की उम्मीद है, जिससे रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। हालांकि, अपनी अपार संभावनाओं के बावजूद यह क्षेत्र कौशल अंतराल और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के सीमित प्रदर्शन जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस अंतर को पाटने के लिए प्रसिद्ध वैश्विक और भारतीय आतिथ्य शिक्षा संस्थान और उद्योग के खिलाड़ी देश में प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए रणनीतिक रूप से सहयोग कर रहे हैं।

इंडियन स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी, सोमेट एजुकेशन और एक्कोर ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई भारतीय प्रतिभा विकास पहल, भारतीय युवाओं के कौशल को बढ़ावा देने और भारत के आतिथ्य क्षेत्र में कई अवसर प्रदान करने की दिशा में एक ऐसा कदम है। सोम्मेट एजुकेशन फाउंडेशन इस पहल का नेतृत्व करेगा, जिसमें एक्कोर ग्रुप गर्व से इसके संस्थापक संरक्षक के रूप में काम करेगा।

सोम्मेट एजुकेशन फाउंडेशन की उपाध्यक्ष कार्यकारी अनौक वीस ने कहा, 'फाउंडेशन की पहली पहल में भारत पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वंचित पृष्ठभूमि से आए प्रतिभाशाली व्यक्तियों की पहचान की जाएगी और उन्हें नौ महीने तक बेकरी व पाक कला का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद एक्कोर समूह के भीतर तीन महीने का प्रशिक्षण होगा और पूर्व-योग्य अनुबंध के साथ समूह में प्रवेश दिया जाएगा।'

श्रीमती वीस ने कहा, 'हमें भारत में इस पहल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, खासकर देश के संपन्न आतिथ्य क्षेत्र को देखते हुए। देश की कुल बेरोजगारी दर में लगभग 83 फीसदी युवा हैं और आतिथ्य उद्योग में शामिल होना नौकरी की गारंटी है।' आतिथ्य विशेषज्ञ भी मानते हैं कि शिक्षा में समावेशिता को बढ़ावा देने और भविष्य के नेताओं को विकसित करने के लिए सामर्थ्य महत्वपूर्ण है। श्रीमती वीस के अनुसार, भारतीय प्रतिभा विकास पहल के तहत छात्रों के लिए चयन मानदंड में सीखने के लिए वास्तविक जुनून वाले व्यक्तियों की पहचान शामिल होगी। इसके अलावा, पहल मजबूत आतिथ्य डीएनए और सॉफ्ट कौशल वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देगी, क्योंकि वे शैक्षणिक योग्यता की तरह ही महत्वपूर्ण हैं।

खेल जगत

हम पिच को पढ़ने में नाकाम रहें : श्रेयस

चेन्नई। दो बाहरी मैचों में हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने अंततः घरेलू मैच में कोलकाता को हराकर टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज की। यह इस सीज़न में कोलकाता की पहली हार थी, जो चेपॉक की धीमी पिच को पढ़ने में नाकाम रहे। इससे पहले पिछले दो घरेलू मैचों में चेन्नई के स्पिनर्स एक भी विकेट नहीं चटका पाए थे, लेकिन सोमवार को अकेले रवींद्र जडेजा ने ही तीन विकेट चटकाए और उनकी जीत के सूत्रधार रहें। कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद कहा कि उनकी टीम पिच और परिस्थितियों को ठीक से पढ़ने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रुप से लगता है कि हमसे विकेट को पढ़ने में चूक हुई। हमने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की, लेकिन उसे हम आगे नहीं ले जा पाए। हम लगातार विकेट खोते रहे और पावरप्ले के बाद इस विकेट पर रन बनाना आसान नहीं रह गया।

आज राजस्थान का मुकाबला गुजरात से

बटलर को रोकने की जिम्मेदारी राशिद और मोहित पर

■सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जोस बटलर के आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में जयपुर मे शतक जड़ रंग में आ आने के साथ लगातार चौथा मैच जीतने वाली अजेय राजस्थान रॉयल्स चार मैचों में दो-दो अर्द्धशतक जड़ने वाले अपने कप्तान संजू सैमसन और रेयन पराग के बूते अपने घर में अपना शाही प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछली उपविजेता गुजरात टाइटंस को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को जीत का सिलसिला जारी रखते हुए शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत करने के मकसद से उतरेगी। वहीं अपने लखनऊ में लखनऊ सुपर जायंटस सहित अपने पिछले लगातार दो और कुल पांच में तीन मैच हारने और मात्र दो मैच जीतने वाली गुजरात टाइटंस की कोशिश विजयरथ पर सवार राजस्थान रॉयल्स को उसके घर में हरा लगातार तीसरी हार से बच कर फिर जीत की राह पर लौटने की होगी। गुजरात टाइटंस के लिए एक हौसला बढ़ाने वाली बात यह है कि उसने राजस्थान रॉयल्स के कड़े संघर्ष के बावजूद अपने पिछले पांच में चार मैच जीते हैं और उसे इसी से प्रेरणा लेकर उतरना होगा। राजस्थान के लिए रन बनाने में मौजूदा संस्करण में तीसरे नंबर पर चल रहे रेयन पराग (कुल 185 रन) ने मध्यक्रम में उतर कर उसकी पारी को कप्तान संजू, ध्रुव जुरैल और शेमरॉन हेटमायर के साथ मिलकर ऐसी सही लय दी है कि टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने के साथ बड़े स्कोर के पार भी पहुंचने में कामयाब रही है। राजस्थान रॉयल्स की अकेली चिंता नौजवान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का शुरू के चार मैचों में एक भी अर्द्धशतक तक जड़ने को तरसना है। शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस ने भले ही अपने पिछले दोनों मैच हारे हैं लेकिन पिछले सीजन में कप्तानी करने वाले हार्दिक पांडया को मुंबई इंडियंस को बेचे जाने और तुरुप के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के एड़ी के ऑपरेशन के बाद अभी भी पूरी तरह फिट हो मैदान पर लौटने के लिए संघर्ष करने के बावजूद अपने पहले मैच में पांच बार चैंपियन रह चुकी मुंबई इंडियंस और दे दनादन में माहिर किसी भी बड़े स्कोर को पार करने का दम रखने वाली सनराइजर्स हैदराबाद से अपने मैच जीत दिखाया कि उसके खिलाड़ियों को अपनी ताकत पर भरोसा है। राजस्थान रॉयल्स की मौजूदा सीजन में विकेट लेने में दूसरे स्थान पर चल रहे लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल (आठ विकेट) से आखिर के मारधाड़ वाले ओवर में गेंदबाजी करने की रणनीति अब खासी रही है।

आईपीएल 2024

टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रोबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख़ खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, युशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान।

दरअसल राजस्थान रॉयल्स के नई गेंद से रफ्तार के साथ धार दिखाने प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम को बिखरने में माहिर रफ्तार के सौदागर ट्रेंट बोल्ट (पांच विकेट) ने नेंड्रे बर्गर उसकी दो जीत के सूत्रधार रहे हैं। साथ ही पारी के आखिर में अपनी ऑफ स्टंप के बाहर गति परिवर्तन के साथ बल्लेबाजों को चौंकाने में आवेश खान ने भले ही अब तक चार मैचों में दो विकेट लिए हैं।

भारतीय महिला टेनिस टीम की बिली जीन किंग कप में विजयी शुरुआत

किंग कप 2024 एशिया/ओशिनिया ग्रुप

चांग्शा, 9 अप्रैल (एजेंसिया)। भारतीय महिला टेनिस टीम ने मंगलवार को पेसिफिक ओशिनिया को 3-0 से हराकर बिली जीन किंग कप 2024 एशिया/ओशिनिया ग्रुप एक में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। चीन के चांग्शा में मून आइलैंड क्ले पार्क में आज खेले गये मुकाबले में रुतुजा भोसले और अंकिता रैना ने अपने-अपने एकल मैच जीते, वहीं प्रार्थना थोम्बारे और श्रीवल्ली भामिदिपति युगल मुकाबले में विजयी रहे। भोसले ने 42 मिनट तक चले मुकाबले में पेसिफिक ओशिनिया की तरानी कमो पर 6-0, 6-0 से हराया। अंकिता रैना ने साओर्से ब्रीन पर 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की। रैना ने पहले सेट में लगातार 10 अंक जीतकर अपना दबदबा कायम किया और एक घंटे नौ मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। महिला युगल मुकाबले में प्रार्थना थोम्बारे और श्रीवल्ली भामिदिपति ने 51 मिनट तक चले मुकाबले में पैसिफिक ओशिनिया की मेहेतिया बूसी और रूबी कॉफिन की जोड़ी को 6-1, 6-3 से हराया। भारतीय टेनिस टीम बुधवार को बिली जीन किंग कप 24 में मेजबान चीन से भिड़ेगी। चीनी टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ अपना पहला मैच भी 2-1 से जीता।

पूर्व कोच फर्नांडीज ने पेरिस ओलंपिक पदक के लिए निखत जरीन का समर्थन किया

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। लंबे समय से बॉक्सिंग कोच ब्लास इग्लेसियस फर्नांडीज ने निखत जरीन को आगामी पेरिस ओलंपिक में पदक के साथ वापसी करने का समर्थन किया है। 68 वर्षीय क्यूबाई खिलाड़ी, जिन्होंने 1990 में पहली बार भारत आने के बाद भारतीय मुक्केबाजी का चेहरा बदल दिया, को लगता है कि लवलीना बोरगोहेन भी जीत सकती हैं, लेकिन यदि वह मारक प्रवृत्ति दिखाती हैं। फर्नांडीज, द्रोणाचार्य पुरस्कार जीतने वाले एकमात्र विदेशी कोच हैं, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा दो साल की अवधि के लिए उच्च प्रदर्शन कोच के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद भारत वापस आ गए हैं।

पहली राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 दो चरणों में होगी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। पहली राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 दो चरणों में होगी और इसका पहला राउरकेला में 30 अप्रैल से 9 मई, 2024 तक होगा। 14 वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में रही टीमें -हॉकी हरियाणा, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी झारखंड, हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी बंगाल, हॉकी मिजोरम, मणिपुर हॉकी और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा- पहली राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग में शिरकत करेंगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारत की महिला हॉकी खिलाड़ियों के ऐतिहासिक क्षण है। राष्ट्रीय महिला हॉकी हमारी महिला हॉकी के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह लीग देश में महिला हॉकी के विकास और उसकी तरक्की का सबब बनेगी। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग में 21 वर्ष से कम उम्र के भी खिलाड़ी भी शिरकत कर सकते हैं। इस लीग में नौजवान खिलाड़ियों को शामिल करना हॉकी इंडिया की जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को तराशने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस लीग के शुरू होने से न केवल भारतीय हॉकी का स्तर उंचा उठेगा बल्कि देश में अगली पीढ़ी को हॉकी खेलने को प्रेरित करेगी। पहली राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारतीय महिला हॉकी के लिए प्रतिभाओं को तलाशने का मंच होगा। इस लीग से राष्ट्रीय हॉकी चयनकर्ताओं को प्रतिभाओं को तलाशने और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के तराशने में मदद मिलेगी।

जीत के साथ सीजन को समाप्त करने के लिए ईस्ट बंगाल से भिड़ेगी पंजाब एफसी

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब एफसी (पीएफसी) बुधवार को इंडियन सुपर लीग 2023-24 के अपने अंतिम मैच में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगी और जीत के साथ सीजन का अंत करने की उम्मीद करेगी। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाने वाला यह मैच अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण दर्शकों के बिना खेला जाएगा और शाम 7: 30 बजे शुरू होगा। जीत के साथ, पंजाब एफसी को आईएसएल में अपने पहले सीजन में अच्छी पोजीशन पर सीजन समाप्त करने की उम्मीद होगी, जबकि ईस्ट बंगाल को अपने प्लेऑफ की संभावनाओं को जीवित रखने की उम्मीद होगी।

पंजाब एफसी अपने पिछले मैच में मोहन बागान के खिलाफ एकमात्र गोल से हार गई थी, जबकि ईस्ट बंगाल, भी सीजन का अपना आखिरी मैच खेलेगा, ने

कोलकाता में बेंगलुरु एफसी को 2-1 से हराया। दिसंबर में कोलकाता में खेले गए रिवर्स मैच में दोनों टीमों ने गोल रहित ड्रॉ खेला था। मैच से पहले, पीएफसी के मुख्य कोच स्टाइकोस वेरगेटिस ने कहा कि मेरा मानना है कि तालिका में हमारी पोजीशन हमारे प्रदर्शन को नहीं दर्शाती है। हमारा सीजन उससे बेहतर था और हम आह की जीत के साथ अपने पहले सीज़न का शानदार अंत करना चाहते हैं। ईस्ट बंगाल क्वालिटी खिलाड़ियों के साथ एक बहुत अच्छी टीम है और हम उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें उम्मीद है कि हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे और पूरे तीन अंक हासिल कर सीजन का अंत शानदार तरीके से करेंगे। एएफसी एशिया कप के बाद, जब लीग फिर से शुरू हुई तब से मदीह तलाल, लुका माजसेन और विल्मर जॉर्डन गिल की आक्रामक तिकड़ी ने क्लब की किस्मत बदल दी है। मदीह तलाल विशेष रूप से पूरे सीज़न में शानदार फॉर्म में रहे हैं और पांच गोल किए हैं और अन्य आठ में असिस्ट किया है, जो लीग में सबसे अधिक है। उन्होंने 51 चान्सेस भी बनाए हैं, जो लीग में सबसे ज्यादा है। लुका माजसेन और विल्मर जॉर्डन की स्ट्राइकिंग जोड़ी ने सात और छह गोल किए हैं। रिकी शाबोंग, अमरजीत सिंह कियाम और निखिल प्रभु द्वारा डिफेंस और अटैक दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ मिडफील्ड डिफेंस और अटैक लाइन के बीच ब्रिज बनने में सफल रहा है। दिमित्रियोस चात्ज़िइसाईस और सुरेश मैतेई ने प्रतिद्वंद्वी हमलों को नाकाम करते हुए सेंटर में एक मजबूत डिफेंसिव कॉम्बिनेशन बनाया है।

मेरा मानना है कि तालिका में हमारी पॉजिशन हमारे प्रदर्शन को नहीं दर्शाती है। हमारा सीजन उससे बेहतर था और हम आह की जीत के साथ अपने पहले सीजन का शानदार अंत करना चाहते है : स्टाइकोस वेरगेटिस, पीएफसी मुख्य कोच

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएफसी के मिडफील्डर मंगलेथलांग किपगेन ने कहा कि हम ईस्ट बंगाल टीम के खिलाफ कोच की योजनाओं को एग्जीक्यूट करने के लिए तैयार हैं। हम कल अच्छी फुटबॉल खेलने और पूरे तीन अंक हासिल करने की कोशिश करेंगे। आईएसएल में अपने पहले सीज़न के बारे में, 18 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आईएसएल में डेब्यू करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था।

सार संक्षेप

हैदराबाद ने हसरंगा की जगह विजयकांत वियाष्कांत को टीम में शामिल किया

मुल्लांपुर। सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल वनिंदु हसरंगा के स्थान पर हमवतन स्पिनर विजयकांत वियाष्कांत को टीम में शामिल किया है। 22वर्षीय के वियाष्कांत ने अभी तक एक अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच 2023 में एशियन गेम्स में खेला था। आईएलटी-20 में माय एमिरेट्स के लिए खेलते हुए उन?होंने चार मैचों में आठ विकेट लिये थे। वह बीपीएल में चटगांव चैलेंजर्स और एलपीएल में जाफना किंग्स के लिए खेलते हैं। 33 टी-20 में वियाष्कांत की 18.78 की औसत, 6.76 की इकॉनमी और 16.6 का स्ट्राइक रेट है। राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट कुमार संगकारा उनको पिछले आईपीएल सत्र नेट गेंदबाज के तौर पर लेकर आए थे। अब वह श्रीलंका के एक और खिलाड़ी मुथैया मुरलीधरन के साथ काम करेंगे जो सनराइज़र्स में गेंदबाजी कोच हैं।

श्याम लाल कॉलेज तीसरे पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। श्याम लाल कॉलेज ने किरोड़ीमल कॉलेज को 9-1 से हराकर तीसरे पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में हॉकी के पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यहां खेले गये मुकाबले में श्याम लाल कॉलेज की ओर से ललित और आशीष शेरावत ने तीन तीन गोल दागे। वहीं आशीष गुप्ता मोहित और प्रवीण ने एक-एक गोल किए। करोड़ीमल कॉलेज की ओर से ध्रुव ने एकमात्र गोल किया। श्यामलाल कॉलेज के आशीष शेरावत को मैन ऑफ द अवार्ड नवाजा गया। एक अन्य मुकाबले में गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज एलुमनाई टीम ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स को 6-1 से हारकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज एलुमनाई टीम की ओर से मनीष ने तीन, विपिन ने दो और सूरज ने एक गोल दागे। जबकि श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की ओर से एकमात्र गोल आयुष ने किया।

जमशेदपुर को हराकर एफसी गोवा ने लीग शील्ड की अपनी उम्मीदों को कायम रखा

जमशेदपुर। एफसी गोवा ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में डबल हेडर के पहले मुकाबले में मेजबान जमशेदपुर एफसी को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही एफसी गोवा की तालिका के शीर्ष-दो पर रहने की उम्मीदें बनी हुई हैं। एफसी गोवा की जीत में मोरोक्कन स्ट्राइकर नौहा सदौई ने 21वें, स्पेनिश स्ट्राइकर कार्लोस मार्टिनेज ने 28वें और स्थानापन्न स्पेनिश मिडफील्डर बोर्जा हेरारा ने 90+5वें मिनट में गोल किए। नौहा सदौई को पहला गोल करने और दूसरे में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

चेन्नई को चेपॉक सुपर किंग्स कहा जाना चाहिए : चोपड़ा

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कोलकाता के खिलाफ चेन्नई के प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही उन्होंने आईपीएल 2024 में घरेलू मैदान पर जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए सीएसके को किंग्स ऑफ चेपॉक करार दिया । रवींद्र जडेजा (3-18) के प्रदर्शन की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की। साथ ही तुषार देशपांडे (3-33) और मुस्तफिजुर रहमान (2-22) के स्पैल ने जडेजा का पूरा साथ दिया। जबकि बल्ले से गायकवाड़ ने एक बेहतरीन पारी खेली और 14 गेंद शेष रहते हुए टीम की जीत पक्की कर दी। अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए एक वीडियो में चोपड़ा ने घरेलू मैदान पर सीएसके की लगातार जीत की सराहना की। उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स, चेपॉक सुपर किंग्स हैं। वे चैंपियन सुपर किंग्स हैं। वे एक ऐसी टीम हैं जो घर पर नहीं हारती हैं। कोई भी उन्हें घर पर हरा नहीं पाया है। कोई भी उनके गढ़ को तोड़ने में सक्षम नहीं है। केकेआर टीम बेहद मजबूत है, लेकिन उनके लिए कुछ भी काम नहीं आया। न तो बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी।

क्ले कोर्ट पर खेलने से सुमित नागल को मिलता है अतिरिक्त आत्मविश्वास

मोंटे कार्लो, 9 अप्रैल (एजेंसियां)। सुमित नागल ने कहा है कि क्ले कोर्ट पर खेलने से उन्हें अतिरिक्त आत्मविश्वास मिलता है। नागल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में सोमवार को फ्रांस के रोकब्रूने-कैप-मार्टिन में खेले जा रहे पहले दौर में इटली के वर्ल्ड नंबर 38 माटेओ अर्नाल्डी को तीन सेटों में हराकर बड़ा उलटफेर किया। नागल ने अर्नाल्डी को 5-7, 6-2, 6-4 से हराकर प्रतिद्वंद्वी की रैंकिंग के हिसाब से अपने करियर की तीसरी सर्वश्रेष्ठ जीत दर्ज की। मोनाको की सीमा के पास फ्रांसीसी शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शीर्ष 50 खिलाड़ी पर यह उनकी तीसरी जीत और शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ी के खिलाफ 11वीं जीत थी। इससे पहले, नागल

1982 में रमेश कृष्णन के बाद 42 साल में टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में खेलने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बने थे। नागल ने टेनिस टीवी को बताया कि यह मेरा बचपन था । जब मैं छोटा था, मैंने 8, 9 साल की उम्र में मिट्टी पर टेनिस खेलना शुरू किया था। जब मैं कनाडा गया तो मुझे ज़्यादा मिट्टी नहीं मिली, लेकिन मैं पिछले 10 वर्षों से जर्मनी में रह रहा हूं। किसी तरह, मुझे मिट्टी से प्यार हो गया, मैं अच्छी तरह से खेलता हूं, इससे मुझे अतिरिक्त आत्मविश्वास मिलता है और मुझे लगता है कि मिट्टी मुझे वह आत्मविश्वास देती है। नागल का अगला मुकाबला राउंड ऑफ 32 में वर्ल्ड नंबर 7 होल्गर रूण से होगा। नागल ने एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखने के लिए रूण की सराहना की, लेकिन अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करने और अपने खेल का आनंद लेने के बारे में बात की। नागल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं मैच का आनंद लेने की कोशिश करूंगा। मैं अच्छा खेल रहा हूं, मेरा शरीर ठीक महसूस कर रहा है। तो, आप कोर्ट पर उतरें, कुछ गेंदें मारें। हर कोई जानता है कि वह एक बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी है, पिछले कुछ वर्षों से शीर्ष 10 में है, यहां उपविजेता रहा है। तो, यह प्रतियोगिता का आनंद लेने, ऐसे अद्भुत लोगों के सामने मैच का आनंद लेने के बारे में है। अर्नाल्डी पर जीत के बाद, नागल को भी 2 स्थान का फायदा हुआ और उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 93वां स्थान हासिल किया।

ईमानदारी से कहूं तो मैं मैच का आनंद लेने की कोशिश करूंगा। मैं अच्छा खेल रहा हूं, मेरा शरीर ठीक महसूस कर रहा है : सुमित नागल

कूजेरियो ने मैनेजर निकोलस लार्कमोन को किया बर्खास्त

रियो डी जेनेरो, 9 अप्रैल (एजेंसिया)। चार बार के ब्राजीलियाई सीरी ए चैंपियन क्रूजेरियो ने अर्जेंटीना के मैनेजर निकोलस लार्कमोन को चार महीने से भी कम समय के बाद बर्खास्त कर दिया है। यह घोषणा क्रूजेरियो की स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एटलेटिको माइनिरो से 3-1 की हार के बाद हुई, जिसके परिणामस्वरूप मिनस गेरैस राज्य चैंपियनशिप के फाइनल में निकोलस लार्कमोन की टीम को कुल 5-3 की हार झेलनी पड़ी। क्रूजेरियो की वेबसाइट पर एक बयान में कहा गया है कि हमने निकोलस लार्कमोन को टीम के प्रभारी के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त करने का फैसला किया है। हम इस क्लब के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं और भविष्य में उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। दिसंबर में पाउलो ऑटोउरी की जगह लेने के बाद लार्कमोन ने बेलो होरिज़ोंटे टीम का सात जीत, चार ड्रॉ और तीन हार में नेतृत्व किया। क्रूजेरियो पिछले साल 20 टीमों की ब्राजीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर रहा था, जो कि रेलीगेशन ज़ोन से केवल चार अंक आगे था। वे अपने 2024 लीग अभियान की शुरुआत 14 अप्रैल को बोटाफोगो के खिलाफ घरेलू मुकाबले से करेंगे।

आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में डिवाइन, जोन्स को मिली बढ़त

दुबई, 9 अप्रैल (देशबन्धु)। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन और इंग्लैंड की विकेटकीपर-बल्लेबाज एमी जोन्स ने अपनी आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृखला की समाप्ति के बाद आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में बढ़त बनाई है, जिसे इंग्लैंड ने 2-1 से जीता था। डिवाइन, जो क्वाड स्ट्रेन के कारण पिछली टी20 सीरीज के पांचवें मैच और वनडे श्रृंखला के पहले दो मैचों में नहीं खेल पाई थीं। उन्होंने अपनी टीम को अंतिम मैच जिताने के लिए 93 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली और 20वें से छलांग लगाकर बल्लेबाजी के टॉप-10 में पहुंच गईं। जोन्स ने हैमिल्टन में खेले गए श्रृंखला के आखिरी दो मैचों में 48 और 50 रन बनाए, जिन्हें महिलाओं की रैंकिंग के नई अपडेट में ध्यान में रखा गया, जिससे पांच स्थान की प्रगति हुई और करियर का सर्वश्रेष्ठ 12 वां स्थान हासिल किया। न्यूजीलैंड के ब्रूक हॉलिडे (नौ स्थान ऊपर 43वें स्थान पर) और इंग्लैंड की माइया बाउचियर (19 स्थान ऊपर 71वें स्थान पर) बल्लेबाजी रैंकिंग में लाभ पाने वालों में शामिल हैं। इंग्लैंड की नई गेंद गेंदबाज केट क्रॉस एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि न्यूजीलैंड की लेग स्पिनिंग ऑलराउंडर अमेलिया केर चार पायदान ऊपर 10वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने बताया कि अमेलिया की बहन जेस केर भी गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 के करीब पहुंच गई हैं। दो मैचों में उनके पांच विकेट ने उन्हें 16वें से 12वें स्थान पर पहुंचा दिया है। नेट साइवर-ब्रंट (नौ स्थान ऊपर 17वें स्थान पर) और हन्ना रोव (तीन स्थान ऊपर 21वें स्थान पर) दो मैचों में चार-चार विकेट लेकर आगे बढ़ी हैं। साइवर-ब्रंट और अमेलिया भी ऑलराउंडरों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी महिला टी20 खिलाड़ी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 गेंदों में 73 रन की मैच विजयी पारी के बाद श्रीलंका की कप्तान चामरी अथापथु दो स्थान आगे बढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गईं, जिससे श्रृंखला 2-1 से जीतने में मदद मिली। हर्षिता समाराविक्रमा के नाबाद 54 रन के स्कोर ने उन्हें दो पायदान आगे बढ़ने और 18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की, जबकि स्पिनर सुगंधिका कुमारी और इनोशी फर्नांडो को गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

आईसीसी महिला चैम्पियनशिप